लखनऊ, सोमवार, 8 मई 2023 | Email: starexpressnews@gmail.com | वर्ष : 16 अंक : 74 | पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रूपया

हिन्दी दैनिक/डिजिटल

स्टार एक्सप्रेस

सोच..... बदलते भारत की

www.starexpress.news

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक वीरशैव लिंगायत फोरम ने कांग्रेस को दिया समर्थन, बीजेपी को झटका

(एजेंसी) हुबली। लिंगायत संप्रदाय के एक शक्तिशाली समूह वीरशैव लिंगायत फोरम ने 10 मई को होने वाले कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का समर्थन करते हुए एक ओपन लेटर जारी किया है। फोरम ने लिंगायत समुदाय के सदस्यों से चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवारों को वोट देने का आग्रह किया है। लिंगायत समुदाय भाजपा का एक पारंपरिक वोट बैंक रहा है और 1980 के दशक से पार्टी नेता बी.एस. येदियुरप्पा, जो समुदाय से हैं, ने लिंगायत समर्थन और आधार विकसित करने के लिए अथक प्रयास किया था।हालांकि, येदियुरप्पा को दरकिनार किए जाने और पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टर को अपने गढ़ हुबली से सीट देने से इनकार करने के बाद यह समुदाय भाजपा के खिलाफ गुस्से में है।

तमिलनाडु में नहीं दिखाई जाएगी द केरल स्टोरी, कानून व्यवस्था को देखते हुए लिया गया फैसला

(एजेंसी) चेन्नई। फिल्म द केरल स्टोरी काफी चर्चा और विवाद बटोर रही है। अदा शर्मा स्टारर इस फिल्म में, केरल में लड़कियों को धर्म बदलने पर मजबूर करने और उन्हें आईएसआईएस जॉइन करवाने की कहानी दिखाने का दावा किया गया है। फिल्म का टीजर रिलीज होने के बाद से ही द केरल स्टोरी पर काफी विवाद हो रहा था और इसे बैन करने की मांग भी की गई थी। हालांकि विवादों के बीच ही शुक्रवार को फिल्म रिलीज हुई और बॉक्स ऑफिस पर अच्चा बिजनेस भी कर रही है। वहीं तमिलनाडु की मल्टीप्लेक्स एसोसिएशन ने थिएटर्स में फिल्म दिखाने से इनकार कर दिया है।

विहिप ने मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफभेजा कानूनी नोटिस, मांगा 100 करोड़ रुपए का मुआवजा

(एजेंसी) नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर अपनी पार्टी के कर्नाटक चुनाव घोषणापत्र में बजरंग दल के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए उन्हें कानूनी नोटिस जारी किया है। साथ ही 100 करोड़ रुपए का हर्जाना मांगा है। विहिप की चंडीगढ़ इकाई और उसकी युवा शाखा बजरंग दल ने 4 मई को नोटिस जारी कर 14 दिनों के भीतर हर्जाने की मांग की है। इस संबंध में भेजे गए प्रश्नों पर कांग्रेस की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

बदायूं पहुँचे योगी, गिनाई सरकार की उपलब्धियां

कर्फ्यू न दंगा, यूपी में सब चंगा

पहले युवाओं को थमाते थे तमंचे, हम पकड़ा रहे टैबलेट : योगी

(संवाददाता)

बदायूं। निकाय चुनाव को लेकर जितना मुख्यमंत्री योगी गम्भीर हैं, शायद ही कोई और हो। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार जनसभाएं कर रहे हैं। आज सीएम योगी ने बदायूं पहुँचे और भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन मेंजनसभा को संबोधित किया। सीएम योगी ने कहा कि 2017 से पहले दंगे होते थे। कर्फ्यू लगता था, अराजकता रहती थी। आज नो कर्फ्यू नो दंगा, यूपी में अब सब चंगा। मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर दोपहर 1.14 बजे पुलिस लाइन मैदान में उतरा। हेलीपैड पर माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाबो देवी, हरप्रसाद पटेल, राजेश यादव, पूनम यादव समेत कई नेताओं ने उनका स्वागत किया। पुलिस लाइन मैदान से मुख्यमंत्री काफिले के साथ रवाना हुए। वो इस्लामिया इंटर कॉलेज के मैदान में 1.32 पर पहुंचे। एक बजकर 39 मिनट पर उनका संबोधन शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि पहले परिवारवादी लोग युवाओं के हाथ में तमंचे पकड़वाते थे। आज युवाओं के हाथों में टैबलेट हैं। मुख्यमंत्री ने करीब 10 मिनट तक सरकार की योजनाओं को गिनाया। इसके बाद नगर निकाय प्रत्याशियों के पक्ष में जनता से समर्थन की अपील की। सीएम योगी ने सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि लोगों को आवास की सुविधा मिली है। करोड़ों लोगों के घरों में शौचालय बने हैं। रसोई गैस के कनेक्शन उपलब्ध हो गए। भारत इकलौता देश है, जिसने 80 करोड़ लोगों को कोरोना काल में मुफ्त राशन दिया। यूपी में 15 करोड़ लोगों से पिछले तीन वर्ष से फ्री में राशन की सुविधा उपलब्ध करा रहा है।बदायूं जिले की सात नगर पालिका और 14 नगर पंचायतों में 11 मई को मतदान है। भाजपा प्रत्याशी जनसंपर्क में जुट हुए हैं। सीएम योगी की जनसभा से सियासी पारा और बढ़ गया है।

सीएम योगी की जनसभा में जिलेभर की नगर पालिका और नगर पंचायतों से लोगों को बुलाया गया। मुख्यमंत्री ने विकास की गति तेज करने के लिए बीजेपी के प्रत्याशियों को जिताने की लोगो से अपील की।

चुनावी वादे पर कांग्रेस का यू टर्न! चिदंबरम बोले, बजरंग दल पर बैन नहीं निर्णायक कार्रवाई करने को कहा था

(एजेंसी) नई दिल्ली। बजरंग दल विवाद के बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने कहा कि कर्नाटक चुनाव से संबंधित उनकी पार्टी के घोषणा-पत्र में यह कतई नहीं कहा गया है कि राज्य में उनकी पार्टी की सरकार बनने की स्थिति में संगठन (बजरंग दल) पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा, लेकिन नफरत फैलाने वाले सभी संगठनों के खिलाफ कानून के दायरे में 'निर्णायक कार्रवाई किए जाने का वादा जरूर किया गया है। चिदंबरम ने भाजपा द्वारा की जा रही आलोचनाओं को लेकर उस पर पलटवार करते हुए बजरंग दल की तुलना बजरंगबली से किए जाने पर सवाल भी उठाया और पूछा कि इस जादुई परिवर्तन की व्याख्या कैसे की जा सकती है। कर्नाटक में 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले दिए एक साक्षात्कार में पूर्व केंद्रीय मंत्री ने विश्वास जताया कि राज्य के लोग बुद्धिमानी से अपने प्रतिनिधि का चयन करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि उम्मीदवारों का चयन तय करेगा कि कर्नाटक एक उदार, लोकतांत्रिक, बहुलवादी, सहिष्णु और प्रगतिवादी मॉडल बनेगा या फिर अंतर्मुखी, बहुसंख्यकवादी, असहिष्णु और दमनकारी राज्य। कांग्रेस नेता ने कहा, ''लोकतंत्र और कर्नाटक के भविष्य के लिए, हमें भाजपा को कर्नाटक में जीतने और इस जीत को पड़ोसी राज्यों में भुनाने से रोकना चाहिए। राज्य में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के कार्यान्वयन और राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनसीआर) लागू करने के भाजपा के वादे के बारे में पूछे जाने पर, पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दोनों ऐसे मुद्दे हैं, जो समाज को विभाजित करने और सामाजिक संघर्ष को बढ़ावा देने की क्षमता रखते हैं।

40 बारातियों से भरी बस की टक्कर, 5 की मौत

भिड़ंत से पलटियां खाती हुई खंती में गिरी, छत उड़ गई, 15 घायल

(संवाददाता)

उरई/जालौन। जालौन में 40 बारातियों से भरी बस को डंपर ने टक्कर मार दी। टक्कर से बस पटलियां खाती हुई सड़क किनारे खंती में जा गिरी। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। जबकि 15 से अधिक बाराती घायल हैं। हादसा इतना भीषण था कि टक्कर के बाद बस की छत अलग होकर सड़क की दूसरी साइड में जाकर गिरी। कई बाराती झटके में बाहर आकर गिर गए। घटना माधौगढ़ कोतवाली

क्षेत्र की है। हादसा रात करीब 2 बजे हुआ। बताया जा रहा है कि मडैरा के रहने वाले मूलचरण पाल के दो बेटे सुनील और प्रमोद की शादी रामपुरा के रामधनी की दो बेटी संध्या और उपासना से तय हुई। शनिवार रात शादी में शामिल होकर सभी बाराती वापस बस से लौट रहे थे। बस गोपालपुरा के पास पहुंची थी, तभी सामने से अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। अंधेरा होने के चलते काफी देर तक बारातियों को मदद नहीं मिल पाई। बाद में स्थानीय लोगों और राहगीरों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने कड़ी मशक्कत से बस मे फंसे लोगों को रेस्क्यू कर बाहर निकाला। इलाज के लिए माधौगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। वहां डॉक्टरों ने कुलदीप सिंह (36) रघुनन्दन (46), सिरोभान (65), करन सिंह (34) और विकास (32) को मृत घोषित कर दिया। जबकि अन्य कई की हालत नाजुक होने पर उन्हें उरई मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। डीएम चांदनी सिंह हादसे में घायल लोगों का हालचाल जानने मेडिकल कॉलेज पहुंची। रविवार सुबह क्रेन के जरिए बस को खंती से बाहर निकाला गया। बस में अब सिर्फढांचा बचा है। प्रत्यक्षदर्शी रवीन्द्र सिंह ने बताया, हम लोग बारात गए हुए। रात को खाना नाश्ता करने के बाद वहां से निकले। बस धीरे-धीरे चल रही थी। रास्ते में दूसरी तरफसे एक डंपर आ रहा था। जो काफी तेज था। उसी से बस की टक्कर हो गई। मैं हल्की नींद में था। तेज झटका लगा फिर चीख-पुकार मच गई। मरने वालों में 3 लोग हमारे गांव के हैं। बस और कंडक्टर की भी मौत हो गई। एक अन्य प्रत्यक्षदर्शी राम स्वरूप ने बताया, मेरे गांव के मूलचरण पाल के दो बेटों की शादी थी। उसी में हम लोग गए थे। बारात लौटते समय रात 2 बजे के करीब तेज रफ्तार डंपर ने टक्कर मार दी। बस में 35 से 40 लोग सवार थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ड्राइवर की साइड पूरी तरीके से क्षतिग्रस्त हो गई। बस एकदम से बंद हो गई थी। ड्राइवर की मौके पर मौत हो गई। ड्राइवर साइड वाले सारे लोग घायल हैं। एसपी डॉ. ईरज राजा भी हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि रात 2 बजे हमें हादसे की सूचना मिली। इसके बाद एम्बुलेंस और पुलिसकर्मियों को भेजा गया। शवों को पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जा रहा है। हादसे के बाद जिस वाहन ने टक्कर मारी है। उसका चालक उसे लेकर भाग गया।

पहलवानों के समर्थन में किसानों के प्रदर्शन से पहले दिल्ली की सभी सीमाओं पर फोर्स तैनात

❑ पहलवानों के समर्थन में जंतर-मंतर पर किसानों ने डाला डेरा, राकेश टिकैत भी पहुंचे...अलर्ट मोड पर दिल्ली पुलिस

(एजेंसी) नई दिल्ली। पहलवानों के पक्ष में रविवार को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने के किसानों के आह्वान से पहले दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा कड़ी कर दी है और सभी एंट्री प्वाइंट्स पर बैरिकेड्स लगा दिए हैं। जानकारी के मुताबिक, सिंघु

बॉर्डर पर दिल्ली पुलिस ने करीब 300 पुलिसकर्मियों और अर्धसैनिक बलों के जवानों को तैनात किया है। बाहरी दिल्ली में पुलिस ने 200 पुलिसकर्मियों को तैनात किया है और टीकरी बॉर्डर पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है जो बहादुरगढ़ (हरियाणा) से जुड़ता है। वे फरीदाबाद-दिल्ली बॉर्डर और गाजियाबाद-दिल्ली बॉर्डर पर सभी वाहनों पर भी नजर रख रहे हैं। दिल्ली पुलिस किसी भी सीमा से किसी भी ट्रैक्टर और ट्रॉली को राष्ट्रीय राजधानी में प्रवेश नहीं करने देगी। सिंघु बॉर्डर पर पुलिस ने किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए बालू से भरे डंपर भी तैनात किए हैं। सिंघु बॉर्डर पर बड़ी संख्या में पुलिस जवानों को तैनात किया गया है और पुलिस ने बैरिकेड्स की कई कतारें बना दी हैं। जंतर मंतर पर पहलवानों के विरोध में पंजाब और हरियाणा के किसानों के शामिल होने की उम्मीद है। पुलिस ने कहा, किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस द्वारा एहतियाती कदम उठाए गए हैं। हम कानून व्यवस्था की स्थिति बनाए रखना चाहते हैं। एक सूत्र ने कहा कि ऐसा त्वरित कार्रवाई करने के लिए किया गया है। अगर बार्डर को अचानक बंद करना पड़ा तो आगे डंपर लगाकर रास्ता बंद किया जा सकता है। सूत्र ने कहा, चूंकि बड़ी संख्या में ट्रैक्टर और अन्य वाहनों के आने की उम्मीद है, पुलिस के लिए उन्हें रोकना एक चुनौती होगी और इसलिए ये सभी तैयारियां की जा रही हैं। हालांकि पुलिस ने बैरिकेड्स लगा दिए हैं, लेकिन सिंघु बॉर्डर पर ट्रैफिक सुचारू है। दिल्ली में प्रवेश करने वाले हर व्यक्ति पर पुलिस नजर रख रही है। सिंघु बॉर्डर नेशनल हाईवे 44 पर है, जो दिल्ली को हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर से जोड़ता है।

जो खुद अपने लिए 171 करोड़ का महल बनाए वो किस बात का आम आदमी? कांग्रेस बोली- भ्रष्ट है केजरीवाल सरकार

(एजेंसी)

नई दिल्ली। दिल्ली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सीएम आवास को लेकर अब कांग्रेस पार्टी ने निशाना साधा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि, केजरीवाल खुद को आम आदमी दिखाने के लिए अपनी साइज से बड़े कपड़े पहनते हैं, एक रुपए की कलम रखते हैं लेकिन जिस तरह से इन्होंने अपना घर बनाया है उसने भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। कांग्रेस नेता ने कहा असल सादगी की मिसाल तो पूर्व सीएम शीला दीक्षित थीं। अजय माकन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दिल्ली सीएम पर आरोप लगाते हुए कहा कि केजरीवाल जी ने अपने महल पर जितना खर्च 2 साल में कर दिया उतना शीला दीक्षित सरकार ने 15 साल के कार्यकाल में नहीं किया। दिल्ली के मुख्यमंत्री का महल 45 करोड़ नहीं बल्कि 171 करोड़ का बना है और सारा पैसा सरकार के खजाने से गया है।

नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए इन्होंने हेरिटेज बिल्डिंग को गिरा कर दो मंजिला इमारत बना दी। इस दौरान 28 पेड़ काट दिए गए। एफिडेविट दे कर खुद को आम आदमी कहने वाले के घर में लाखों के पर्दे और करोड़ों के मार्बल लगे हैं। ऐसे में उपराज्यपाल को इसकी पूरी छानबीन करनी चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा, केजरीवाल के शराब घोटाले की पहली शिकायत कांग्रेस ने की थी। केजरीवाल सरकार भ्रष्ट है जो 171 करोड़ का खुद का महल बनाए वो किस बात का आम आदमी? लोकपाल को लेकर केजरीवाल अब चुप क्यों हैं? हर पार्टी को केजरीवाल का असली चरित्र समझना चाहिए। भ्रष्टाचार से जो भी पैसे अर्जित हो रहा है, उसे कांग्रेस के खिलाफ इस्तेमाल कर रहे हैं। आम आदमी पार्टी की वजह से बीजेपी और ज्यादा मजबूत हो रही है।

बेंगलुरु में पीएम मोदी का 10 किमी लंबा रोड शो

ढोल नगाड़ों के साथ पहुंचे लोग...फूलों की हुई बारिश

(एजेंसी)

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्नाटक में 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले रविवार सुबह बेंगलुरु में आठ किलोमीटर लंबा रोड शो शुरू किया। थिप्पसंद्र में केंपेगौड़ा की प्रतिमा से ट्रिनिटी सर्कल तक यह रोड शो निकाला जा रहा है। प्रधानमंत्री ने न्यू तिप्पासंद्रा रोड स्थित केम्पेगौड़ा प्रतिमा से सुबह 10 बजे रोड शो की शुरुआत की। सूत्रों के मुताबिक, रोड शो की शुरुआत से पहले प्रधानमंत्री ने केंपेगौड़ा (बेंगलुरु के संस्थापक) की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। यह रोड शो पांच विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरा। रोड शो के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए वाहन में प्रधानमंत्री के साथ केंद्रीय राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर और बेंगलुरु सेंट्रल के सांसद पी सी मोहन भी सवार हुए। पीएम मोदी की एक झलक पाने के लिए ढोल सहित वाद्य यंत्रों के साथ बड़ी संख्या में लोग जमा हुए। पूरे मार्ग पर व्यापक प्रबंध किए गए हैं, जिनमें रोड शो को बिना किसी व्यवधान के संपन्न कराए जाने के लिए सड़कों पर अवरोधक लगाए जाना शामिल है। सड़कों के किनारे हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे। पूरे मार्ग में भाजपा के झंडे लगाए गए हैं और पार्टी समर्थकों ने केसरिया रंग की शॉल व टोपी पहन रखी है, जिससे पूरा मार्ग केसरिया रंग से रंगा प्रतीत हो रहा है। भाजपा ने रविवार को होने जा रही राष्ट्रीय प्रात्रता सह प्रवेश परीक्षा को ध्यान में रखते हुए शुक्रवार को मोदी के दो दिवसीय रोड शो के कार्यक्रम में बदलाव किया था। बता दें कि प्रधानमंत्री ने शनिवार को बेंगलुरु में एक रोड शो किया था और बागलकोट जिले के बादामी और हावेरी में रैलियों को संबोधित किया था।

हालांकि दक्षिण कर्नाटक में भाजपा का आधार कमजोर माना जाता है, लेकिन बेंगलुरु में उसकी जड़ें मजबूत हैं। आईटी सिटी में पिछले चुनाव में भाजपा ने 15 सीटों पर जीत हासिल की थी। पीएम मोदी की अभूतपूर्व पहुंच के साथ, भगवा पार्टी इस बार अकेले बेंगलुरु में कम से कम 20 सीटें जीतने की उम्मीद कर रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में यहां कांग्रेस ने 12 सीटें जीती थीं जबकि जद (एस) के खाते में एक सीट गई थी। ऑपरेशन लोटस के बाद भाजपा को राज्य में वोक्कालिगा चेहरे और नेतृत्व मिल गया है। पीएम मोदी ने पिछले साल नवंबर में बेंगलुरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के परिसर में 108 फीट ऊंची नादप्रभु केम्पे गौड़ा की प्रतिमा का उद्घाटन किया था और राज्य की राजधानी में एक नई मेट्रो लाइन का भी उद्घाटन किया था।

वरिष्ठ नेता अरविंद लिंबावली की जगह उनकी पत्नी को टिकट देने के अलावा भाजपा ने शहर में टिकट बंटवारे को लेकर कोई प्रयोग नहीं किया है। गोविंदराजा नगर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले आवास मंत्री वी. सोमन्ना को विपक्ष के नेता सिद्धारमैया को हराने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

❑ मोदी के मेगा रोड शो के दम पर भाजपा को बेंगलुरु की 28 में से ज्यादातर सीटें जीतने की उम्मीद

मणिपुर में कुछ घंटों के लिए कर्फ्यू में ढील, आम जनजीवन पटरी पर लौटता दिखाई दिया

(एजेंसी) इंफाल। मणिपुर के हिंसा प्रभावित हिस्सों में रविवार सुबह कर्फ्यू में कुछ घंटों की ढील दिए जाने के साथ ही आम जनजीवन पटरी पर लौटता दिखाई दिया। वहीं, सेना के ड्रोन और होलीकॉप्टर हवा में गश्त लगाकर क्षेत्र पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि हिंसा प्रभावित चुराचांदपुर इलाके में सुबह सात से 10 बजे के बीच कर्फ्यू में ढील दी गई और इस दौरान खाद्य पदार्थ, दवाइयां व अन्य जरूरी सामान खरीदने के लिए लोग बड़ी संख्या में घरों से बाहर निकले। अधिकारियों के मुताबिक, सुबह 10 बजे कर्फ्यू में ढील की मियाद खत्म होने के बाद सेना और असम राइफल्स के जवानों ने शहर में फ्लैग मार्च किया। हिंसा प्रभावित राज्य में सेना के 120 से 125 'कॉलम की तैनाती की गई है। सूत्रों ने बताया कि मणिपुर में अर्धसैनिक बलों और केंद्रीय पुलिस बलों के करीब 10,000 जवानों को भी तैनात किया गया है। शांति संबंधी पहल को जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए हर विधानसभा क्षेत्र में शांति समितियों का गठन किया जाएगा। वहीं, रक्षा विभाग की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि अब तक विभिन्न समुदायों के लगभग 23,000 लोगों को बचाकर सैन्य छावनियों में स्थानांतरित किया गया है। गौरतलब है कि मणिपुर में बहुसंख्यक मेइती समुदाय द्वारा उसे अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिए जाने की मांग के विरोध में 'ऑल ट्राइबल स्टूडेंट यूनियन मणिपुर (एटीएसयूएम) की ओर से बुधवार को आयोजित 'आदिवासी एकजुटता मार्चश् के दौरान चुराचांदपुर जिले के तोरबंग क्षेत्र में हिंसा भड़क गई थी।

संपादकीय

ग्यासपुरा त्रासदी

पंजाब में लुधियाना के ग्यासपुरा में जहरीली गैस रिसाव में ग्यारह लोगों की मौत उद्योग जगत की लापरवाही व नियामक तंत्र की कोताही को दर्शाती है। दुखद यह है कि इस हादसे में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हुई है। विडंबना है कि इन हादसों में बेकसूर लोग दूसरे लोगों की आपराधिक लापरवाही की कीमत अपनी जान देकर गंवाते हैं। प्राथमिक जांच से संकेत मिले हैं कि हवा में हाइड्रोजन सल्फाइड गैस के उच्च स्तर का पता चला था। यह भी कि इस औद्योगिक इलाके में औद्योगिक इकाई द्वारा रासायनिक अपशिष्ट सीवर लाइन में बहाये जाने की वजह से जहरीली गैस उत्पन्न हुई। अधिक परेशानी वाली बात यह है कि घनी आबादी वाले ग्यासपुरा में घरों व दुकानों को अपनी चपेट में लेने वाली गैस मैनहोल से निकली थी। आशंका जतायी जा रही है कि सीवर लाइन में बहाये गये रासायनिक कचरे की सीवेज गैसों की प्रतिक्रिया के स्वरूप जहरीली गैस का रिसाव हुआ। जाहिर है इस तरह का रासायनिक कचरा लंबे समय से बहाया जा रहा होगा। लेकिन निगरानी तंत्र की लापरवाही के चलते ये हादसा हुआ है। अब मजिस्ट्रियल जांच और हाल में एसआईटी के गठन के बाद आपराधिक लापरवाही करने वालों पर शिकंजा कसा जायेगा। इस लापरवाही की जवाबदेही तय करने के बाद कड़ा दंड ही ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति रोक सकता है। दरअसल इस इलाके में बड़ी संख्या में औद्योगिक इकाइयां कार्यरत हैं, लेकिन उसके बावजूद आसपास घनी आबादी बनी हुई है। जिसमें बड़ी संख्या कामगारों में शामिल प्रवासी लोगों की रही है। निस्संदेह, यदि समय रहते कदम न उठाये जाते तो हादसे का दायरा बड़ा हो सकता था। तुरत-फुरत लोगों को प्रभावित इलाके से हटाने और गैस के स्रोत को सील करने का काम किया गया। साथ ही राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल की कार्रवाई तेज व प्रभावी रही। प्रयास किया गया कि रासायनिक पदार्थों के अवशेष बाकी न रहें तथा क्षेत्र में पानी के नमूनों की भी जांच की गई। कहा जा रहा है कि नगर निगम और स्थानीय प्रशासन की लापरवाही भी हादसे की वजह बनी होगी। प्रशासन को अब यह सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति न हो। साथ ही नियामक संस्थाओं की भूमिका की जांच करके सख्त कार्रवाई करनी होगी। उल्लेखनीय है कि देश में 1984 में घटी सबसे बड़ी औद्योगिक दुर्घटना भोपाल गैस त्रासदी के बाद ऐसे हादसों को रोकने के लिये बड़े पैमाने पर अभियान चलाए गये थे। उसके बाद पर्यावरण संरक्षण कानून बनाये गये, आपदा प्रबंधन एजेंसियों की सक्रियता बढ़ी तथा हादसों को रोकने के लिये सतर्कता उपायों पर विचार हुआ। लेकिन उसके बाद औद्योगिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में लापरवाही का सिलसिला फिर शुरू हो गया। बताया जाता है कि पिछले एक दशक में रासायनिक विषाक्तता से जुड़ी करीब 130 दुर्घटनाएं दर्ज की गईं। दरअसल देश में औद्योगिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये मौजूद तकनीक, वैज्ञानिक अनुसंधान और उन्हें लागू करने वाली नौकरशाही में तालमेल का नितांत अभाव देखा गया है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि रासायनिक अपशिष्ट के निस्तारण की प्रक्रिया को विज्ञान सम्मत ढंग से अमली जामा नहीं पहनाया जाता है। निर्विवाद रूप से यह लंबी प्रक्रिया है लेकिन इसमें कोताही का कतई स्थान नहीं है क्योंकि यह प्रश्न आम लोगों के जीवन से जुड़ा है। निस्संदेह, ग्यासपुरा की त्रासदी एक चेतावनी देती है कि पर्यावरण नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई का अभाव बड़े हादसों को जन्म दे सकता है। मृतकों के प्रति संवेदना जताने और मुआवजा बांटने की औपचारिकताओं से इतर ऐसी आपराधिक लापरवाही में लिप्त औद्योगिक इकाइयों के मालिकों तथा निगरानी करने वाली नियामक संस्थाओं के जिम्मेदार लोगों को सख्त सजा देने का प्रावधान सुनिश्चित करना जरूरी है। ऐसा नहीं कि अधिकारियों को पता नहीं होगा कि रासायनिक अपशिष्ट सीवर लाइन में बहाये जा रहे हैं। जरूरत इस बात की भी है कि औद्योगिक इकाइयों की स्थापना आबादी से दूर के इलाकों में की जाये। साथ ही नागरिकों का भी दायित्व है कि उद्योगों की ऐसी लापरवाही के खिलाफ आवाज उठायें ।

फातिमा भुट्टो की सखावत

भारत और पाकिस्तान के आपसी सम्बन्धों की समीक्षा हम अक्सर दोनों मुल्कों में चल रही सियासत के मिजाज को देख कर ही करते हैं परन्तु कभी-कभी ऐसी खबरें भी पाकिस्तान से आ जाती हैं जिनसे दोनों मुल्कों की वह सांस्कृतिक (सखावत) व सामाजिक चेतना इस उपमहाद्वीप की साझी विरासत की रोशन मीनारों को और चमकदार बना देती हैं। बहुत दिन नहीं हुए जब पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमन्त्री इमरान खान की गिरफ्तारी को लेकर उनकी पार्टी तहरीक-ए-इंसाफऔर पुलिस के बीच झड़पें चल रही थीं तो पाकिस्तानी टीवी चौनलों पर इसके नजारे सीधे दिखाये जा रहे थे और बताया जा रहा था कि तहरीक-ए-इंसाफपार्टी के कारकुन 'धर्मपुरा चौक' पर किस तरह पहुंच रहे हैं और 'सुन्दरदास रोड' को उन्होंने इमरान खान के आवास तक पहुंची पुलिस से मुकाबला करने का जरिया बनाया हुआ है। इसका सीधा मतलब यही निकलता है कि पाकिस्तान के बनने के 74 साल बाद भी लाहौर से इस मुल्क के इस्लामी हुक्मरान इंसानियत के वे पुख्ता निशान नहीं मिटा सके हैं जिन्होंने 1947 से पहले लाहौर को पूरे हिन्दोस्तान का सबसे आधुनिक व तरक्कीयाफ्ता शहर बनाया था। हिन्दू व सिख साहेबान के लाहौर को अजीम शहर बनाने में दिये गये योगदान की तफ्सील में जाने का यह वक्त नहीं है मगर इतना बताना लाजिम बनता है कि आज के पाकिस्तान की कहानी ऐसे लोगों के बिना अधूरी ही रहेगी। अपने मुल्क की इस खासियत को आज के दौर में पहचानने की जो कोशिश इस मुल्क के वजीरे आजाम व सदर रहे मरहूम जुल्फिक्कार अली भुट्टो की पोती 'फातिमा भुट्टो' ने जिस दरियादिली और मजहब के ठेकेदार मुल्ला-मौलवियों को उनकी हैसियत जताते हुए की है उसका एहतराम सिर्फपाकिस्तान और हिन्दोस्तान की रोशन ख्याल अवाम को दिल की गहराइयों से करना चाहिए क्योंकि जनता के स्तर पर ऐसी गतिविधियों से भी दोनों मुल्कों की अवाम के बीच प्यार-मुहब्बत का वह इंसानी जज्बा रिश्तों का तार बन सकता है जिसे पाकिस्तान के हुक्मरानों ने जबर्दस्ती दबा कर रखा हुआ है। पिछली 27 अप्रैल को फातिमा भुट्टो ने ग्राहम जिव्हान के साथ निकाह किया। वह कराची के क्लिफ्टन रोड पर रहती है। अपने निकाह के अगले दिन बीते रविवार को वह अपने पति के साथ कराची के प्राचीन महादेव मन्दिर में गईं और हिन्दू समाज की उपस्थिति में उन्होंने मन्दिर में श्रद्धा के साथ पूजा-अर्चना की और भगवान शंकर को दूध भी चढ़ाया। इस्लामी कट्टरपंथी मुल्ला इसे बेशक 'शिर्क' कह सकते हैं मगर फातिमा ने पाकिस्तान के पंजाब व सिन्ध आदि सूबों की उसी संस्कृति का पालन किया जो इसके तामीर होने से पहले इस पूरे पश्चिमी भारत की संस्कृति थी। यह ऐतिहासिक सच है कि 19वीं सदी के आखीर तक पूरे पंजाब, सिन्ध, उत्तर-पश्चिम सीमान्त राज्य (खैबर पख्तूनवा) में किसी व्यक्ति का हिन्दू-मुसलमान होना सिर्फएक पारिवारिक व प्राकृतिक घटना होती थी। दोनों मजहबों के लोग सभी तीज- त्यौहारों को मिलकर इस तरह मनाते थे कि वे सिर्फ पंजाबी या सिन्धी कहलाया करते थे। इनकी वेषभूषा, खान-पान और भाषा एक समान होती थी और यहां तक कि सामाजिक रवायतें भी एक समान होती थीं। मुस्लिम ब्याह-शादियां भी उसी रस्मो-रिवाज और बाजे-गाजे के साथ हुआ करती थीं जिस तरह हिन्दू शादियां होती हैं। इसके निशान अभी तक पाकिस्तान में मौजूद हैं। पंजाब में आज भी किसी मुस्लिम दुल्हन का साज-श्रृंगार तभी पूर्ण माना जाता है जब तक कि उसे 'केसरिया चुन्नी' न चढ़ा दी जाये। जाट, राजपूत या गुर्जर होने का 'ताब' मुस्लिम समाज वही होता है जो भारत के हिन्दू समाज में है। पश्चिम उत्तर प्रदेश में तो यह कहावत आज भी है कि 'जाट का हिन्दू क्या और मेव का मुसलमान क्या'। यदि इतिहास में और पीछे चले जायें तो पूरे संयुक्त पंजाब में गुरु गोरखनाथ का 'नाथ सम्प्रदाय' इस हद तक लोकप्रिय था कि जन्म से कोई भी मुसलमान जब चाहे नाथ सम्प्रदाय का जोगी हो जाया करता था और कोई भी हिन्दू किसी भी मुस्लिम पीर या फकीर का मुरीद।

हिंदुत्व, अल्पसंख्यक और चुनावी राजनीति

धर्मनिरपेक्ष भारत में संविधान सभी को अपने धर्म के पालन की आजादी देता है और नागरिकों का यह कर्तव्य है कि वे अपने धर्म के पालन के साथ, दूसरे के धर्म और धार्मिक आजादी का सम्मान करें। लेकिन सत्ता में आने के लिए अब धार्मिक ध्रुवीकरण की रणनीति अपनाई जा रही है। देश को हिंदू राष्ट्र बनाने का अनुचित आह्वान बार-बार किया जा रहा है और इस वजह से भारत में अल्पसंख्यकों की स्थिति को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। अमेरिका के एक सरकारी पैनल ने भी इस ओर ध्यान दिलाया है और यह पहली बार नहीं है, बल्कि लगातार चौथी बार अमेरिकी पैनल ने भारत में अल्पसंख्यकों की स्थिति पर चिंता जतलाई है। यूनाइटेड स्टेट्स ऑन इंटरनेशनल रीलीजियस फ्रीडम ने अपनी रिपोर्ट में भारत में धार्मिक आजादी पर सवाल उठाए हैं। इस पैनल ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भारत में धार्मिक आजादी ब्लैकलिस्ट कर दी गई है। पैनल ने अमेरिका के विदेश मंत्रालय से अनुरोध किया है कि वह भारत को एक खास चिंता वाले देश के तौर पर चिन्हित करे। पैनल के मुताबिक भारत सरकार ने साल 2022 में राष्ट्रीय, राज्य और स्थानीय स्तर पर धार्मिक रूप से भेदभावपूर्ण नीतियों को बढ़ावा दिया और लागू किया। इनमें धर्म परिवर्तन को निशाना बनाने वाले कानून, अंतरधर्म संबंध, हिजाब पहनने और गोहत्या जैसे मुद्दे शामिल हैं, जो मुसलमानों, ईसाईयों, सिखों, दलितों और आदिवासियों को नकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं। पैनल ने यह दावा भी किया है कि प्रधानमंत्री मोदी की भाजपा के नेतृत्व वाली भारत सरकार ने श्आलोचनात्मक आवाजोंश् - विशेष रूप से धार्मिक अल्पसंख्यकों और उनकी ओर से वकालत करने वालों को दबाना जारी रखा है। इस

रिपोर्ट पर भारत सरकार चाहे तो अमेरिका को उसकी हदों में रहने की नसीहत दे दे, इसे भारत का आंतरिक मसला बताए या अमेरिका में नस्लभेद के उदाहरण देते हुए कह दे कि शीशे के घरों में रहने वाले दूसरों पर पत्थर नहीं उछाला करते। इसके अलावा जिस तरह भुखमरी के आंकड़ों, प्रेस की स्वतंत्रता, हैप्पीनेस इंडेक्स या लोकतंत्र की स्थिति पर आई कई रिपोर्ट्स को भारत सरकार ने खारिज कर दिया है, इसे भारत के खिलाफसाजिश बताया है, उसी तरह सरकार इस रिपोर्ट को भी खारिज कर सकती है। देश की कमान जिन लोगों के हाथों में है, आखिर में तो उन्हीं के मन की बात चलेगी। लेकिन अमेरिकी रिपोर्ट पर त्योरियां चढ़ाने से पहले एक बार अपनी स्थिति का जायजा ले लेना उचित होगा। देश में धर्मांतरण के आरोपों पर अल्पसंख्यकों को प्रताड़ित करने की घटनाएं चल रही हैं, इसका ताजा उदाहरण इस रविवार को देखा गया। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के पाटन शहर में 30 अप्रैल को रविवार की प्रार्थना के लिए एकत्रित हुए ईसाई समुदाय के सदस्यों पर कथित तौर पर बजरंग दल के सदस्यों द्वारा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। पाटन मुख्यमंत्री श्री बघेल का निर्वाचन क्षेत्र भी है।

खबर के मुताबिक एक घर के बाहर कुछ हमलावरों ने श्जय श्री रामश् के नारे लगाते हुए ईसाई समुदाय की प्रार्थना में बाधा डाली। हमलावर बजरंग दल के बताए जा रहे हैं, उनका आरोप था कि वहां लोगों को ईसाई धर्म स्वीकार करने के लिए मजबूर किया जा रहा था। इस घटना पर पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए छत्तीसगढ़ ईसाई मंच के अध्यक्ष अरुण पन्नालाल ने आरोप लगाया कि पुलिस ने हमारे समुदाय के सदस्यों को हिरासत में लेते हुए बजरंग दल के सदस्यों को छोड़ दिया। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। घटना का सच विस्तृत जांच के बाद ही सामने आएगा। लेकिन ये एक चौंकाने वाला तथ्य है कि उत्तरप्रदेश के बाद छत्तीसगढ़ राज्य में ईसाइयों पर सबसे ज्यादा हमले हुए हैं। यूनाइटेड क्रिश्चियन फोरम (यूसीएफ) की एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफहिंसा के मामलों में बीते आठ सालों में 400 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 2014 में यह संख्या 147 थी, जो 2022 में बढ़कर 598 हो गई है। 2014 में ही भाजपा सरकार केंद्र में आई है और नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री पद पर लगातार दूसरी बार बैठे हैं। उनके मुख्यमंत्रित्व काल में गुजरात में भयावह दंगे हुए, जिसमें कई सवाल अब भी अनुत्तरित हैं। पिछले महीने श्री मोदी ईस्टर के मौके पर दिल्ली के सेक्रेड हार्ट कैथेड्रल चर्च पहुंचे और वहां प्रार्थना में शामिल भी हुए। उन्होंने ईस्टर की शुभकामनाएं देते हुए ट्वीट किया था कि यह विशेष अवसर हमारे समाज में सद्भाव की भावना को गहरा करेगा। प्रधानमंत्री इस बात को समझते ही होंगे कि समाज में सद्भाव अवसरों से अधिक सरकार, प्रशासन और समाज के सम्मिलित प्रयासों से कायम हो सकता है। इसके लिए सबसे पहले धार्मिक ध्रुवीकरण की राजनीति को छोड़ना होगा। लेकिन श्री मोदी ने चुनावी रैली में झारखंड में कपड़ों से दंगाइयों की पहचान की बात की थी, उत्तरप्रदेश में कब्रिस्तान बनाम श्मशान का जिक्र छेड़ा था और अब कर्नाटक में उन्होंने कांग्रेस के घोषणापत्र को लेकर गलतबयानी की। कांग्रेस ने सत्ता में आने पर बजरंग दल और पीएफ्आई जैसी संस्थाओं पर प्रतिबंध की घोषणा की है, कांग्रेस ने कहा कि हमारी पार्टी जाति या धर्म के आधार पर समुदायों के बीच नफरत फैलाने वाले व्यक्तियों और संगठनों के खिलाफ कड़ी और निर्णायक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। लेकिन प्रधानमंत्री ने विजय नगर जनसभा में कहा कि, आज हनुमान जी की इस पवित्र भूमि को नमन करना मेरा बहुत बड़ा सौभाग्य है और दुर्भाग्य देखिए, मैं आज जब यहां हनुमान जी को नमन करने आया हूं उसी समय कांग्रेस पार्टी ने अपने मेनिफेस्टो में बजरंगबली को ताले में बंद करने का निर्णय लिया है। पहले श्री राम को ताले में बंद किया और अब जय बजरंगबली बोलने वालों को ताले में बंद करने का संकल्प लिया है। चंद वोट हासिल करने के लिए श्री मोदी बजरंग दल और बजरंगबली की जय बोलने वालों को एक पलड़े पर दिखा रहे हैं, जो साफतौर पर चुनावी चालाकी है। क्योंकि देश में करोड़ों हनुमान भक्त हैं और वे बजरंग दल के सदस्य नहीं हैं। ठोस मुद्दों पर कांग्रेस की आलोचना करने की जगह श्री मोदी शाब्दिक खिलवाड़ दिखा रहे हैं। चुनाव में राम और हनुमान का जिक्र कर हिंदुत्व की धार को पैना कर रहे हैं। इससे समाज में सद्भाव के ताने-बाने को नुकसान होगा। अमेरिकी पैनल ने इसी ओर ध्यान दिलाया है।

परिस्थितियों का दास नहीं स्वामी बने

संजीव ठाकुर

जीवन में लक्ष्य की प्राप्ति और सफलता के लिए मनुष्य को निरंतर कर्म की प्रधानता रखकर संयम तथा मनोबल भी रखना होगा सइसके अलावा मनुष्य अपनी इच्छाओं का दास ना होकर उस पर नियंत्रण रख स्वामी बनने का प्रयास करना होगा तब सोची गई सफलता आपके सामने होगी। कठिन तथा विषम परिस्थितियों में मनुष्य को अपने मनोबल को सदैव विनम्रता,संयम और साहस के साथ ऊंचा रखना चाहिए।अपने द्वारा की गई मेहनत पर विश्वास एवं निरंतरता रखनी होगी। तब जाकर ही जीवन में सफलता के पल आपके सामने आएंगे स निराशा, हताशा और हीन भावना को कठोर श्रम के बलबूते पर ही विजय प्राप्त की जा सकती है,जीवन में उतार-चढ़ाव, कठिन समय और विषम परिस्थितियां आती ही रहती हैंस संकट का समय विषम परिस्थितियां जीवन के अलग-अलग पहलू हैं इनसे जूझ कर जो मानव आगे बढ़ता है, वह उच्च मनोबल वाला साहसी व्यक्ति होता है। व्यक्ति के जीवन में साहस, उच्च मनोबल ही सफलता की कुंजी है। जिस भी व्यक्ति ने विषमताओं में रास्ता निकलने का साहस करके आगे बढ़ने का प्रयास किया है वही सफल हुआ है। हमेशा सफलता का मूल आत्मविश्वास, कठिन श्रम और उच्च आदर्श वाले व्यक्ति की प्रेरणा ही सफलता दिलाने वाली होती है। मनुष्य

को कभी भी किसी भी परिस्थिति में मन से हार नहीं माननी चाहिए। उसे सदैव प्रयासरत रहकर परिश्रम तथा जुझारू पन से हर परिस्थिति का सामना कर सदैव अपने लक्ष्य के प्रति अग्रसर होते रहना चाहिए। मनुष्य को अपनी हर हार, हर पराजय से कुछ ना कुछ सीख लेनी चाहिए एवं इससे अनुभव प्राप्त कर फिर से खड़ा होने एवं उस पराजित मनोदशा से छुटकारा पाकर फिर से लड़ने की ऊर्जा एवं शक्ति प्राप्त करनी चाहिए, यह सफलता का बड़ा मंत्र है। सर्वप्रथम मनुष्य अपने मनोबल से किन्हीं भी परिस्थितियों को जीतने का साहस रखता है, इसीलिए मनोबल मनुष्य की पहली आवश्यकता है। मनोबल ही साहस को जन्म देता है और साहस, आत्मबल को और आत्मबल से ही मनुष्य किन्हीं भी परिस्थितियों से जूझना एवं टकराने की क्षमता पैदा करता है। जब मनुष्य के पास खोने के लिए कुछ ना हो तो वह निश्चिंत होकर साहस, क्षमता एवं संयम से आगे बढ़ने का प्रयास करता है, क्योंकि वह जानता है की पीछे पलट कर उसके पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है, शिवाय आगे बढ़ने एवं सफलता के लिए अग्रसर होने के। मनुष्य का मनोबल एवं दृढ़ प्रतिज्ञा ही मनुष्य को सदैव आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा देते रहते हैं। मनुष्य के जीवन का एक तथ्य और भी अत्यंत महत्वपूर्ण है वह है सकारात्मक सोच, जो उसे हमेशा आगे बढ़ने की ओर उत्साहित करती रहती है। सकारात्मक सोच एवं किसी भी परिस्थिति को अपने नियंत्रण में लाने की सुनियोजित योजना मनुष्य में आशाओं को भर देती है एवं परिस्थितियों को चुनौती देने की क्षमता का विकास करती है। यह मनुष्य ही है जो हर परिस्थिति में साहस और मनोबल के दम पर उससे विजय प्राप्त करता है। मनुष्य के जीवन और पशु के जीवन में यही फर्क है कि मनुष्य के पास सोचने के लिए मस्तिष्क होता है और वह उसके सकारात्मक उपयोग के साथ आगे बढ़ने की क्षमता रखता है। मनुष्य मुस्कुराता, हंसता और खिलखिलाता है। जबकि पशु में मुस्कुराने हंसने की क्षमता नहीं होती, और यही कारण है कि मनुष्य ने विषम परिस्थितियों पर सदैव विजय प्राप्त करने का प्रयास किया है, वह काफी हद तक सफलता पाने में सफल भी हुआ है। मनुष्य यदि परिस्थितियों में अन्य प्रतियोगिताओं में, खेल में, या युद्ध में पराजित होकर भी प्रेरणा लेकर पुन: साहस के साथ पुन:तैयार होता है तो वह आने वाले समय में सफलता का सही हकदार भी होता है, क्योंकि उसने पूरी क्षमता, साहस ,मनोबल के साथ पराजय को स्वीकार कर के उससे कुछ सीखने का प्रयास किया है। अपनी कमियों को दूर करने की हर संभव कोशिश भी की है इस तरह वह अगली परीक्षा में जरूर सफल होता है और यही मानव जीवन का सफल अध्याय भी होता है। कुल मिलाकर परिस्थितियां तथा घटनाएं ,दुर्घटनाएं मनुष्य को परिस्थितियों के सामने पराजित करने, झुकाने की कोशिश करती हैं किंतु मानव अपने शारीरिक, मानसिक, नैतिक, चारित्रिक एवं मानसिक आत्मबल से उसे सफलता में बदल देता है। अनवरत प्रयासरत व्यक्ति अपने साहस परिश्रम से हर चुनौतियों का सामना कर परिस्थितियों में विजय प्राप्त कर अपने जीवन को सफलता के शिखर पर पहुंचाता है। जीवन में कठिन परिस्थितियों से जूझ कर जो मानव सदैव सफल होता है वह पूरे समुदाय और समाज के लिए एक प्रेरणादाई व्यक्तित्व बन कर पूरे समाज एवं देश को मार्गदर्शन भी प्रदान करता है। इसीलिए मनुष्य को किन्हीं भी परिस्थितियों में, खासकर विषम परिस्थितियों में अपने मनोबल और साहस को त्यागना नहीं चाहिए। उच्च मनोबल और साहस की ऊर्जा ही मनुष्य को नई दिशा, नए प्रकाश पुंज की ओर अग्रसर करती है।

भ्रष्टाचार के खिलाफमोदी जो लड़ाई लड़ रहे हैं वह कठिन जरूर है लेकिन जीत तय है

भाजपा के नम्बर एक स्टार प्रचारक प्रधानमंत्री मोदी भ्रष्टाचार के मामले पर विपक्षी दलों को निशाने पर लेने का कोई मौका नहीं चूक रहे हैं। पिछले एक महीने के दौरान विभिन्न जन सभाओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्षी नेताओं के भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर उनकी जमकर खिंचाई की।

प्रधानमंत्री मोदी की अगुवाई में भाजपा विपक्षी दलों के भ्रष्टाचार के मुद्दे पर कमर कसे हुए है। वर्ष 2014 से जुलाई 2022 तक कांग्रेस के 80 नेताओं पर भ्रष्टाचार को लेकर छापे पड़े हैं। ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस के 41 नेताओं के यहां ईडी ने छापों की कार्रवाई की। प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई के छापों पर विपक्षी दलों के याचिका वापस लेने से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मजबूत चुनावी मुद्दा मिल गया है। भाजपा के नम्बर एक स्टार प्रचारक प्रधानमंत्री मोदी भ्रष्टाचार के मामले पर विपक्षी दलों को निशाने पर लेने का कोई मौका नहीं चूक रहे हैं। पिछले एक महीने के दौरान विभिन्न जन सभाओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्षी नेताओं के भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर उनकी जमकर खिंचाई की। मोदी विपक्ष की खिंचाई के साथ चुटकी भी ले रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना में पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को झंडी दिखाकर रवाना करते हुए तेलंगाना सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि तुष्टीकरण, परिवारवाद और भ्रष्टाचार से लड़ना ही होगा। गौरतलब है कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव की बेटी के. कविता दिल्ली के शराब घोटाले में आरोपी हैं। ईडी कविता से दो बार पूछताछ कर चुकी है। इससे पहले एक समारोह में मोदी ने कहा कि 2014 से पहले हेडलाइंस होती थीं कि इस सेक्टर में इतने लाख करोड़ रुपये का घोटाला, भ्रष्टाचार के खिलाफ जनता सड़कों पर उतरी। आज क्या हेडलाइन होती है? भ्रष्टाचार के मामलों में एक्शन के कारण भयभीत भ्रष्टाचारी लामबंद हुए, सड़कों पर उतरे। पहले घोटाले सुर्खियां बनते थे, लेकिन अब अपने खिलाफ कार्रवाई को लेकर भ्रष्टाचारी आपस में हाथ मिला रहे हैं, इसकी खबर बन रही है। तीसरा मौका था भारतीय जनता पार्टी के 44 वें स्थापना दिवस का। प्रधानमंत्री ने इस मौके को भी हाथ से नहीं जाने दिया। उन्होंने कहा कि बीजेपी भ्रष्टाचार से लड़ने और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भगवान हनुमान से प्रेरणा लेती है। भाजपा पार्टी को भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था से लड़ने की प्रेरणा भगवान हनुमान से मिलती है। गौरतलब है कि ईडी और सीबीआई के दुरुपयोग की विपक्षी दलों की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इंकार कर दिया था। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि नेताओं को विशेष इम्यूनिटी नहीं दी जा सकती। नेताओं के भी आम नागरिकों जैसे अधिकार हैं। अगर सामान्य गाइडलाइन जारी की तो ये खतरनाक प्रस्ताव होगा। नेताओं की गिरफ्तारी पर अलग से गाइडलाइन नहीं हो सकती। कोर्ट ने कहा कि हम इस याचिका पर सुनवाई नहीं करेंगे। विपक्ष से कहा कि आप चाहें तो याचिका वापस ले सकते हैं। इस पर विपक्षी दलों के पास याचिका वापस लेने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा। याचिका वापस ले ली गई। विपक्षी नेताओं को सुप्रीम कोर्ट से मिले तगड़े झटके के बाद कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों का अडानी के खिलाफचलाया जा रहा अभियान भी कमजोर पड़ गया। इस मुद्दे पर भी पूरा विपक्ष एकजुट नहीं हो सका। सुप्रीम कोर्ट से मिले झटके के बाद रही-सही कसर भी निकल गई। प्रधानमंत्री मोदी की अगुवाई में भाजपा विपक्षी दलों के भ्रष्टाचार के मुद्दे पर कमर कसे हुए है। वर्ष 2014 से जुलाई 2022 तक कांग्रेस के 80 नेताओं पर भ्रष्टाचार को लेकर छापे पड़े हैं। ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस के 41 नेताओं के यहां ईडी ने छापों की कार्रवाई की। तीसरे नंबर पर महबूबा मुफ्ती की पार्टी पीपुल्स डेमोक्रेटिक (पीडीपी) और चौथे नंबर पर अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं पर छापेमारी हुई। आश्चर्य की बात यह है कि भ्रष्टाचार को लेकर विपक्षी दलों के नेता ईडी और सीबीआई के छापों को लेकर केंद्र की भाजपा सरकार को कोस बेशक रहे हैं किन्तु देश को इस विषबेल से मुक्त कराने का सुझाव एक भी विपक्षी नेता नहीं दिया। विपक्षी नेताओं का सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने के पीछे मकसद यही रहा कि सिर्फउन्हें ही छापों या पूछताछ से छूट मिले, शेष देश के लिए एजेंसियां की छूट किसी ने नहीं मांगी। इसी से विपक्षी दलों की नीयत में संदेह उत्पन्न होता है। विपक्षी दलों को सुप्रीम कोर्ट की शरण लिए जाने से पहले इस बात का अंदाजा होना चाहिए था कि भ्रष्टाचार को लेकर नेताओं और देश के आम नागरिकों में फर्क नहीं किया जा सकता। वैसे भी नेताओं का इतिहास भ्रष्टाचार के पन्नों से रंगा हुआ है। यह सुप्रीम कोर्ट ही है जिसके कारण चुनाव आयोग नेताओं पर लगे आपराधिक और आर्थिक मुकदमों के मामले सार्वजनिक करने को मजबूर हुआ है। सुप्रीम कोर्ट से मिली निराशा के बाद विपक्षी दलों ने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर एक मंच पर आना तक मुनासिब नहीं समझा। दरअसल ईडी और सीबीआई के छापों के बाद ही विपक्षी दलों के नेताओं को एहसास हुआ कि भ्रष्टाचार देश का प्रमुख मुद्दा है। इसके बावजूद इसके खात्मे को लेकर दलों ने एकजुटता नहीं दिखाई। अब जब सुप्रीम कोर्ट से करारी मात मिलने के बाद भाजपा विपक्षी दलों की धज्जियां उड़ाने में लगी हुई है, तब विपक्षी दल एकता के लिए फिर से कवायद में जुटे हुए हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल से मिल कर एकता की कवायद को फिर से सिरे चढ़ाने का प्रयास किया है। पूर्व में विपक्षी दलों की भाजपा के खिलाफ एकता में बिखराव आ चुका है। समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी कांग्रेस से सहयोग करने से इंकार कर चुके हैं। इनके आपस में पुराने राजनीतिक झगड़े हैं। अडानी के मुद्दे पर विपक्षी पार्टियों के कांग्रेस के साथ नहीं आने से गठबंधन की कवायद ही पलट गई। विपक्षी दलों ने एक-दूसरे पर ही आरोप-प्रत्यारोप लगाए। लालू यादव की पार्टी हो या समाजवादी पार्टी या फिर दूसरे विपक्षी दल, सभी का कहना था की जब ईडी ने उन पर लगे भ्रष्टाचार के मामलों में कार्रवाई कि तब कांग्रेस ने उनका साथ नहीं दिया। यही वजह रही कांग्रेस अडानी के मुद्दे पर अकेले खड़ी नजर आई। मौजूदा दौर में देश में जिस तरह के राजनीतिक हालात हैं, उसमें विपक्षी एकता की सूरत नजर नहीं आती है। न्यूनतम साझा कार्यक्रम जैसी कवायद करने से भी विपक्षी दल कतरा रहे हैं। यह निश्चित है कि देश में मजबूत और एकजुट विपक्ष नहीं होगा तब तक भाजपा के बढ़ते चुनावी रथ और नाकामियों पर लगाम लगाना मुश्किल है। विपक्षी दल अपने क्षुद्र स्वार्थों को तिलांजलि दे कर और राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में मुद्दों पर एकजुट होकर ही भाजपा से मुकाबला कर पाएंगे। विपक्षी दलों के बिखराव का फायदा भाजपा पहले भी उठाती रही है और कर्नाटक सहित लोकसभा चुनावों में भी उठाने से पीछे नहीं रहेगी।

5 लाख लोग प्रतिदिन यहां से गुजरते है,जाम से मिलेगी राहत, 26 फरवरी से बंद पड़ा है रेलवे ओवर ब्रिज

संवाददाता

लखनऊ। आईटी से निशातगंज को जोड़ने वाली इंदिरा पुल को अभी 15 के बाद शुरू होगा। रेलवे का कहना है कि अभी मरम्मत में थोड़ा काम रह गया है। रेलवे के ब्रिज वर्कशॉप के इंजीनियरों के मुताबिक आठ पिलर में वेल्डिंग का काम चल रहा है। बताया जा रहा है कि मौके पर पर्याप्त जगह न होने की वजह से परेशानी हो रही है। ऐसे में अभी और 10 दिन का वक्त लग सकता है। यह पुल 26 फरवरी से बंद है। हालांकि उस समय जांच के बाद तय हुआ था कि रेलवे अपने हिस्से का काम 30 अप्रैल तक पूरा कर लेगा। लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। अब बताया जा रहा है कि 15 मई

तक काम पूरा होगा। ऐसे में अभी आने वाले 10 दिन तक समस्या बनी रहेगी। 30 अप्रैल तक काम पूरा करने की बात कही थी लेकिन अभी तक पूरा नहीं हो पाया है। चौक, ठाकुरगंज, आईटी, एलयू और निराला नगर समेत करीब 10 से ज्यादा इलाके के लोग फैजाबाद रोड पर इसी ओवर ब्रिज से जाते हैं। 617 मीटर लंबे पुल से रोजाना करीब 30 हजार से ज्यादा गाड़ियां गुजरती है। इसमें ऑटो और टैम्पों की संख्या सबसे ज्यादा है। निशातगंज से चौक को जाने वाले ऑटो इसी सड़क से गुजरते हैं। अब उनको बदले हुए रूट से सफर करना होगा। ऐसे में दूरी ज्यादा होने पर एक महीने के किराया भी ज्यादा देना पड़ सकता है। आईटी से निशातंगज की ओर जाने पर रेलवे क्रासिंग पर जाम से बचने के लिए दो दशक पहले इसका निर्माण किया गया था। अब रेलवे वाले हिस्से में लगे लोहे के गर्डर गल गए हैं और पुल की फर्श व साइड वॉल में भी दरारें आ गई हैं। लोक निर्माण विभाग ने पुल पर यातायात बंद कर दिया है। आईटी चौराहे से निशातगंज की तरफसे जाने वाले वाहन अब समाचार पेट्रोल पंप से गुजरेंगे। यहां से बाएं मुड़कर छन्नीलाल, गोल मार्केट चौराहा होते हुए निशातगंज जाना सरल होगा। इसके अलावा इंदिरा ब्रिज से पहले दाहिने मुड़कर पहली गली होकर निशातगंज जा सकेंगे।

यूपी में एक मोबाइल नंबर से 10 बार ही कर सकेंगे शिकायत

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने जन शिकायतों की सुनवाई और उनके निवारण के लिए जनसुनवाई समाधान (आईजीआरएस) पोर्टल को और प्रभावी तथा पारदर्शी बनाने के लिए इसमें कुछ महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। अब एक मोबाइल नंबर से एक माह में 10 शिकायत ही की जा सकेगी। पहले लोग एक मोबाइल नंबर से 50 शिकायत कर सकते थे। इसमें कई शिकायतें गलत होती थीं। इस नई व्यवस्था से शिकायतों निस्तारण तय समय में हो सकेगा और गलत जानकारी देने पर भी अंकुश लगेगा। ये संशोधन कानपुर नगर, अयोध्या और पीलीभीत समेत अन्य जनपदों से प्राप्त फीडबैक और विचार-विमर्श के बाद किए गए हैं। मुख्य सचिव

दुर्गा शंकर मिश्र के समक्ष इससे संबंधित प्रस्तुतिकरण दिया गया है। सरकार की ओर से मिली जानकारी के अनुसार 10 मानकों के आधार पर प्रदेश के अधिकारियों की भी मासिक रैंकिंग की जाती है। उसमें भी कुछ अहम संशोधन किए हैं। इसके अंतर्गत मासिक मूल्यांकन प्रपत्र के मानक संख्या-01 में विगत छह माह के मासिक औसत के सापेक्ष मासिक शिकायत प्राप्ति के प्रतिशत के आधार पर अंक दिए जाने की व्यवस्था को पूर्णतरू हटा दिया गया है। डीएम, पुलिस कमिश्नर, एसएसपी ऑफिस में संदर्भ फीडिंग के लिए मासिक लक्ष्य पहले से घोषित रहेंगे। इसके साथ ही एल-1 अधिकारी द्वारा शिकायत को फ्लैग लगाकर स्पेशल क्लोज करने की प्रक्रिया में भी परिवर्तन हुआ है। अब एल-1 अधिकारी द्वारा निषेधित विषयों पर फ्लैग चयनित कर आख्या अपलोड करने पर यह अनुमोदन के लिए एल-2 अधिकारियों को प्राप्त होगी। डाटा के अनुसार पिछले छह माह में करीब छह लाख संदर्भों में एल-1 अधिकारियों द्वारा निषेधित विषयों के फ्लैग लगाए गए हैं। अधिकारियों की रैंकिंग में प्रोफाइल सत्यापन का नया मानक जोड़ा गया है। जनपद एवं अधीनस्थ स्तरों के अधिकारियों का प्रोफ इल विवरण डीएम, पुलिस कमिश्नर, एसएसपी, एसपी ऑफिस द्वारा प्रत्येक माह आवश्यक्तानुसार संशोधित या सत्यापित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त रैंकिंग के लिए डिफाल्ट संदर्भों के आगणन की प्रक्रिया में भी परिवर्तन हुआ है। वर्तमान व्यवस्था में माह के अंतिम दिन अवशेष डिफॉल्टर की संख्या के आधार पर डिफॉल्टर के मानक में अंक प्रदान किए जाते हैं। नवीन व्यवस्था में माह में किसी भी तिथि में डिफ ाल्ट हुई शिकायत को डिफॉल्टर मानकर मूल्यांकन में गणना की जाएगी।

110 छात्राओं को दिखाई द केरल स्टोरी, भाजयुमो ने किया आयोजन

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के साहू सिनेमा हॉल में शनिवार को 101 छात्राओं को विवादों में चल रही फि ल्म द केरल स्टोरी दिखाई गई। हॉल से बाहर निकलने के बाद लड़कियों ने कहा कि हम लोगों को ब्रेनवॉश से बचना होगा। दोस्ती सोच-समझकर करना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा ने इसका आयोजन किया था। बता दें कि तमाम विरोध के बावजूद 5 मई यानी शुक्रवार को यह फिल्म रिलीज हुई। भाजयुमो प्रदेश मंत्री अभिजात मिश्रा ने कहा, स्कूल की लड़कियों को जागरूक करने के लिए फि ल्म दिखाई गई है। ये फिल्म एक मुद्दा

उठा रही है। सामाजिक परिदृश्य को झकझोर देने वाली फि ल्म है। हर वर्ग को ये मूवी जरूर देखनी चाहिए। इससे बीते कल में क्या हुआ, ये हकीकत समझने में आसानी होगी।द केरल स्टोरी को फिल्ममेकर सुदीप्तो सेन ने डायरेक्ट किया है। फि ल्म अपनी कहानी को लेकर विवादों में है। इसकी रिलीज के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट तक मैटर गया। हालांकि कोर्ट ने फिल्म की रिलीज को रोकने से मना कर दिया। फिल्म की कहानी लड़कियों के कन्वर्जन पर बेस्ड है। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे आतंकी संगठन आईएसआईएस लड़कियों को बहला फुसलाकर अपने टेरर ग्रुप में रिक्रूट करता है। हालांकि तमाम विरोध के बावजूद फि ल्म को लेकर जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। 28 करोड़ में बनी इस फिल्म ने पहले ही दिन 7.5 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, ऑडियंस की बढ़ती संख्या को देखते हुए कई थिएटर्स ने एक्सट्रा शोज बढ़ाए हैं। देर रात तक फिल्म के शोज चल रहे हैं। फि ल्म को मध्य प्रदेश में टैक्स फ्री करने की भी खबर है।

सांस रोकने के बहाने बृजभूषण ने स्तन छुए, जांघ-पेट पर लगाया हाथ... 2 महिला रेसलर्स ने पुलिस को बताया

संवाददाता

लखनऊ। कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन शोषण आरोपों के मामले को लेकर अहम जानकारी सामने आई है। सुप्रीम कोर्ट में मामला पहुंचा तो दिल्ली पुलिस ने फटाफट एफआईआर दर्ज की। कोर्ट में 7 लड़कियों ने यौन शोषण होने की बात कही है। एफआईआर में बृजभूषण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न और गलत व्यवहार करने शिकायत दी गई है। इसमें गलत तरीके से छूना, शारीरिक संपर्क, टूर्नामेंट के दौरान वॉर्मअप के दौरान

गलत तरीके से छूने जैसी शिकायत दर्ज कराई गई हैं। सूत्रों के मुताबिक, सात महिला पहलवानों में से दो ने ऐसी शिकायतें पुलिस से की हैं। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान ही दिल्ली पुलिस ने 21 अप्रैल को बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफदो एफआईआर दर्ज की थी. इसमें 8 घटनाओं की लिस्ट है। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों पीड़ित पहलवानों ने अपनी दी शिकायत में बताया है कि कैसे सांस लेने के पैटर्न के बहाने उसे छुआ गया। शिकायतकर्ता महिला पहलवान ने कथित तौर पर पांच घटनाओं को दर्ज कराया। पहली रेसलर (पहचान उजागर नहीं करने के लिए नाम छिपाया गया है...) ने अपनी शिकायत में बताया कि 2016 में टूर्नामेंट के दौरान बृजभूषण शरण सिंह एक रेस्तरां में था। कथित तौर पर सांसद ने उसके स्तन और पेट को छुआ। इस घटना के बाद महिला पहलवान बुरी तरह घबरा गई थी। उनका खाना खाने का मन नहीं हुआ। वो पूरी रात सो भी नहीं पाई। 2019 में भी एक टूर्नामेंट के दौरान ऐसी ही एक घटना हुई। सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर महिला रेसलर ने आरोप लगाया कि उसके ब्रेस्ट और पेट पर हाथ लगाया। पहली महिला रेसलर ने अपनी शिकायत में लिखा है कि रेसलिंग फेडरेशन के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह ने उनकी सहमति के बिना जांघ, कंधे, पेट और स्तन को टच किया. इसके लिए उसने सांस लेने के पैटर्न को चेक करने का बहाना किया। इसके साथ ही कथित तौर पर 2018 में सांसद ने शिकायतकर्ता पहलवान को काफी देर तक कसकर गले लगाए रखा। पहलवान ने खुद को छुड़ाया क्योंकि वो (बृजभूषण शरण सिंह) का हाथ उसके स्तन के बिल्कुल करीब था। दूसरी महिला पहलवान ने भी ऐसे ही आरोप लगाए हैं।

जेष्ठ माह के पहले दिन बन्दरों के लिए भंडारा

संवाददाता, लखनऊ। श्री राधा सखी सेवा परिवार समिति द्वारा निगोहां गांव मे स्थित भंवरेश्वर मंदिर में ज्येष्ठ मास के पहले दिन बंदरों के लिए भंडारे का आयोजन किया गया। श्री राधा सखी सेवा परिवार समिति की संस्थापक अध्यक्ष सुषमा अग्रवाल ने बताया कि हर वर्ष ज्येष्ठ मास में संस्था द्वारा बंदरों की सेवा करते हैं। संस्था के लोग अपने घरों से वानरों के लिए रोटियां अपने हाथों से बना कर लाते हैं और तरबूज, खरबूजा, केला, चना भुना, ब्रेड मोमफली जल आदि से जीवों को भोजन कराते हैं। ऐसा करके हमें भी मन की शांति मिलती है और धर्म और कर्म के पथ पर आगे बढ़ पाते हैं।

जाली नोट की तस्करी के आरोप में दो गिरफ्तार

संवाददाता, लखनऊ। उत्तर प्रदेश एसटीएफ (विशेष कार्यबल) ने मुरादाबाद जिले से भारतीय जाली मुद्रा की तस्करी करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। एसटीएफ की ओर से जारी बयान के अनुसार, एसटीएफको मिली सूचना के आधार पर पीपलसाना चौराहा स्थित कस्बा भोजपुर में एक गोदाम में छापा मारकर 20 रुपये मूल्य की 6,000 (एक लाख बीस हजार रुपये) जाली मुद्रा बरामद की गई। जाली मुद्रा की तस्करी करने वाले नफीस अहमद और मो. नाजिम को गिरफ्तार किया गया है, उनके पास से जाली मुद्रा बनाने का सामान भी बरामद किया गया है। अभियुक्तों ने पूछताछ में बताया कि वे अच्छे गुणवत्ता वाले कागज का इस्तेमाल करके कूटरचित भारतीय जाली मुद्रा को खुद कलर प्रिंटर और फोटोशॉप की मदद से प्रिंट करते है। चूंकि 20 रुपये के नोट बाजार में आसानी से चल जाते हैं, इसलिए भारी मात्रा मे 20-20 रुपये मूल्य के नोट छापते हैं।

मौसम विभाग की चेतावनी

यूपी में चक्रवाती तूफान के चलते होगी बारिश

संवाददाता, लखनऊ। जिन महीनों में लू चलती थी, उन महीनों में इस बार गर्मी का नामोनिशान ना होना हैरान कर देने वाला है। इस वर्ष मई के आने के बावजूद गर्मी अब तक गायब है। बादलों की आवाजाही के चलते तापमान अब तक सामान्य से कम पर दर्ज हो रहा है। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिनों तक तापमान में बढ़ोतरी तो होगी, लेकिन रविवार को पश्चिमी यूपी के 10 जिलों में छुटपुट बारिश के आसार हैं। इससे तापमान में फिर अमूलचूल परिवर्तन हो सकता है। इस बारे में आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक दानिश के अनुसार, एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। इसके

अलावा पश्चिमी हवाएं भी लगातार जारी है। इसके चलते प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में तापमान सामान्य से चार से पांच डिग्री तक कम पर ही दर्ज हो रहा है। अब भी धूप के साथ बादलों की आवाजाही बनी हुई है। अगले दो दिनों तक तापमान में तीन से पांच डिग्री तक बढ़त दर्ज की जा सकती है। रविवार को पश्चिमी विक्षोभ के असर से दिल्ली से जुड़े पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में छिटपुट बारिश होगी और अगले सप्ताह तक पश्चिमी हवाओं का असर भी प्रदेश भर में बना रहेगा। वहीं, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञानी डॉ. एसएन सुनील पांडेय के अनुसार साल 2023 का यह पहला चक्रवात तूफान है जो आठ मई तक बंगाल की खाड़ी में सक्रिय हो सकता है। इसका नाम मोचा रखा गया है। इसकी शुरुआत सात मई से होने की संभावना है लेकिन नौ मई तक यह बंगाल की खाड़ी की तरफ आ सकता है। इसके साथ ही 10 से 11 मई के दौरान इसका रुख बदलेगा इसमें और तीव्रता आने की सम्भावना है। इसका असर पश्चिमी बंगाल और ओडिशा की तरफभी हो सकता है। इसके साथ ही देश में छह बादल का सिस्टम पहले से काम कर रहा है। चक्रवाती हवा के मिलने से इसका असर उत्तर प्रदेश में भी हल्की से मध्यम वर्षा के तौर पर देखने को मिल सकता है।

सोनभद्र में कार से दस लाख रुपये बरामद

निकाय चुनाव : पुलिस ने किया सीज

संवाददाता, लखनऊ। सोनभद्र के चोपन में निकाय चुनाव में आदर्श आचार संहिता का पालन के लिए गठित उड़ाका दल ने चोपन बैरियर के पास चेकिंग के दौरान एक कार से दस लाख रुपये नकदी बरामद किया। पैसा रखने वाले शख्स ने शराब गोदाम का बताया लेकिन कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। पुलिस ने इस राशि को सीज कर दिया। नगर निकाय चुनाव के दृष्टिगत अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी नगर राहुल पाण्डेय के नेतृत्व में थाना चोपन पुलिस व एसएसटी टीम शुक्रवार की रात चोपन में बैरियर पर चेकिंग कर रही थी। राबर्ट्सगंज की तरफ से आ रही स्कार्पियो को आदर्श आचार संहिता के अनुपालन में कार्यपालक मजिस्ट्रेट उदय कुमार गुप्ता की टीम ने चेक किया गया तो वाहन में सवार अभिषेक कुमार राय निवासी ओबरा के पास रखे हरे रंग के बैग से 10 लाख दस हजार रुपये नकद बरामद हुए। नकदी के सम्बन्ध में अभिषेक कुमार राय से वैध प्रपत्र प्रस्तुत करने को कहा गया तो बताया कि शराब के गोदाम का पैसा है, जिसका वैध प्रपत्र मेरे पास मौजूद नहीं है। टीम ने नकदी को सीज कर थाना चोपन मालखाना में सुरक्षार्थ दाखिल किया।

भाजपा नेता ने निकाय चुनाव को बताया भारत बनाम पाकिस्तान का चुनाव, कहा, आप तय करेंगे

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में चल रहे निकाय चुनाव का पहला चरण बीते 4 अप्रैल को संपन्न हो गया। अब दूसरे चरण का चुनाव 11 अप्रैल को होना है इसके लिए सभी राजनीतिक पार्टियां वोटरों को लुभाने की जद्दोजहद में लगी हुई है। वहीं, भाजपा के एक नेता निकाय चुनाव हाथ न निकल जाए इसके लिए इस चुनाव को भारत बनाम पाकिस्तान का नाम दे दिया। बता दें कि यह मामला प्रदेश के बागपत बड़ौत नगर की हैं, जहां निवर्तमान चेयरमैन अमित राणा ने बीजेपी प्रत्याशी के समर्थन में प्रचार करते हुए कहा कि ये चुनाव भारत-पाकिस्तान का चुनाव है। उन्होंने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोगों को तय करना है कि अपनी दुकानों के सामने मुर्गों ओर अंडों की ठेली लगवानी है, फूंसवाली मस्जिद के सामने अल्लाह हू अकबर करवाना है या फिर शिव चौक पर घंटा बजवाना है। भाजपा नेता अमित राणा के इस बयान से साफ हो रहा है कि उन्होंने इस निकाय चुनाव को को हिन्दू मुस्लिम के बीच बनाने की कोशिश किया है। अमित राणा ने बड़ौत नगर चुनाव में बीजेपी प्रत्याशी सुधीर मान के समर्थन में चुनाव प्रचार करते हुए ये बात कही है। जिसके बाद उनका ये बयान सुर्खियों में आ गया है। हालांकि इस बड़ौत की सीट पर हिन्दू-मुस्लिम कार्ड ज्यादा सफल नहीं है। जानकारों की माने तो इस सीट पर सवर्ण मतदाता निर्णायक भूमिका में हैं। आपको बता दें कि बड़ौत नगर पालिका अध्यक्ष पद की सीट पहले सामान्य में घोषित की गई थी, लेकिन 15 दिन बाद ही बड़ौत अध्यक्ष पद को पिछड़े वर्ग में घोषित कर दिया गया, जिसके चलते ब्राहण और जैन समाज के मतदाताओं में नाराजगी और गुस्सा देखने को मिला रहा है। सवर्ण जाति कहीं न कहीं इसे अपने अपमान के रूप में देख रही है। ऐसे में सवर्ण समाज के लगभग 31 हजार मतदाताओं पर निर्भर करता है वे इस चुनाव में अपना रुख किस ओर करते हैं।

माफिया लिख कर दे रहे गिरफ्तार कर लो, प्राणों की मांग रहे भीख : ब्रजेश

डिप्टी सीएम ने बीजेपी प्रत्याशियों के लिए मांगे वोट

संवाददाता

लखनऊ। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक पहुँचे कन्नौज और निकाय चुनाव में बीजेपी प्रत्याशियों के पक्ष में लोगों से मतदान की अपील की। उन्होंने कहा,आज कई माफिया डान लिखकर दे रहे हैं कि हमको गिरफ्तार कर लो। कुछ लिखकर दे रहे हैं कि जेल में भी हमको डर लग रहा है। गुंडे प्राणों की भीख मांग रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने गुरसहायगंज में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कि आज लफंगे सडको पर नजर नहीं आते। वह नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पद भाजपा प्रत्याशी मुन्नी देवी के समर्थन में जनसभा करने पहुँचे थे।सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश में कानून का राज स्थापित किया है। पहले गाड़ियों में हथियार लेकर गुंडे घूमते थे। अपराध होता था। सपा की सरकार में टेंडर लूट लेते थे। समाजवादी पार्टी का नारा है खाली प्लाट हमारा, कहकर जमीन पर कब्जा कर लेते थे। झंडा लगा देते थे। आज किसी की हिम्मत नहीं है कोई किसी की जमीन पर कब्जा करे। कानून व्यवस्था में अभूतपूर्व परिवर्तन हो चुका है। पीएम ने हर गरीब को इज्जतघर देकर उनके स्वाभिमान की रक्षा की। 2017 से पहले टूटी सड़कें, बिजली गायब रहती थी, स्कूल में बच्चे नहीं होते थे, सपा सरकार में तबेले बन गए थे। अस्पताल में डॉक्टर नहीं थे। आज स्थिति बदल गई। सबको सुविधाएं मिल रही हैं। स्कूल का कायाकल्प हो रहा है। सर्वाधिक एक्सप्रेस वे हमने बनाए हैं। जम्मू कश्मीर हमारा है। मोदी सरकार ने धारा 370 को एक झटके में खत्म कर दिया। तीन तलाक पास करने का कानून हमारी सरकार ने दिया। सब लोग चाहते थे कि रामलला का भव्य मंदिर अयोध्या में बने। अद्भुत मंदिर देखने को मिलेगा, नक्काशी की जा रही है। उन्होंने अपील करते हुए कहा, सबको एक तरफ प्रचंड बहुमत से जीता देना,यह ब्रजेश पाठक पर एहसान होगा।नंबर एक पार्टी बीजेपी, दुनिया के नंबर एक नेता मोदी, उत्तर प्रदेश में नंबर एक की सरकार उत्तर प्रदेश सरकार और हमारे प्रत्याशी नंबर एक प्रत्याशी। निकाय चुनाव में जीत होगी।

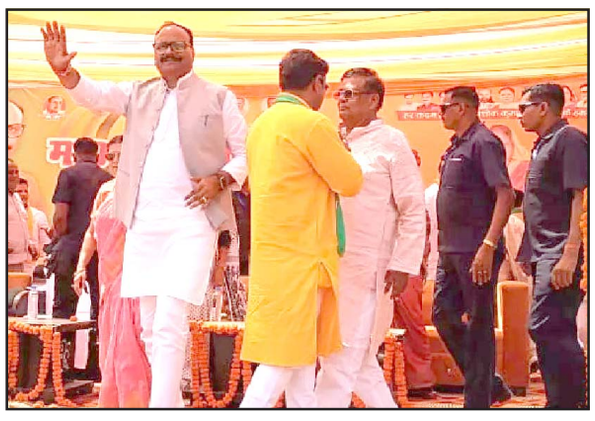

लुटेरे के धक्के से मासूम-मां समेत बाइक से गिरा

दोनों गंभीर रूप से घायल

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में बाइक सवार लुटेरों ने शुक्रवार रात पर्स लूटने के चक्कर में पति और मासूम बच्चे के साथ घर लौट रही महिला को धक्का मार दिया। लुटेरों के धक्के से स्कूटी सवार महिला मासूम के साथ सड़क पर गिरकर कई मीटर तक घिसटती चली गई। जिसमें महिला और मासूम के शरीर और चेहरे पर गंभीर चोट आई है। परिजनों दोनों का पास के ही नर्सिंग होम में प्राथमिक इलाज करने के बाद दोनों को अपोलो हॉस्पिटल में भर्ती कराया। पुलिस ने शनिवार को घटना की जानकारी होने पर परिजनों से मिलकर घटना का ब्योरा लेकर एफआईआर दर्ज की है। डीसीपी उत्तरी एसएम कासिम आब्दी ने बताया कि घटना के खुलासे के लिए पांच टीम लगाई गई हैं। घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी की फुटेज खंगालने के साथ हुलिए के आधार पर लुटेरे की तलाश में दबिश दी जा रही है। अलीगंज निवासी बिंदिया टोला निवासी अधिवक्ता पंकज मिश्र ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 11 बजे छोटा भाई नीरज मिश्रा आईआईएम रोड निवासी मामा के घर से स्कूटी से लौट रहा था। रामराम बैंक चौराहे के पास काली पल्सर सवार एक लुटेरे ने पीछा शुरू कर दिया। लुटेरे ने स्कूटी पर पीछे बैठी उसकी पत्नी रेनू का पहले पर्स खींचने का प्रयास किया। रेनू के शोर मचाने पर नीरज ने गाड़ी की स्पीड बढ़ा दी। इस बीच पीछे से आए लुटेरे ने रेनू के गले पर छपट्टा मारकर हार तोड़ने की कोशिश की, लेकिन हार में धागा बंधा होने से नहीं टूटा।

वहीं लुटेरे से बचने के लिए स्कूटी की स्पीड़ बढ़ाने और लुटेरे के छीनाझपटी में स्कूटी डिसबैलेंस हो गई। इससे रेनू एक साल के मासूम बेटे वासू समेत गिर गई। जिससे वासू गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं रेनू के भी जमीन में घिसटने से चोट लग गई। रेनू और वासू को इलाज के लिए अपोलो हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

संयुक्त युवा मोर्चा ने राज्यपाल को भेजा पत्र

लेखपाल भर्ती धांधली मामले में हस्तक्षेप की अपील

संवाददाता

लखनऊ। संयुक्त युवा मोर्चा ने प्रदेश की राज्यपाल को पत्र प्रेषित कर राजस्व लेखपाल भर्ती में एसटीएफ ने जिन 15 हजार अभ्यर्थियों को संदिग्ध व धांधली में संलिप्त बताया है उन्हें डाक्यूमेंट वेरीफिक्केशन लिस्ट से हटा कर संशोधित परिणाम जारी करने और चयन प्रक्रिया को पारदर्शी व भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देशित करने की अपील की है। यह भी मांग की गई है कि शिक्षा माफ्रियाओं व भ्रष्ट अधिकारियों पर प्रभावी कार्रवाई की जाए जिससे पेपर लीक व धांधली पर रोक लग सके। संयुक्त युवा मोर्चा के राजेश सचान की ओर से प्रेषित पत्र के माध्यम से राज्यपाल महोदया के संज्ञान में लाया गया है कि 31 जुलाई 2022 को आयोजित राजस्व लेखपाल भर्ती परीक्षा में हुई अभूतपूर्व धांधली के मामले में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा एसटीएफ जांच कराई गई थी। जिसकी रिपोर्ट के आधार पर शासन द्वारा 75 परीक्षा केंद्रों को डिबार कर दिया गया। इसके अलावा एसटीएफ की रिपोर्ट में 15 हजार संदिग्ध अभ्यर्थियों के परीक्षा में शामिल होने और धांधली व नकल के गंभीर आरोप लगाया गया। लेकिन एसटीएफ रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई नहीं की गई। इसके पूर्व में अन्य भर्ती परीक्षाओं में भी इसी तरह धांधली व पेपर लीक के गंभीर आरोप लगे हैं। शिक्षा माफ्रियाओं व भ्रष्ट अधिकारियों पर प्रभावी कार्रवाई न किए जाने से हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं और प्रदेश के युवाओं का चयन प्रक्रिया से भरोसा खत्म होता जा रहा है। बता दें हाल में दिल्ली में 113 संगठनों द्वारा गठित संयुक्त युवा मोर्चा ने रोजगार के सवाल पर देशव्यापी अभियान की घोषणा की है। इस मुहिम चयन प्रक्रिया को पारदर्शी, भ्रष्टाचार मुक्त व जवाबदेह बनाने के सवाल भी प्रमुख मुद्दा है।

तन जलाती धूप, आग उगलता आसमान,गोमती मित्रों ने फिर भी जारी रखा श्रमदान

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

सुलतानपुर । सुबह से ही धूप की तीव्रता शरीर को जलाने लगती है,ऐसा लगता है कि जैसे आसमान से आग निकल रही हो,आसान नहीं है उस धूप में किसी के लिए भी पाँच मिनट खड़ा हो पाना लेकिन गोमती मित्र मंडल परिवार अपनी धुन का पक्का है और इस तपती धूप में भी हर रविवार होने वाले साप्ताहिक श्रमदान के दिन गोमती मित्रों ने तीन घंटे की अनवरत मेहनत करते हुए पूरे तट परिसर को साफ-सुथरा किया,वैसे भी हर स्नान पर्व के बाद तट पर अव्यवस्था कुछ ज्यादा ही हो जाती है और शुक्रवार को बुद्ध पूर्णिमा के स्नान पर्व के बाद भी कुछ ऐसा ही था लेकिन बिना उसकी परवाह किए गोमती मित्रों ने अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन बड़ी ही शिद्दत के साथ किया,,साथ ही इस वक्त गोमती मित्र श्रमदान के साथ-साथ लोगों को मतदान के लिए भी प्रेरित करते रहते हैं, प्रदेश अध्यक्ष मदन सिंह ने सभी गोमती मित्रों से अपने-अपने वार्डों में जनसंपर्क कर के लोगों को मतदान करने के लिए प्रेरित करने को कहा, श्रमदान में मुख्य रूप से उपस्थित रहे प्रदेश अध्यक्ष रूद्र प्रताप सिंह मदन, मीडिया प्रभारी रमेश माहेश्वरी, संत कुमार प्रधान, राकेश मिश्रा, मुन्ना सोनी,सुनील कसौधन, डॉ कुंवर दिनकर प्रताप सिंह, अजय प्रताप सिंह, मुन्ना पाठक, युवा मंडल अध्यक्ष अजय वर्मा, सोनू सिंह, तेजस्व पाण्डेय वासु, अर्जुन, आयुष, राज, अभय, दीपू, अंश आदि।

भाजपा सरकार ने विकास के नाम पर किये झूठे वाद : शिवपाल

भाजपा को हराना सपा का सैमी फाइनल मैच है

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

भरथना, इटावा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिवध्पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि सम्पूर्ण प्रदेश में भाजपा सरकार ने विकास के नाम पर कोई कार्य नहीं किया। सिर्फझूठे वादे करने वाली इस सरकार से बडा कोई बेईमान नहीं है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने पूरे प्रदेश व देश को लूटा है।रविवार को नगर निकाय निर्वाचन के चलते नगर पालिका परिषद भरथना से अध्यक्ष पद के अधिकृत उम्मीदवार अजय यादव गुल्लू के समर्थन में कस्बा के जवाहर रोड स्थित अवध गार्डन में आयोजित जनसभा को सम्बोधित करते हुए पूर्व कबीना मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार में लोगों की परेशानी दूर होती थी, हमने अपनी सरकार में बिजली,पानी,खाद,सडकों आदि मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति का उचित प्रबन्ध कराया। लेकिन भाजपा के लोग व इनकी सरकार काम नहीं करती,वश झूठ पर झूठ बोलना ही इनका प्रमुख कार्य है। उन्होंने नगर पालिका चुनाव में समाजवादी पार्टी के पक्ष में मतदान की अपील के साथ कहा कि यह सम्मान व प्रतिष्ठा की लडाई है। कबीना मंत्री श्री यादव ने सत्ताधारी सूबे की भाजपा सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि यह सरकार संविधान,लोकतंत्र,कानून को नहीं मानती। केवल बेईमानी को बढावा देना इनका मुख्य उद्देश्य है। वर्तमान सरकार ने किसानों,मजदूरों, व्यापारियों,बेरोजगारों का साथ नहीं दिया है। बीते दिन कस्बा में प्रदेश के उपमुख्यमंत्रीध्स्वास्थ्य मंत्री के आगमन पर चुटकी लेते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश का पूरा स्वास्थ्य विभाग वेंटीलेटर पर है। उन्हीं के विभाग के अधिकारी, उनकी बात नहीं सुनते। ईमानदारी की बात करने वाली भाजपा सरकार से जनता निराश हो गई है। इससे भारतीय जनता पार्टी घबराई है। इसलिए इनके मंत्री,अधिकारियों से जिताने की बात कहने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र

में भाजपा सरकार को हटाने के लिए पूरा विपक्ष एक हो रहा है। आगामी लोकसभा 2024 में बदलाव होगा। इससे पहले सपा प्रत्याशी अजय यादव गुल्लू व उनके सहयोगियों ने सपा राष्ट्रीय महसचिव शिवपाल सिंह यादव का भव्य माला, पट्टिका पहनाकर,गदा व तलवार भेंटकर गर्मजोशी के साथ स्वागत सम्मान व अन्य आगन्तुक अतिथियों का माल्यार्पण कर सम्मान किया। जनसभा के दौरान विधायक प्रदीप यादव, राघवेन्द्र गौतम, पूर्व ब्लाक प्रमुख हरिओम यादव, विधायक प्रतिनिधि, यादव चीनी, पूर्व मंत्री अशोक यादव, श्रीकृष्ण यादव, प्रेमदास कठेरिया, सुरेन्द्र यादव बाबूजी, मनोज यादव बण्टी, सार्थक यादव छोटू, प्रताप वर्मा, उमेश चन्द्र यादव, के0 के0 यादव आदि ने सपा प्रत्याशी अजय यादव गुल्लू के समर्थन में पूरी तागत से मतदान करने की जोरदार अपील की,वहीं श्री यादव की अपील पर मौजूद सैकडों सपा समर्थकों की अजय यादव गुल्लू के समर्थन में साइकिल पर मोहर लगाने का संकल्प लिया।

ताड़ी उतार रहे मजदूर की पेड़ से गिर कर हुई मौत

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

हरदोई, ताड़ी उतारने के लिए पेड़ पर चढ़ा मजदूर अचानक पैर फिसलने से नीचे गिर कर जख्मी हो गया। उसे पहले सीएचसी ले जाया गया, जहां से मेडिकल कालेज रिफर कर दिया गया। वहां ले जाने के दौरान उसकी रास्ते में ही मौत हो गई। बताया गया है कि सुरसा थाने के जल्लामऊ मजरा झरसा निवासी 35 वर्षीय सुमित कुमार पुत्र गुरु प्रसाद पेड़ से ताड़ी उतारने की मजदूरी करता था। रविवार की सुबह वह पड़ोसी गांव कैरमैर में पेड़ पर चढ़ कर ताड़ी उतार रहा था। तभी अचानक उसका पैर फिसल गया और वह ताड़ के पेड़ की ऊंचाई से नीचे गिर कर जख्मी हो गया। इसका पता होते ही वहां हड़कंप मच गया। आनन-फानन में सुमित कुमार को सुरसा सीएचसी ले जाया गया। वहां के डाक्टरों ने उसकी हालत देख कर मेडिकल कालेज के लिए रिफर कर दिया। सुमित को मेडिकल कालेज लाया जा रहा था। तभी उसकी रास्ते में ही मौत हो गई। इसका पता होते ही उसके घर में कोहराम मच गया। सुमित के परिवार में उसकी पत्नी और 6 बच्चे हैं। सभी का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेते हुए उसका पोस्टमार्टम कराया है।

प्रत्याशियों के खास कहे जाने वाले भितरघातियों की पूरे चुनाव रही पौ बारह

जीत का अनुभव होते ही जयचंदों की मंडली पुन : हुई सक्रिय

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

महराजगंज, रायबरेली। टिकट मिलने से लेकर मतदान होने तक प्रत्याशियों के बहुत खास कहे जाने वाले भितरघाती अब जीत का अनुभव होते ही पुन: अपने अपने प्रत्याशी के बहुत करीब नजर आने लगे है। हम बात कर रहे है नगर पंचायत चुनाव महराजगंज की जहां इस बार चुनाव में भितरघातियों की पौ बारह रही। भाजपा और सपा दोनो पार्टियों के प्रत्याशी के बहुत खास माने जाने वाले जयचंदो ने पहले तो टिकट कटवाने में अपनी जोर आजमाइश की किंतु उसमे विफल होने के बाद पार्टी के नाराज नेताओ को अपने पाले में करके पार्टी प्रत्याशी के विरोध में मतदान के दिन तक जनता को बरगलाने का प्रयास करते रहे किंतु मतदान होने के बाद जब चुनावी गणित में फेल हो गए तो पुन: अपने अपने प्रत्याशी के खासमखास बन कर उनका गुणगान करने लगे हैं। इसी तरह खुद को सपा का समर्पित मानने वाले भी अपने हरकत से बाज नही आए। इस चुनाव की सबसे खास बात यह रही कि जिनका खुद का वोट नही था वो सैकड़ों वोट दिलवाने का ठेका ले रहे थे। अब जब मतगणना करीब आती जा रही है और गणितज्ञ लोगो के गुणा भाग में दोनो प्रत्याशी मजबूत बताए जा रहे हैं तो जयचंदों की मंडली पुन: अपने स्थानों पर पहुंच कर भइया भइया करने लगी है। देखना है 13 तारीख को जनता ने किसके सर पर सेहरा बांधा है यह तो अभी बक्से में है। यदि भितरघातियों का खेल चल गया होगा तो परिणाम बहुत ही रोचक होगा। किंतु सूत्रों की माने तो लोग अपने मुंह मियां मिट्ठू बनते नजर आए। किसी भितरघाती का खेल चलता नजर नही आ रहा बाकी सारी सच्चाई 13 को सामने आ जाएगी।

दबंगो ने युवक को लाठी-डंडों से पीट कर किया घायल केस हुआ दर्ज

संवाददाता, हरदोई टडियावां। थाना क्षेत्र के गांव अहिरोरी के सरविन्द पुत्र रघुराई प्रजापति ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि अपने घर के पास खडा पर था। उसी बीच गांव के रहने वाले रामप्रसाद, धीरेन्द्र और उनके दामाद के अलावा रामप्रसाद की पत्नी शिववती उनकी बेटी सविता ने पुरानी रंजिश के चलते उस पर धारदार हथियार और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। उसके शोरगुल करने पर लोग इकठ्ठे हो गए, इस घटना में उसके काफी चोटें आई है। पुलिस ने उसकी तहरीर चारों आरोपितों के खिलाफरिपोर्ट दर्ज कर दी है।

सखी वेलफेयर फाउंडेशन के नई कार्यकारिणी का हुआ गठन

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

जौनपुर। सखी वेलफेयर फाउंडेशन जौनपुर की एक महत्वपूर्ण बैठक आज जीतापट्टी, मरदानपुर स्थित कार्यालय पर संपन्न हुई, जिसमें वर्ष 2023-24 के लिए संस्था की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से सखी वेलफेयर फाउंडेशन के सामाजिक गतिविधियों के संचालन के लिए प्रीति गुप्ता को अध्यक्ष, सखी अर्चना सिंह को महासचिव तथा सखी सरला माहेश्वरी को कोषाध्यक्ष पद का दायित्व दिया गया। इस अवसर पर संस्थाध्यक्ष प्रीति गुप्ता ने कहा कि नारी विकास की संचेतना से ओतप्रोत सखी वेलफेयर फाउंडेशन के पदाधिकारियों की कर्मठता के कारण संस्था अपने सार्थक सामाजिक गतिविधियों को सतत आगे बढ़ा रही है तथा मुझे पूर्ण विश्वास है कि नई कार्यकारिणी नारी सशक्तिकरण एवं उनके आत्मविकास व आत्मनिर्भरता के लिए सदा प्रयासरत रहेगी। सखी वेलफेयर फाउंडेशन की गठित नई कार्यकारिणी में कार्यकारी अध्यक्ष पद पर तूलिका श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष पद पर स्वर्णिमा जायसवाल, तसनीम जैदी, चेतना साहू, रजनी साहू, संस्था के निदेशक के रूप में ज्योति कपूर, ममता उपाध्याय, शर्मिला सिन्हा, सह सचिव सुजाता जायसवाल, सह कोषाध्यक्ष पिंकी जायसवाल, पी आर ओ सखी शीला राय, सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में शिल्पी जायसवाल, उमा गुप्ता, विभा साहू, मीनू बरनवाल तथा संस्था के मीडिया कोऑर्डिनेटर के रूप में विजयलक्ष्मी यादव को सर्वसम्मति से दायित्व दिया गया। बैठक का संचालन महासचिव अर्चना सिंह तथा उपस्थित सभी के प्रति आभार तूलिका श्रीवास्तव ने व्यक्त किया।

साली की शादी से पहले जीजा ने किया सुसाइड, जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता, हरदोई । साली की शादी से पहले जीजा ने किया सुसाइड, जांच में जुटी पुलिसकमी हरदोई, साली की शादी से दो दिन पहले ही जीजा ने अपने घर के अंदर फंदा लगा कर आत्महत्या कर ली। बताया गया है कि किसी बात की जिद पर अड़ी पत्नी से उसकी कहासुनी हो गई थी। उसी के चलते उसने ऐसा कदम उठाया। पुलिस सारे मामले की जांच कर रही है। बताते हैं कि कोतवाली शहर के काशीपुर निवासी 40 वर्षीय उत्तम उर्फब्रह्मानंद पुत्र ईश्वरी प्रसाद की ससुराल पिहानी कोतवाली के बेरवा खेड़ा में है। 8 मई को उसकी साली की शादी होना थी। उसकी पत्नी सुमन शादी को ले कर किसी जिद पर अड़ी हुई थी। जिससे उसकी कहासुनी हो गई। उसके बाद उत्तम उर्फब्रह्मानंद ने पत्नी और अपने बच्चों को ससुराल भेज दिया, उसके बाद शनिवार की देर रात को उसने घर के अंदर पड़े छप्पर के नीचे गमछे से फंदा लगा कर आत्महत्या कर ली। इसका पता होते ही वहां कोहराम मच गया। उधर उसकी ससुराल में चल रही शादी की तैयारियों के बीच वहां मौत का मातम छा गया। वहां पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया और इस बारे में आस-पड़ोसियो से पूछताछ कर रही है।

प्रधान के गुर्गो ने दलित दम्पति को लहूलुहान कर किया बेघर

संवाददाता, हरदोई ,देहात कोतवाली के भिठा महासिंह गांव की दलित महिला कलावती की झोपड़ी कई वर्षो से ग्राम समाज की जमीन पर रखकर अपने छोटे छोटे बच्चों के साथ रह रही थी, देर रात 1मई को प्रधानपति सुनील पाल व उनके गुर्गो के द्वारा हमला बोल दिया और उसकी झोपड़ी को गिरा दिया और उसमे रखे समान को तितर बितर कर दिया जिसका महिला ने विरोध किया तो उस महिला पर धावा बोलते पकड़ कर मारने पीटने लगे,जिससे महिला के गर्दन व बांय तरफहसूली व हाथो मे गंभीर चोटे आई साथ ही भद्दी भद्दी भद्दी गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गये। उसके बाद पीड़ित महिला प्रार्थना पत्र लेकर कोतवाली देहात पहुंची जहाँ पर पुलिस ने प्रार्थना पत्र को रख लिया उसके बाद पीड़ित महिला ने आरोप लगाते हुए बताया की पुलिस ने मेरा कोई डाक्टरी परीक्षण कराया गया और ना ही कोई सुनवाई की गई ,और विपक्षियों को बुलाकर लेनदेन कर रफा-दफा कर दिया गया ,जिससे गांव के दबंगों के हौसले बुलंद होकर लगातार जान से मार डालने की धमकियां दी जा रही है, जिससे पूरा परिवार दहशत मे है।

शादी से वापस आए युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों में लगाई फांसी हुई मौत

संवाददाता, हरदोई। टडियावा थाना क्षेत्र गांव गुरसंडा में एक 22 वर्षीय युवक संदिग्ध परिस्थितियों में लगाई फांसी हुई मौत, पुलिस को बगैर सूचना दिए परिजनों ने शव का कराया अंतिम संस्कार। बता दें कि थाना टड़ियावां क्षेत्र के गांव गुरसंडा निवासी सिद्धार्थ सिंह 22 पुत्र सुनील कुमार सिंह उर्फमुन्ना सिंह फौजी अज्ञात कारणों के चलते रविवार की बीती रात घर अंदर कमरे में लगे पंखे में रस्सी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह जब परिजनों ने मृतक का शव कमरे में फांसी पर झूलता पाया तो परिजनों में मातम छा गया। जिसके बाद परिजनों द्वारा बिना पुलिस को सूचना दिए शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। सूत्रों के मुताबिक मृतक बीते दिन शनिवार के दिन मृतक पूर्व प्रधान के परिवार की एक शादी में गया था, जहां से मृतक रात में ही घर वापस आ गया और कमरे में लगे पंखे में रस्सी से फांसी लगा ली जिससे उसकी मौत हो गई।

पड़ोसियों ने महिला को पीटा

संवाददाता, ऊँचाहार, रायबरेली। छोटे मियां का पुरवा गाँव निवासी महिला को पड़ोसियों ने मारपीट कर घायल कर दिया, पीड़ित महिला ने कोतवाली पहुंचकर मामले की तहरीर दी है। गाँव निवासी रेशमा देवी का कहना है कि रविवार की सुबह वो दरवाजे पर बैठी हुई थी, तभी पड़ोस का युवक आया और अपनी पत्नी के साथ गालीगलौज करते हुए उसकी पिटाई कर दी। इस बाबत कोतवाल बालेन्दु गौतम ने बताया कि तहरीर मिली है, जांच कर आवश्यक कार्यवाही की जायेगी।

धूमधाम से मनाया गया 13वां राष्ट्रीय बौद्ध महोत्सव

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

ऊँचाहार, रायबरेली। विश्व को अहिंसा, करुणा, दया व मानवता का संदेश देने वाले करुणा के सागर महामानव तथागत बुद्ध की जयंती के उपलक्ष में नगर में 13वां राष्ट्रीय बौद्ध महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। जिसमें वक्ताओं ने लोगों से उनके उपदेशों के अनुसरण का आह्वान किया। समारोह का आयोजन वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. आर पी मौर्य की ओर से किया गया। रविवार को नगर के शिवमंगल मौर्य इंटर कालेज में आयोजित महोत्सव में वक्ताओं ने कहा कि महात्मा बुद्ध के मानवतावादी उपदेशों को आत्मसात करके ही देश दुनिया में शांति व विकास के आयाम स्थापित किए जा सकते हैं। बौद्ध महोत्सव का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा तथागत बुद्ध की प्रतिमा पर मोमबत्ती जलाकर किया गया। मुख्य अतिथि आईएएस एकेडमी प्रयागराज के डायरेक्टर डॉ. केडी सिंह ने तथागत बुद्ध की जीवनी और उनके उपदेशों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि तथागत बुद्ध ने दुनिया को अहिंसा, करुणा, प्रेम व मानवता का संदेश दिया था। इनके बताये गए मार्ग पर चलकर ही विश्व में शांति की स्थापना की जा सकती है। प्रदेश सचिव आलोक कुशवाहा ने बताया कि बुद्ध दुनिया में ऐसे इकलौते महापुरुष रहें हैं, जिन्हें जन्म, ज्ञान और निर्वाण की प्राप्ति अलग अलग समय में प्राप्त हुई थी। उन्होंने बताया कि बुद्ध ने जाति धर्म से परे मानव मानव एक समान का संदेश दिया। राष्ट्रपति से सम्मानित शिक्षक डॉ राधेश्याम मौर्य, भंते धम्म प्रकाश, भंते धम्म मित्र, आचार्य रामसाहिब, कवि व लेखक डॉ. अमरनाथ सिंह, रणविजय निषाद , संत दीनदयाल आदि ने अपने वाणी से तथागत बुद्ध के साथ संत कबीर के समाज सुधारवादी विचारों की बाबत विस्तार से जानकारी दी। समापन पर आयोजक डॉ आरपी मौर्य ने अतिथियों व अभ्यागतों के प्रति आभार व्यक्त किया। समापन के बाद भोजन दान में लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर संत दीन दयाल साहब, साध्वी राजेश्वरी, संत सत्यानंद त्यागी, सुंदर लाल मौर्य, जितेंद्र बहादुर सिंह, सुखराम सरोज, राजेश साहू, रमेश कुमार मौर्य, जगन्नाथ प्रजापति, शिवराम मौर्य, चन्द्रभान मौर्य, रामानंद मौर्य समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

अनियंत्रित होकर ट्रेलर से टकराया टैंकर, चालक व खलासी गंभीर रूप से घायल

संवाददाता, ऊँचाहार, रायबरेली। सवैया तिराहे के पास लखनऊ प्रयागराज मार्ग पर बोलेरो को टक्कर मारते हुए टैंकर अनियंत्रित होकर ट्रेलर से टकरा गया, घटना में टैंकर चालक व खलासी गम्भीर रूप से घायल हो गये, सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएचसी पहुंचाया, जहां से चालक को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है, वहीं टैंकर की टक्कर से बोलेरो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में चली गई, घटना में बोलेरो सवार लोग बाल बाल बच गए हैं। शनिवार की देर रात एक टैंकर लखनऊ की तरफजा रहा था तभी सवैया तिराहे के पास सामने से आ रही बोलेरो को उसने टक्कर मार दी और उसके बाद अनियंत्रित होकर ट्रेलर से टकरा गया,घटना में टैंकर चालक मनोज कुमार 52 वर्ष निवासी जगतपुर कोतवाली जगतपुर व खलासी शिवशंकर 35 वर्ष निवासी बागवान ढाबा के निकट ऊंचाहार घायल हो गये, सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएचसी पहुंचाया, जहां से चालक मनोज कुमार को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। सीएचसी अधीक्षक डॉ मनोज कुमार शुक्ल ने बताया कि घायल अवस्था में दो लोगों को सीएचसी लाया गया था, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद एक व्यक्ति को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। कोतवाल बालेन्दु गौतम ने बताया कि मामले की जानकारी पर पुलिस को मौके पर भेजा गया था, तहरीर मिलने पर कार्यवाही की जायेगी।

चोरी करते युवक को ग्रामीणों ने पकड़कर की पिटाई, पुलिस को सौंपा

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

ऊँचाहार, रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के इमिलिहा का पुरवा गाँव में चोरी करते एक युवक को ग्रामीणों ने पकड़कर पिटाई कर दी, सूचना पर पहुंची पुलिस युवक को पकड़कर कोतवाली लेकर आई, जिसके बाद पुलिस ने उसे चोरी के मामले में केस दर्ज कर जेल भेजा है। मामला शनिवार की देर रात का है, गाँव निवासी राममिलन के घर में एक युवक घुसकर चोरी कर रहा था, तभी घर वाले जाग गए और शोर मचाना शुरू कर दिया, जिसके बाद शोर सुनकर काफी संख्या में ग्रामीण इकट्ठा हो गये, और ग्रामीणों ने पकड़े गए युवक की पिटाई शुरू कर दी, सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस युवक को पकड़कर कोतवाली लेकर आयी और उसके पास से चोरी किया गया आभूषण भी बरामद किया गया, रविवार को पुलिस ने चोरी के मामले में युवक पर केस दर्ज कर उसे जेल भेजा है इस बाबत कोतवाल बालेन्दु गौतम ने बताया कि चोरी के मामले में बाबू चौहान उर्फ अकरम निवासी एनटीपीसी रोड गेट नम्बर 2 को चोरी के मामले में जेल भेजा गया है।

प्रेक्षक की अध्यक्षता में पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने के लिए सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक हुई सम्पन्न

प्रेक्षक द्वारा पोलिंग पार्टी रवानगी स्थल, स्ट्रांगरूम व मतगणना स्थल का किया गया निरीक्षण

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

सुलतानपुर । नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन-2023 को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण रूप से सम्पन्न कराने हेतु राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त प्रेक्षक विशेष सचिव प्रशा सनिक सुधार विभाग, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ राजाराम शनिवार को सायंकाल जनपद पहुँचे।

प्रेक्षक निर्वाचन के दौरान पी0डब्ल्यू0डी0 गेस्ट हाउस में रूके हुए हैं। उन्होंने बताया कि निकाय चुनाव से सम्बन्धित कोई भी व्यक्ति किसी भी शिकायत के सम्बन्ध में पूर्वान्ह 09 से 10 बजे के बीच सम्पर्क कर सकता है। उन्होंने यहाँ भी बताया कि कोई भी व्यक्ति किसी भी समय सम्पर्क नं0-9897387554 पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है। प्रेक्षक के लाइजन ऑफिसरध्जिला आबकारी अधिकारी हितेन्द्र शेखर व सहायक लाइजन ऑफिसर/असिस्टेन्ट कमिश्नर वाणिज्य कर राम शंकर हैं। प्रेक्षक द्वारा विकास भवन स्थित प्रेरणा सभागार में चल रहे मतगणना कार्मिकों के प्रथम दिन के प्रशिक्षण का निरीक्षण किया गया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान मतगणना कार्मिकों से कहा कि निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन का अनुपालन करते हुए शुचिता व निष्पक्षता के साथ मतगणना का कार्य सम्पन्न करायेंगे। उन्होंने सभी मतगणना कार्मिकों को निर्देशित करते हुए कहा कि मतगणना के दौरान भरे जाने वाले प्रपत्रों को सावधानी पूर्वक व सही-सही भरेंगे। प्रेक्षक की अध्यक्षता में पुलिस लाइन स्थित सभागार में नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन-2023 को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण रूप से सम्पन्न कराने हेतु जिलाधिकारी जसजीत कौर, पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा की उपस्थिति में समस्त आरओ, एआरओ, समस्त पुलिस क्षेत्राधिकारी व प्रभारी अधिकारी, के साथ बैठक आयोजित की गयी। उन्होंने सभी उप जिलाधिकारी व पुलिस क्षेत्राधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि नगरीय निकाय चुनाव को शुचिता, पारदर्शिता के साथ सम्पन्न कराने हेतु सभी आवश्यक तैयारियॉ कर ली जाय। उन्होंने कहा कि सभी संवेदशील क्षेत्रों का समय - समय पर भ्रमण करते रहे। प्रेक्षक को कार्मिक प्रशिक्षण प्रभारीध्मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक सहित सभी प्रभारी अधिकारी द्वारा अपने-अपने दायित्वों के बारे में बताया गया। जिला मजिस्ट्रेटध्जिला निर्वाचन अधिकारी जसजीत कौर द्वारा प्रेक्षक का स्वागत किया गया। जिलाधिकारी द्वारा सभी प्रभारी अधिकारियों को अपने-अपने दायित्वोंध्तैयारियों के बारे में प्रेक्षक के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया।

संदिग्ध परिस्थितियों में रस्सी के सहारे पेड़ से लटकता मिला 10 वर्षीय बालक का शव

परिजनों ने जताई हत्या की आशंका, जांच में जुटी पुलिस

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

महराजगंज, रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के पूरे फेरु मजरे पहरेमऊ गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में 10 वर्षीय बालक का शव पेड़ में रस्सी के सहारे लटका हुआ मिला, ग्रामीणों द्वारा परिजनों को सूचना दी गई मौके पर पहुंचे परिजन व पुलिस ने शव को नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पूरा मामला महराजगंज कोतवाली क्षेत्र के पूरे फेरु मजरे पहरेमऊ गांव का है। जानकारी के अनुसार शनिवार सत्यम पुत्र श्रीपाल दोपहर से घर से गायब था। परिजन लगातार दोपहर से ही सत्यम खोजबीन कर रहे थे। तभी ग्रामीणों द्वारा पता चला कि घर से ही कुछ दूरी पर सत्यम का शव चिलवल के पेड़ से लटक रहा है। शव को देखकर लोगों में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंचे परिजन सत्यम का शव देखकर दंग रह गए तथा परिजनों में चीख पुकार मच गयी। लोगों तत्काल पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वहीं मृतक सत्यम के परिजन लगातार हत्या की आशंका

जाहिर कर रहे हैं। परिजनों का कहना है कि सत्यम को किसी ने मार कर लटकाया है। फ्लिहाल पुलिस ने सभी बिंदुओं पर बारीकी के साथ जांच पड़ताल शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक श्याम कुमार पाल ने बताया कि सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंचकर शव नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है परिजनों द्वारा बताये जा रहे तथ्यों पर पुलिस बारीकी के साथ जांच पड़ताल शुरू कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद जो तथ्य निकलकर सामने आएंगे उसके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जुल्म के खिलाफ आवाज उठाना भी एक इबादत है : मौ.हसन कुमेली

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

प्रयागराज। हडिंया तहसील के प्रतापपुर क्षेत्र के मियां के पुरा गांव स्थित मेहताब नकवी के निवास पर स्वर्गीय इसरार हुसैन नकवी की चेहल्लुम की मजलिस का आयोजन किया गया। जिसमें दिल्ली से आए हुए खतीबे अहलेबैत मौलाना सैयद हसन कुमेली ने कहा कि जो़र जुल्म के खिलाफ आवाज उठाना भी एक इबादत है जुल्म करने वाला यह समझता है कि इस दुनिया में उस से बड़ा ताकतवर कोई नहीं है लेकिन वह इस बात को नहीं जानता कि इस दुनिया में सबसे बड़ा ताकतवर वह है जिसने इस दुनिया का निर्माण किया और इंसान को पैदा किया उस के

आगे हर किसी की ताकत फेल हो जाती है उस ताकत को दुनिया खुदा और परमात्मा के नाम से जानता है उसके सामने हर ताकतवर नमसतक हो जाता है इस अवसर पर सोज और सलाम मंजर अल हिंद ने पढ़ा और पेश खानी डॉक्टर नयाब बलियावी ने और डॉक्टर कमर आबदी और अनीस जायसी ने पेश किया मजलिस का संचालन अब्बास पाशा दरियाबादी ने किया नोहा खानी हिंदुस्तान की मशहूर मारूफ अंजुमन मोहाफ़िले अज़ा ने पेश किया।

मोमिन की पहचान है अपने आस पास के बन्दे की परेशानी पर फौरन से पेशतर पहुंचे : मौलाना बिलग्राम

संवाददाता, प्रयागराज। मस्जिद काजी साहब बख्शी बाजार में जुल्फेकार मिर्जा इब्ने अहमद मिर्जा की चालीसवें की मजलिस को खिताब करते हुए हैदराबाद से आए फख्रे कौम मौलाना सैय्यद आबिद बिलग्रामी ने कहा एक मोमिन की पहचान ऐसी होनी चाहिये की उसके आस पास के बन्दे को कोई परेशानी हो तो फौरन से पेश्तर पहुंच कर उसकी परेशानी को कमतर करने का सबब फराहम करें। मौलाना ने हरकदम पर शुक्रे खुदा करने की भी नसीहत दी। कहा हमें अल्लाह ने जो नेमत अता की उसका शुक्रिया अदा करने का सबसे सही रास्ता है बारगाहे खुदावन्दी में शुक्र का सजदा करो गुनाहों से तलाफी और अपने लिए दुआ मांगने से पहले दूसरों के हक में दुआ करो तो अल्लाह उसके तुफैल में तुम्हारी भी दुआ कुबूल करेगा।मौलाना करबला के शहीदों का भी जिक्र किया। कहा हजरत इमाम हुसैन ने करबला के मैदान में तेग और तलवारों के बीच नमाज अदा कर में पैगाम दिया है उसे राएगां मत जाने दो। मजलिस से पहले मोहम्मद हुसैन सल्लामहू कानपूरी ने अपने तास्सुरात से मौला हुसैन व मौला अब्बास की शान में मनकबत पेश की। रियाज मिर्जा ने गमगीन मर्सिया से पढ़ा। शहीर रालवी ने पेशख्वानी के फराएज अंजाम दिए।अन्जुमन अब्बासिया रानीमंडी के नौहाख्वानो ने पुरदर्द नौहा पढ़ा। उम्मुल बनीन सोसायटी के महासचिव सैय्यद मोहम्मद अस्करी के अनुसार मरहूम जुल्फेकार मिर्जा की चालीसवें की जनानी मजलिस नूरउल्लाह रोड स्थित मरहूम के आवास पर हुई। जिसे मोहतरमा आफ्रीन साहिबा ने खिताब किया।

अतीक का चौथा नाबालिग बेटा अहजम भी पुलिस की राडार पर

संवाददाता, प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद के वकील रहे खान सौलत हनीफके बयान से उमेश पाल हत्याकांड में माफिया के चौथे बेटे की एंट्री भी होते दिख रही है। सौलत ने बयान दिया है कि अतीक, अशरफ असद और वह बातचीत के लिए जिस फेसटाइम आईडी का इस्तेमाल करते थे उनमें से एक अतीक के नाबालिग बेटे अहजम की थी। फ्लिहाल यह स्पष्ट नहीं है कि इस आईडी से वह ही बात करता था लेकिन इस संबंध में जांच पड़ताल की जा रही है। सौलत को तीन अप्रैल को पुलिस ने कस्टडी रिमांड पर लिया था। इस दौरान उसके घर से तीन फोन बरामद किए गए। इनमें से एक आईफोन था जो उसे असद ने दिया था। इस आईफोन के फेसटाइम एप के जरिए ही वह असद, शाइस्ता, अतीक व अशरफसे बातें किया करता था। सूत्रों का कहना है कि आईफोन की जांच में उन फेसटाइम आईडी का पता चला जिन पर लगातार सौलत की बात होती थी। खास बात यह कि यह फेसटाइम आईडी अतीक के चौथे नंबर के नाबालिग बेटे अहजम की है। सौलत ने पुलिस को बयान दिया है कि इन्हीं चारों आईडी से वह आपस में बातें करते थे। अब सवाल यह है कि अहजम की फेसटाइम आईडी का इस्तेमाल कौन करता था। फ्लिहाल पुलिस इस मामले में कुछ बोलने को तैयार नहीं है। नाम न छापने की शर्त पर एक अफसर का कहना है कि जांच पड़ताल चल रही है। अतीक के दो नाबालिग बेटे अहजम और अबान अभी राजरूपपुर स्थित बालगृह में रखे गए हैं। धूमनगंज पुलिस की ओर से कोर्ट में जो रिपोर्ट दी गई है उसके मुताबिक दोनों चकिया में लावारिस हाल में घूमते मिले थे जिसके बाद उन्हें बालगृह में आवासित कराया गया है। इनमें से अहजम 17.5 साल का है जबकि अबान की उम्र 15 साल है।

अतीक और अशरफ के मुकदमों की बंद होगी फाइल

संवाददाता, प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद और अशरफ पर विभिन्न अदालतों में चल रहे मुकदमे अब बंद किए जाएंगे। मुकदमों के विवेचकों की ओर से कोर्ट में दोनों की मृत्यु रिपोर्ट दाखिल किए जाने के बाद अदालत इस पर मुहर लगाएगी। शुक्रवार को लखनऊ की सीबीआई कोर्ट ने अतीक के खिलाफ देवरिया जेल में प्रॉपर्टी डीलर मोहित जायसवाल को पीटने के मामले को बंद करके इसकी शुरुआत कर दी है। माफिया अतीक अहमद पर कुल 104 मुकदमे दर्ज हैं। उसके छोटे भाई अशरफभी 54 मुकदमों में आरोपी था। इनमें से कुछ मामलों में अंतिम रिपोर्ट लग चुकी है, लेकिन कई मामलों में अब भी विवेचना जारी है। बताते हैं कि 50 से अधिक मामले कोर्ट में भी विचाराधीन हैं। 15 अप्रैल को पुलिस कस्टडी में अतीक-अशरफ की हत्या कर दिए जाने के बाद अब इन मुकदमों के चलाए जाने का कोई औचित्य नहीं रह गया है। हालांकि यह तभी संभव होगा जबकि कोर्ट को इसकी औपचारिक सूचना दी जाएगी कि अतीक-अशरफअब जीवित नहीं हैं। मामलों के विवेचकों की रिपोर्ट के बाद कोर्ट माफिया भाइयों के विरुद्ध फाइल बंद करने के फैसले पर मुहर लगाएगा। हालांकि, जिन मुकदमों में अतीक-अशरफके सिवाय अन्य लोग भी आरोपी हैं, उनके विरुद्ध मामले चलते रहेंगे। लखनऊ स्थित सीबीआई कोर्ट ने शुक्रवार को प्रॉपर्टी डीलर मोहित जायसवाल को अगवा कर देवरिया जेल ले जाकर पिटाई करने और 45 करोड़ की संपत्ति के कागज पर जबरन हस्ताक्षर कराने के मामले से माफिया का नाम हटाते हुए कहा था कि यह सर्वविदित है कि अतीक की हत्या हो चुकी है। इसमें और औपचारिकताओं की कोई आवश्यकता नहीं।

दलित व पिछड़े संगठित होकर अपने अधिकार की मांग करें : भारत लाल

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

प्रयागराज। सामाजिक विकास के लिए रविवार को फूलपुर क्षेत्र के कोड़ापुर ग्राम सचिवालय में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमे विद्वान वक्ताओं ने अपने अपने अपने विचार रखते हुए दलितों पिछड़ों के उत्थान के लिए संगठित होकर संघर्ष करने की रणनीति बनाई। गोष्ठी का नेतृत्व करते हुए अवकाश प्राप्त डीएफओ बलकरनपुर निवासी भारत लाल ने कहा की आज दलित और पिछड़े वर्ग के लोग सामाजिक विकास के क्षेत्र में काफी पीछे होते जा रहे है

देश में सबसे बड़ी संख्या होने के बावजूद भी इन्हे इनके अधिकारों से वंचित रखा जा रहा है इसके लिए दलित और पिछड़े वर्ग के लोग संगठित होकर अपने अधिकारों की लड़ाई स्वयं लड़े। सहायक विकास अधिकारी अखिलेश कुमार ने कहा की समाज के लोगो को शिक्षा पर विशेष जोर देने की जरूरत है जिससे समाज के दलित और पिछड़े वर्ग के लोग आगे बढ़ सकते है। खंड शिक्षा अधिकारी मिथलेश कुमार ने अपना विचार रखते हुए कहा की सामाजिक समरसता लाने के लिए समाज के लोगो को जागरूक करना जरूरी है। वरिष्ठ पत्रकार मौजी लाल रावत ने उक्त जागरूकता गोष्ठी को गांव गांव तक टीम गठित करके लोगो को प्रेरित करने पर बल दिया। विजय कुमार सरोज ने गांवो में छोटे मोटे झगड़ो को आपस में बैठकर सुलझाने पर चर्चा करते हुए कहा की इससे गांव के लड़ाई झगडे थाने तक नही जायेगा जिससे समाज का विकास होगा। प्रधान योगेंद्र कुमार ने सामाजिक विकास के लिए गठित हो रही टीम में महिलाओं की भागीदारी करने का सुझाव दिया। राम औतार इंटर कालेज के प्रधानाचार्य रामसूरत यादव ने उक्त विचार गोष्ठी प्रत्येक माह अलग अलग गांवो में रखने का विचार रखा तो रूप चंद्र भारतीय ने उक्त गोष्ठी की सराहना करते हुए मुहिम को आगे बढ़ाने पर बल दिया। गोष्ठी की अध्यक्षता ढेलहा के पूर्व प्रधान रामराज तथा संचालन ग्राम रोजगार सेवक संघ फूलपुर के ब्लाक अध्यक्ष नूरुद्दीन उर्फ बबलू ने किया। इस मौके पर संजय कुमार, मोहम्मद अकरम,अनिल कुमार,रोहित सेन,मुकेश कुमार रावत उर्फ अंशू नेता,मदन लाल,कड़े दीन चौधरी,राम प्रसाद,दानिश अहमद सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

आजाद समाज पार्टी से पार्षद प्रत्याशी ने किया क्षेत्र में जनसंपर्क

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

कानपुर। कानपुर आजाद समाज पार्टी वार्ड नंबर 4 से पार्षद प्रत्याशी विनय कुमार विन्नू ने क्षेत्र में जनसंपर्क किया इसके पूर्व में भी वह पार्षद पद पर लड़ चुके हैं और क्षेत्र की जनता का आशीर्वाद मिला था इस दौरान उन्होंने मीडिया को बताया कि वार्ड 4 से पार्षद प्रत्याशी हूं और जनता से उनके आशीर्वाद का आकांक्षी हूं क्षेत्र में जल निकासी से लेकर मार्ग प्रकाश टूटी सड़कें साफ- सफाई जलभराव से निजात दिलाना मेरी पहली प्राथमिकता है और लोगों से बस यही कहना चाहूंगा कि वह अपना आशीर्वाद मुझ पर बनाए रखें और नगर निगम पहुंचाने की कृपा करें आपका सेवक हूं और अपने सेवक पर आशीर्वाद बनाए रखें।

पुलिस अधीक्षक महोबा के नेतृत्व में थाना खरेला क्षेत्र अन्तर्गत अर्धसैनिक बल के साथ किया फ्लैग मार्च / एरिया डोमिनेशन

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

महोबा। पुलिस अधीक्षक महोबा अपर्णा गुप्ता द्वारा आगामी नगर निकाय निर्वाचन 2023 को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु थाना खरेला क्षेत्रअन्तर्गत अर्द्धसैनिक बल सी.आई. एस.एफव थाना स्थानीय पुलिस बल के साथ फ्लैगमार्च कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। साथ ही नगर पंचायत खरेला अन्तर्गत पड़ने वाले विभिन्न अति संवेदनशील बूथों में भ्रमण कर निर्वाचन के दौरान सुरक्षा तंत्र विकसित किये जाने के निर्देश दिये गये। पुलिस अधीक्षक महोबा द्वारा नगर निकाय निर्वाचन को पारदर्शी, निष्पक्ष और शांतिपूर्वक चुनाव सम्पन्न कराने के उद्देश्य से निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार

आदर्श आचार संहिता का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित कराये जाने तथा चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किये जाने के निर्देश दिये गये साथ ही क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटरों/अराजकतत्वों पर पैनी नजर रखने व किसी भी अवांछनीय गतिविधि पर सम्बन्धित के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करने के सख्त निर्देश दिये गये। इस दौरान अपर जिलाधिकारी रामप्रकाश, अपर पुलिस अधीक्षक सत्यम, उपजिलाधिकारी चरखारी श्वेता पाण्डेय, थानाध्यक्ष खरेला यज्ञनारायण भार्गव, अर्धसैनिक बल सी.आई.एस.एफके जवान सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण मौजूद रहे ।

जुंआ खेल रहे तीन अभियुक्त को पुलिस नें किया गिरफ्तार

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

बीघापुर, उन्नाव। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ शंकर मीणा के कुशल निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी बीघापुर के कुशल पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना बीघापुर पुलिस द्वारा जुंआ खेल रहे तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। उ0नि0 लक्ष्मण प्रसाद पाण्डेय मय हमराह फोर्स द्वारा ग्राम रुझई मे ग्राम पंचायत भवन के पास से जुंआ खेल रहे अभियुक्तगण, गुड्डू पुत्र सुन्दर नि0 ग्राम रामनाथ खेडा रुझई उम्र करीब

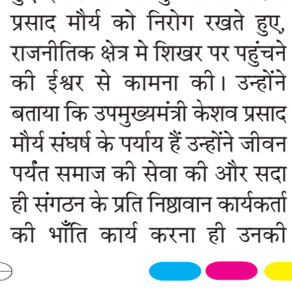

33 वर्ष, सुरेश पुत्र होरीलाल नि0 ग्राम बिजौली थाना बकेवर जनपद फतेहपुर हाल पता ग्राम रामनाथ खेडा रुझई उम्र करीब 30 वर्ष, राजू पुत्र मुन्सीलाल नि0 ग्राम रामनाथ खेडा रुझई उम्र करीब 32 वर्ष, के कब्जे से मालफड्ड 1550 रूपये व 52 अदद ताश के पत्ते व जामातलाशी से 200 रूपये बरामद कर गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर अभियुक्तगण के विरुद्ध मु0अ0सं0 73/2023 धारा 13 जुंआ अधिनियम पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही कि गई। गिरफ्तार करनें वाली टीम में, उ0नि0 लक्ष्मण प्रसाद पाण्डेय, हे0का0 संजय सिंह, हे0का0 देवेश कुमार, का0 प्रतीक यादव थाना, का0 अमित सिंह, का0 नरेन्द्र यादव, का0 यशपाल यादव मौजूद रहें।

क्रेजी क्राउड इनडोर गेम जोन का भव्य शुभारंभ

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

कानपुर। स्वरूप नगर स्थित गेजेस क्लब में क्रेजी क्राउड इंडोर गेम जोन का भव्य शुभारंभ यूपी विधानसभा अध्यक्ष मा0 सतीश महाना ने दीप प्रज्वलित करके किया इस दौरान श्रीमती रमन कपूर एवं कपूर परिवार की सभी महिलाओं का चेयरमैन पाल जैन एवं श्रीमती सरला जैन ने स्वागत किया। मुख्य अतिथि शसतीश महाना का सम्मान प्रदीप जैन ने साउथ से आई इलायची की माला एवं चन्दन के तिलक व चांदी का मुकुट, दुपट्टा माला से किया। विजय कपूर का स्वागत राजीव जैन ने अजय कपूर का

स्वागत प्रशान्त अग्रवाल ने संजय कपूर का स्वागत सीए सुधीन्द जैन ने किया। डॉ. प्रीतम मेहरोत्रा (सचिव, गॅजेस क्लब) का सम्मान महेन्द्र जैन कटारिया, डायरेक्टर का सम्मान सन्तोष जैन (जन विहार), सी.ए. अरविंद जैन, नवीन जैन सिग्मा, सुरेन्द्र भसीन का स्वागत ऽ डाक्टर हेमंत मोहन के द्वारा दुपट्टा शाल, तिलक माला से किया गया।

तो क्या सलोन पुलिस की इशारों पर कस्बे से होकर गुजरता है प्रतिबंधित मछलियों से लदा ट्रक.....

संवाददाता

सलोन/रायबरेली। जिले का सलोन एक ऐसा थाना क्षेत्र बनता जा रहा है जहां प्रतिबंधित व अवैध कार्यों को बखूबी से अंजाम देना आम बात हो चुका है बताते चलें की शनिवार को सोशल मीडिया पर एक ऐसा वीडियो वायरल हुआ जिसमें सलोन पुलिस के ठीक सामने से देश में प्रतिबंधित मांगुर मछली से लदा डीसीएम गुजरा इतना ही नहीं डीसीएम के ऊपर लगाई गई तिरपाल से उछलकर कई मछलियां सड़क पर भी गिर गई जिससे ट्रक सवार नीचे उतर कर मछलियों को डीसीएम में फेंकते हुए नजर आए सबसे अचंभे की बात यह है की यदि सूत्रों की मानें तो इस नजारे का एक स्थानीय निवासी ने जब वीडियो बनाना चाहा तो कोई और नहीं बल्कि खाकी ही वीडियो बनाने से लोगों को रोकते हुए नजर आई किंतु तब तक में दो-तीन वीडियो बनाकर लोगों ने सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया वायरल वीडियो सलोन कस्बे के मानिक पुर तिराहे का बताया जा रहा है सवाल यह है की आखिर जब थाने व चौकी से कुछ ही मीटर दूरी पर दिनदहाड़े पुलिस के सामने प्रतिबंधित मछलियों की जांच करने के बजाए ट्रक को सकुशल कस्बे से बाहर निकाला जा रहा है तो रात के अंधेरे में सलोन थाना क्षेत्र में क्या-क्या होता होगा इसको तो सलोन पुलिस ही जानती होगी या फिर छिपकर अपने कारनामों को अंजाम देने वाले माहिर ही जानते होंगे आखिर पुलिस व काले कारनामों को अंजाम देने वालों के बीच का यह गठबंधन कब तक चलेगा यह तो आने वाला समय ही बताएगा। हलांकी यह कोई नई बात नहीं है इससे कुछ ही माह पूर्व भी मछलियों से लदे ट्रक को लेकर सलोन पुलिस की काफी फजीहत हो चुकी है किंतु उस मामले को भी छिपाने में सलोन पुलिस सफल हो गई थी।

धूमधाम से मनाया उप मुख्यमंत्री का जन्मदिन

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

प्रयागराज। भाजपा प्रीतमनगर मंडल में उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का जन्म दिवस सभी भाजपा कार्यकर्ता ने बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। इस विशेष अवसर पर फल वितरण किया गया। प्रदेश सह संयोजक राकेश जैन, जिला सह संयोजक सोशल मीडिया शिवाकांत शर्मा, प्रेम केसरवानी राजेश जायसवाल, आदित्य तिवारी, निरंकार त्रिपाठी आदि ने जन्मदिन की बधाई दी। वहीं 7 मई 1969 को सिराथू में जन्मे पले बढ़े और प्रयागराज जिनकी कर्मभूमि रही ऐसी उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का जन्मदिन कटघर स्थित समया माई मंदिर पर हवन पूजन ढोल ताशे पर नृत्य एवं प्रसाद वितरण कर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पंडित विष्णु पांडे के आचार्यत्व में वैदिक मंत्रोचार के द्वारा हवन पूजन संपन्न हुआ। संगठन काल से ही संघर्षों के साथी रहे वरिष्ठ भाजपा नेता पार्षद पवन श्रीवास्तव बतौर मुख्य यजमान के रूप में उपस्थित हो हवन पूजन करते हुए ईश्वर से उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को निरोग रखते हुए, राजनीतिक क्षेत्र मे शिखर पर पहुंचने की ईश्वर से कामना की। उन्होंने बताया कि उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य संघर्ष के पर्याय हैं उन्होंने जीवन पर्यंत समाज की सेवा की और सदा ही संगठन के प्रति निष्ठावान कार्यकर्ता की भाँति कार्य करना ही उनकी लोकप्रियता का सशक्त कारण है उन्होंने आगे बताया कि वह सरल स्वभाव के व्यक्ति हैं और कार्यकर्ताओं से प्रेम पूर्वक बात करते हुए उन्हें पूरा सम्मान और स्नेह भी देते हैं। उक्त अवसर पर पूर्व पार्षद नीरज गुप्ता, गौरीश आहूजा, राजीव टंडन, कृष्ण मुरारी, विनोद सोनकर, शुभेंदु श्रीवास्तव, निखिल केसरवानी, भरत केसरवानी, गोलू श्रीवास्तव, हिमांशु सोनकर, अंकित सोनकर, सुमित सोनकर, संदीप चौहान, कुशाग्र श्रीवास्तव सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। वहीं व्यापारी एकता समिति उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष विजय गुप्ता की अध्यक्षता में उतर प्रदेश शासन के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मोर्या का जन्म दिवस मुट्ठीगंज स्थित

पर धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर केक काटकर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी गई तत्पश्चात मिठाई का वितरण किया गया। उप मुख्यमंत्री को जन्म दिन की बधाई देने वालों में मुख्य रूप से सर्वश्री राम प्रसाद यादव, मनीष गुप्ता रवि गुप्ता, आरती पूर्णिमा, प्रीति, रानी, सोनी, अतुल, जय श्री, विजय, राहुल, राज, सुनील, मनोज, विपिन, अजय, अनिकेत, जायसवाल, सुनील वैश्य, सुनील त्रिपाठी आदि व्यापारी गण शामिल रहे।

निकाय चुनाव को लेकर हापुड पहुंचकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने दिया जीत का मंत्र

संवाददाता

हापुड़। जनपद हापुड़ में पहुंचे भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ निकाय चुनाव को लेकर बैठक कर दिया जीत का मंत्र दिया। आपको बता दें कि शनिवार को गढ़ रोड पर स्थित मनोहर रेजिडेंस में पहुंच कर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि चुनाव तक प्रत्येक कार्यकर्ता सुबह और शाम पांच-पांच घर चिंहित कर उनमें जाकर भाजपा प्रत्याशियों के लिए वोट मांगे। इस तरह पांच दिन में एक कार्यकर्ता पचास घरों में संपर्क कर सकता है। भाजपा ने हमेशा से ही अपने एजेंडा में विकास को प्राथमकिता पर रखा है और हापुड़ नगर पालिका में दस वर्ष से भाजपा ने कार्य किया है और 15 वर्षा से सांसद सेवा कर रहे हैं, छह वर्ष से विधायक जनता की सेवा कर रहे हैं, लेकिन अभी भी ऐसे बहुत से काम हैं। जिसको मात्र भाजपा ही पूरा कर सकती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि अधिक से अधिक मतदाताओं से संपर्क कर अधिक से अधिक मतदान कराएं, ताकि वोट प्रतिशत बढ़े व कार्यकर्ता मतदाता से यह भी अपील करें कि वोट वाले दिन कहीं बाहर न जाए अगर जाने पड़े तो अपना वोड डालकर जाएं।

भारतीय जनता पार्टी ने सभी निकायों में मेयर, चेयरमैन अपने प्रत्याशी घोषित किए हैं। 14 हजार वार्डों में से लगभग 90 प्रतिशत वार्ड भी प्रत्याशित किए हैं। हम लोगों ने अपने एजेंडे के साथ जो नगरीय निकायों के विकास के लिए,सुरक्षा के लिए, शहरों को सजाने व सवारने के लिए भारतीय जनता पार्टी का एजेंडा है। उस एजेंडो के लेकर मुख्यमंत्री, दोनों डिप्टी सीएम, सरकार के वरिष्ठ सभी मंत्री, संगठन के पदाधिकारी, सांसद, विधायक, पार्टी के सभी वरिष्ठ लोग जनता के बीच में हैं और हमारा जो एजेंडा है विकास, सुरक्षा का, उस एजेंडे के साथ प्रदेश की महान जनता से हम अपील कर रहे हैं कि बार पुनरू शहरों के विकास की गति ठीक से चलती रहे इसके लिए ट्रिपल इंजन की सरकार बनाए। केंद्र में भी भाजपा की सरकार है, राज्य में भी भाजपा की सरकार है निकायों में भी भाजपा की सरकार हो इसके लिए हम सभी निवेदन कर रहे हैं।सांसद राजेंद्र अग्रवाल ने कहा कि अब चुनाव केवल पांच दिन का रह गया है और यह पांच दिन इस चुनाव के निर्णायक दिन होंगे। इन दिनों में हम जितने मेहनत कर लेंगे, उतने ही अच्छी प्रकार से हम पूरे जिले की नगर पालिकाओं और नगर पंचायत को जीत पाएंगे। प्रत्येक कार्यकर्ताओं को इन पांच दिनों में अपना शत प्रतिशत देना होगा और इस चुनाव रूपी हवन कुंड में मतदान की आहूति इस प्रकार हो की चारों ओर भाजपा का परचम लहराए। इस अवसर पर क्षेत्रीय महामंत्री विकास अग्रवाल, प्रदेश प्रवक्ता अवनीश त्यागी, जिलाध्यक्ष उमेश राणा, विधायक विजयपाल आढ़ती, विधायक हरेंद्र तेवतिया, जिला प्रभारी मयंक गोयल, क्षेत्रीय मंत्री कविता माधरे, जिला महामंत्री पुनीत गोयल, श्यामेंद्र त्यागी, मोहन सिंह, ब्लाक प्रमुख ममता तेवतिया, हरिराज चौधरी, पूर्व पालिकाध्यक्ष मालती भारती, पूर्व पालिकाध्यक्ष प्रफुल्ल सारस्वत, मनोज वाल्मीकि, कपिल एसएस, प्रमोद जिंदाल, विनोद गुप्ता, अशोक बबली, पूर्व सभासद योगेंद्र पंडित, अमित शर्मा, विक्रांत शर्मा, ललित मोदी, विश्वप्रकाश शर्मा, राहुल चौधरी, योगेंद्र चौधरी, पंकज गर्ग,सुयश वशिष्ठ आदि मौजूद थे।

हाथी चला विजय की ओर व्यापारियों के साथ सर्व समाज के लोगों का मिल रहा है आशीर्वाद : श्रीपाल ठेकेदार, हापुड़

संवाददाता, हापुड़। हापुड़ नगर पालिका परिषद से बसपा चेयरमैन पद प्रत्याशी पुष्पा देवी के पति ने बसपा समर्थकों के साथ स्वर्ग आश्रम रोड पर स्थित फूटी लाईन,केशव नगर मे डोर टू डोर जनसंपर्क कर अपनी पत्नी के लिए वोट मांगे तो वही पक्का बाग मंडी में व्यापारियों के बीच समस्त व्यापारियों ने भरपूर समर्थन के साथ स्नेह व सम्मान दिया और आने वाली 11 मई को बसपा प्रत्याशी के पक्ष में हाथी के चुनाव चिन्ह पर मोहर लगाकर मतदान कर हापुड़ नगर पालिका परिषद का प्रतिनिधि चुनने के लिए कहा तो वही श्रीपाल ठेकेदार ने जानकारी देते हुए बताया कि मैं सड़कों पर उतरकर जनता के बीच डोर टू डोर जनसंपर्क अभियान कर लोगों से मिल रहा हूं जिससे लोगों की समस्याओं को जान सकूं क्योंकि वर्तमान सरकार गड्ढा मुक्त सड़कों का आश्वासन तो देती है लेकिन जमीनी स्तर पर सड़के गड्ढे मुक्ति नहीं हुई है रही बात साफ-सफाई की तो नालो की ना सफाई होने के कारण नाली व नालों का पानी सड़कों पर भरा हुआ है जगह-जगह शहर में गंदगी देखने को मिल रही है और शहर में सडको को जाम मुक्त कर प्रत्येक चौराहे पर रेड लाइट लगाना भी हमारी उद्देश्य होगा। क्योंकि जनता का प्यार व आशीर्वाद हमारे साथ है और विजय की ओर ही निरंतर अग्रेसित है और शहर का चहुमुखी विकास करना हमारी पहली प्राथमिकता है।

आबकारी व पुलिस नें 38 लीटर ताड़ी सहित 3 को किया गिरफ्तार

संवाददाता, सोहरामऊ, उन्नाव। नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन-2023 के दृष्टिगत आबकारी आयुक्त के आदेशानुसार अवैध शराब के विरुद्ध चलाये जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के क्रम में जिलाधिकारी अपूर्वा दुबे व पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ शंकर मीणा के निर्देशानुसार व जिला आबकारी अधिकारी करुणेन्द्र सिंह के पर्यवेक्षण में कुमार गौरव सिंह आबकारी निरीक्षक क्षेत्र 2 हसनगंज मय हमराह व पुलिस टीम सोहरामऊ ने ग्राम सेमरा, जैतीपुर थाना सोहरामऊ में मुखबिर ख़ास की सूचना के आधार पर संयुक्त दबिश देते हुए 3 अभियुक्त गिरफ्तार किए व 38 लीटर ताड़ी बरामद की गई।

देवेंद्र नाथ मिश्र बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश का को-आप्टेड सदस्य मनोनीत

❑ बार काउंसिल आफ उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष देवेन्द्र मिश्र नगरहा,पूर्व कार्यवाहक अध्यक्ष अखिलेश कुमार अवस्थी ने दी जिम्मेदारी

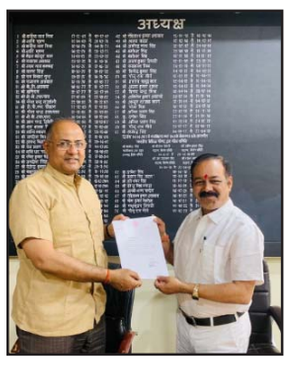

संवाददाता, प्रयागराज। भाजपा काशी क्षेत्र विधि प्रकोष्ठ के निवर्तमान संयोजक प.देवेन्द्र नाथ मिश्र को बार काउंसिल आफउत्तर प्रदेश का को-आप्टेड सदस्य मनोनीत किया गया है।शनिवार को बार काउंसिल आफ उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष देवेन्द्र मिश्र नगरहा पूर्व कार्यवाहक अध्यक्ष अखिलेश कुमार अवस्थी द्वारा उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है। मनोनयन पत्र देते हुए पूर्व अध्यक्ष अमरेन्द्र नाथ सिंह बाबा ने विश्वास जताया कि मिश्र अपने इस नई जिम्मेदारी और कर्तव्यों का निष्ठा पूर्वक पालन करेंगे। मिश्र के मनोनयन पर श्रीनाथ त्रिपाठी,रोहिताश्व अग्रवाल,प्रशांत सिंह अटल,जानकी शरण पाण्डेय,हरिशंकर सिंह,पांचूराम मौर्य,सतीश अग्रवाल,राधाकांत ओझा,राकेश पाण्डे बबुआ,अनिल तिवारी,प्रभा शंकर मिश्र,शशि प्रकाश सिंह,ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव, एसकेपाल,नरेन्द्र देव पाण्डेय,रणजीत सिंह,राजेंद्र मिश्र,सुनील जैन,अरविन्द सिंह,एसपी राय,शीतल जी,अनिल सिंह,बालकृष्ण पाण्डेय,विक्रमजीत भदौरिया,देवेश शुक्ल,शीतला प्रसाद मिश्र,उमाशंकर तिवारी,राधारमण मिश्र,राकेश तिवारी,कृष्ण बिहारी तिवारी,देवेश सिंह कुंज बिहारी मिश्र,आशुतोष पाण्डेय,जयवर्धन त्रिपाठी,पुरुषोत्तम मौर्य,ब्रम्हानंद जी,अमरेन्द्र नाथ मिश्र,नितिन दुबे,शांतनु पाण्डेय,सत्यजीत सिंह,सूबेदार मिश्र,शक्ति सिंह,योगेश मिश्र,मनीषदेव पाण्डेय,नवीन शुक्ल,रतन टंडन,मनोज शर्मा,रमेश त्रिपाठी,चन्द्रमा यादव,श्याम हेला,टीपी मिश्र,आलोक जी,नवाब खान,मुन्ना सिंह,श्रीमती प्रवीण शुक्ला, मृदुला पाण्डेय,सोनिया आडवाणी,ऊष्मा मिश्रा, आँचल ओझा,मंजू पाण्डेय,प्रण विजय सिंह,ओपी द्विवेदी,रामलखन देववंशी,मनोज पाण्डेय.नमित शर्मा, नितिन्जय पाण्डेय, आनंद द्विवेदी,चंद्रशेखर वैश्य आदि ने प्रशन्नता व्यक्त करते हुए बधाई दी।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के आरोपी प्रोफेसरों के घर पर लगातार दबिश दे रही पुलिस तीनों आरोपी प्रोफेसर घर छोड़कर फरार

संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में इकोनॉमिक्स विभाग की एक महिला यौन शोषण एससी एसटी का मुकदमा दर्ज कराई थी जिसके चलते न्यायालय से तीनों आरोपी प्रोफेसरों को गैर जमानती वारंट जारी किया गया जिसके तहत पुलिस लगातार तीनों आरोपी प्रोफेसरों के घर दबिश दे रही है लेकिन रिटायर्ड प्रोफेसर मनमोहन कृष्णा रिटायर्ड प्रोफेसर प्रहलाद कुमार वर्तमान कार्यरत प्रोफेसर जावेद अख्तर घर छोड़कर फरार हैं।मौके पर पुलिस वालों ने अगल-बगल के लोगों से भी पूछताछ की तो पता चला कि कई दिनों से इन सब के घर पर ताला लगा है। छात्र नेता अजय सम्राट ने कहा 136 वर्षों में पहली महिला कुलपति बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ संगीता श्रीवास्तव को लेकिन उन तीनों उन तीनों आरोपियों को बचाने में लगी है इलाहाबाद विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर संगीता श्रीवास्तव को 48 घंटे का अल्टीमेटम यदि सोमवार तक रिटायर्ड प्रोफेसर मनमोहन कृष्णा,वर्तमान कार्यरत प्रोफेसर जावेद अख्तर के खिलाफ विश्वविद्यालय प्रशासन कार्रवाई नहीं करता तो मंगलवार को एक व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

शाइस्ता निकली शतरंजबाज, पुलिस को दे रही चकमा

संवाददाता, प्रयागराज।लेडी डान शाइस्ता परवीन पुलिस को लगातार चकमा दे रही है।प्रयागराज ही नहीं बल्कि यूपी पुलिस तक के लिए चौलेंज बन चुकी अतीक अहमद की मोस्ट वांटेड पत्नी शाइस्ता परवीन।इसके रोज नए नए खुलासे हो रहे है। अब नया खुलासा हुआ है कि अपने शौहर अतीक अहमद और देवर मोहम्मद अशरफके जनाजे में शामिल होने के लिए शाइस्ता 16 अप्रैल की भोर में ही चकिया,खुल्दाबाद पहुंच गई थी।

अतीक के करीबी जफ्फल्ला के घर पर शूटर साबिर के साथ रुकी थी- शाइस्ता अतीक अहमद के करीबी मोहम्मद जफ्फल्ला के घर पर रुकी भी थी। उसके साथ उमेश पाल हत्याकांड में शामिल पांच लाख का इनामिया शूटर मोहम्मद साबिर भी था। शाइस्ता किसी भी सूरत में अपने शौहर और देवर के जनाजे में शामिल होना चाहती थी लेकिन पुलिस की टाइट सिक्योरिटी देखने के बाद अचानक से प्लान बदलना पड़ा। जिसकी वजह से अतीक और अशरफके जनाजे में शामिल हुए बगैर वह शूटर मोहम्मद साबिर के साथ भाग गई थी। क्योंकि उसे ये खबर मिल गई थी कि पुलिस को उसके खुल्दाबाद आने का इनपुट मिल चुका है।

एसटीएफएनकाउंटर में ढेर बेटे असद के जिगरी दोस्त अतीन ने उगले राज - सूत्रो के अनुसार मफ्फिया अतीक के करीबी जफ्फल्ला के बड़े बेटे आतिन जफ्फ को पुलिस ने 3 दिन पहले उठाया था। उसने ये सारा राज पुलिस के सामने उगल दिया। आतिन अतीक अहमद के बेटे असद का जिगरी दोस्त रहा है। आतिन ने असद का मोबाइल भी पुलिस को बरामद कराया है। पुलिस ने मामले में आतिन के खिलाफएफआईआर भी दर्ज की है।पुलिस पूछताछ में आतिन ने कई अहम जानकारियाँ दी है।

पंजाबी बहुल इलाकों में पूर्व मेयर एवं आयोग सदस्य भाजपा के बनेंगे खेवनहार

संवाददाता

कानपुर। भाजपा ने निकाय चुनाव मे अपने महारथियों को चुनावी रण मे उतार दिया है। जंहा जिस बिरादरी की संख्या अधिक है वंहा भाजपा ने उसी बिरादरी के नेता को पार्टी की नैय्या पार लगाने को लगा दिया है।पिछली दफ्फ हारी सीटो पर कमल खिलाने के लिए इस बार पूरी रणनीति के साथ पार्टी तैयार है। गोबिन्द नगर सहित पंजाबी-सिंधी व सिख बहुल इलाकों मे भाजपा ने पूर्व मेयर रविन्द्र पाटनी व अल्पसंख्यक आयोग उत्तर प्रदेश के सदस्य सरदार परविंदर सिंह को मोर्चे पर लगा दिया है।दोनों ही पंजाबी बहल इलाकों की सीटों को भाजपा की झोली में डालने के लिए दिन-रात माथा-पच्ची कर रहे हैं। शनिवार को उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य सरदार परविंदर सिंह ने गोबिन्द नगर दक्षिण से भाजपा प्रत्याशी रेनू सब्बरवाल के समर्थन में भाजपाईयो के साथ ब्लाक संख्या 1से लेकर 7 तक घर घर संपर्क कर भाजपा के पक्ष मे मतदान की अपील की।सरदार परविन्दर सिंह ने कहा कि भाजपा के पक्ष मे गया एक एक वोट देश को मजबूती प्रदान करेगा।उन्होंने कहा कि देश को परम वैभवशाली राष्ट्र बनाने के लिए हर वार्ड में कमल खिलाना जरूरी है।जितनी भाजपा मजबूत होगी उतना देश मजबूत होगा। भाजपा के पूर्व मेयर रविन्द्र पाटनी भी लगातार गोबिन्द नगर दक्षिण में बैठके कर भाजपाईयो को जीत का गणित समझा रहे है।बूथ कमेटियों का मैनेजमेंट भाजपा ने बहुत पहले ही कर लिया था।भाजपा के पास अब बूथ के अलावा पन्ना टोली भी है जो लगातार मतदाताओ के संपर्क में है। पंजाबी, सिंधी एवं सिख बहुल क्षेत्रों वाले वार्डों मे स्वच्छ छवि वाले पूर्व मेयर रविन्द्र पाटनी एवं अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य सरदार परविन्दर सिंह अब भाजपा के खेवनहार होंगे। बेदाग एवं स्वच्छ छवि के इन नेताओं का पंजाबी बिरादरी मे खासा प्रभाव है। इनका मोर्चे पर डटना विरोधी दलो के लिए नुकसानदेह साबित होना लाजिमी है। जनसंपर्क में प्रमुख रूप से विकास दुबे, सुनील नारंग, प्रकाश वीर आर्य, हरिशंकर सिंह, अनिल त्रिपाठी ,राजेश श्रीवास्तव, गौरव तिवारी, विपुल त्रिवेदी,शम्मी भल्ला, अनुराग अग्निहोत्री,चंद्रकांत शर्मा ,सरदार राजिंदरपाल सिंह जिंदी, आकाश ठाकुर, समरदीप पांडेय, सरदार हरप्रीत सिंह आदि रहे।

विजय राना आई केयर सेंटर का शुभारंभ हुआ

संवाददाता, कानपुर। कानपुर पनकी पड़ाव स्थित ब्लॉक सी कालपी नगर में विजय राना आई केयर सेंटर का भव्य शुभारंभ हुआ कार्यक्रम के मौके पर एमडी अजय शंकर ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि हमारे नवनिर्मित आई केयर सेंटर का शुभारंभ भाजपा कैबिनेट मंत्री राकेश सचान के कर कमलों द्वारा फीता काटकर किया गया है इस दौरान मुख्य अतिथि का हम लोगों ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया उन्होंने आभार व्यक्त करते हुए सभी को शुभकामनाएं भेंट की हमारे यहां सभी प्रकार की आंखों के संबंधित जांच कंप्यूटर द्वारा की जाती है आंखों की गंभीर समस्या जैसे धुंधला दिखना कम दिखना आंखों से पानी आना असमय दर्द रहना लाल होना मोतियाबिंद जैसे गंभीर समस्या का हमारे वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक के द्वारा सफ्ल इलाज किया जाता है आंखों में बिना किसी चीरे के लेंस डालना और कुछ ही समय में मरीज को छुट्टी दे दी जाती है सभी तरह के धूप के चश्मे नजर के चश्मे उच्च क्वालिटी एवं उचित दाम पर उपलब्ध है आंखों के गंभीर समस्याओं के लिए आयुष्मान कार्ड धारक आधार कार्ड प्रतिष्ठित सरकारी प्रतिष्ठान से संबंधित लोगों का इलाज किया जाता है निर्धन असहाय बुजुर्ग लोगों के लिए कम से कम खर्च में आंखों से संबंधित गंभीर बीमारी का सफ्ल इलाज किया जाता है क्षेत्रीय लोगों से कहना चाहूंगा कि वहां अपनी विशेष ध्यान रखें और किसी भी प्रकार की आंखों की समस्या के लिए हमारे वरिष्ठ नेत्र चिकित्सा से परामर्श अवश्य करें दौरान मुख्य रूप से विजय शंकर सचान डॉ शिव प्रताप सिंह डॉ आशुतोष सचान पिंटू कश्यप कुलदीप सहित क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

प्रधान की लापरवाही से ग्राम वैट का रास्ता बना नाला

संवाददाता, हापुड़। जनपद हापुड़ के गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र के ग्राम वैट मे ग्राम प्रधान की लापरवाही सामने देखने को मिल रही है जहां ग्राम प्रधान प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सपने स्वच्छ भारत मिशन को पलीता लगाते हुए नजर आ रहे हैं ग्राम वेट को जाने वाले रास्ते को देखकर अंदाजा लगा जा सकते हैं यह नाला है या रास्ता वही ग्राम निवासी आफ्ताब ने जानकारी देते हुए बताया कि सफाई ना होने की वजह से इस रास्ते की हालत कितनी खस्ता हालत में खराब हो गई है कि इस रास्ते से लोगों ने आना जाना ही छोड़ दिया है साफसफाई ना होने से वेट का रास्ता गंदगी के कारण नाला बनता जा रहा है वही मीडिया द्वारा जब ग्राम प्रधान से फोन पर जानकारी करनी चाहि तो प्रधान ने कहा कि ये रास्ता ही नहीं है जबकि वीडियो में साफ-साफ रास्ता नाला बनता हुआ दिख रहा है तथा अन्य ग्रामीणों ने जानकारी दी है कि अगर यहां साफ-सफाई कर दी जाए तो रास्ते में लगी इंटरलॉकिंग टाइल नजर आ जाएंगी।

मेधा रूपम जनपद हापुड़ निर्वाचन संबंधी शिकायत व सुझाव के लिए प्रेक्षक नियुक्त

संवाददाता, हापुड़। जनपद हापुड़ में अवस्थित नगर पालिका परिषद हापुड़, पिलखुवा एवं गढ़मुक्तेश्वर तथा नगर पंचायत बाबूगढ़ के अध्यक्ष/सदस्य पदों पर निर्वाचन लड़ने वाले प्रत्याशियों को सूचित किया जाता है कि नगरी निकाय सामान्य निर्वाचन 2023 के मतदान ध्मतगणना को संपन्न कराने के लिए राज्य निर्वाचन आयोग उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा मेधा रूपम अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी नोएडा जिला गौतमबुद्ध नगर को जनपद हापुड़ के लिए प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। जनपद में निर्वाचन संबंधी किसी भी प्रकार की शिकायत एवं सुझाव हेतु प्रेक्षक से मेरठ रोड स्थित सिंचाई विभाग के गेस्ट हाउस के कक्ष संख्या जी 1 में प्रात: 11.00 बजे से मध्यान्ह 12.00 बजे तक मिल सकते हैं तथा कोई भी जानकारी दूरभाष संख्या 0122 -2314000 एवं मोबाइल संख्या 8126188079 पर भी अवगत करा सकते हैं । यह जानकारी उप जिला निर्वाचन अधिकारी (नगर निकाय)/अपर जिला मजिस्ट्रेट हापुड संदीप कुमार द्वारा दी गई है। जिला सूचना अधिकारी हापुड।

वोट करें वफादारी से, चयन करें समझदारी से

संवाददाता, कानपुर प्रदेश के युवा समाजसेवी दिपांशु पाण्डेय ने कानपुर की जनता से अपील है कि नगर निकाय चुनाव में प्रात्याशी का चयन समझदारी से करें, न कि किसी के कहने, वा बहकावे में एवं यह चुनाव हमारे आपके दैनिक समस्याओं के निवारण हेतु होता है इसलिए इस चुनाव में जाति धर्म, पार्टि से ऊपर उठकर व्यक्ति विशेष करें को वोट करें । महापौर और पार्षद प्रात्याशी ईमानदार, अच्छी छवि, पढा लिखा हो और जिससे आप अपनी बात कर सकें और वो आपकी बात को सुने, जनता से जुड़कर कार्य करे, जो शहर को पाँच सालों में स्मार्ट सिटी बनाने के लिए कार्य करें। आप सभी ऐसे महापौर, पार्षद को चुने जो जनता और शहर के लिए सोचे न की अपने बारे में

अनुसूचित दशमोत्तर छात्रवृत्ती व शुल्क प्रतिपूर्ति योजनान्तर्गत

संवाददाता, उन्नाव। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया है कि अनुसूचित जाति दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजनान्तर्गत जनपद के शिक्षण संस्थाओं द्वारा अग्रसारित डाटा को विभिन्न बिन्दुओं पर स्कूटनी करते हुये सन्देहास्पद डाटा को छात्रों के लॉगिन पर सही करने हेतु प्रदर्शित किया जा चुका है, जिसे छात्रों द्वारा 3 मई 2023 से 10 मई 2023 तक सही करते हुये शिक्षण संस्थान द्वारा 13 मई 2023 तक अग्रसारित किया जाना है। उन्होंने बताया है कि समयावधि पर विशेष ध्यान देते हुये समस्त शिक्षण संस्थान विद्यालय में अध्ययनरत् छात्रछात्राओं को अवगत करा दें कि यदि उनके आवेदन पत्र में कोई त्रुटि है तो उसे सही करा कर शिक्षण संस्थान में जमा कर दें।

अवैध तमंचा सहित एक अभियुक्त गिरफ्तार

संवाददाता,अचलगंज, उन्नाव। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ शंकर मीणा के कुशल निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी बीघापुर के कुशल पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना अचलगंज पुलिस द्वारा एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। शनिवार को थानाध्यक्ष प्रशान्त द्विवेदी व उ0नि0 नीरज सिंह मय हमराह फोर्स द्वारा वारिस कुमार यादव पुत्र पल्टू यादव नि0 महराजपुर बाबा टोला थाना तिलझाडी जिला साहिबगंज झारखण्ड, प्रदेश, उम्र 19 वर्ष को रावल तिराहा पर मय 1 अदद देशी तमंचा 12 बोर व 2 अदद कारतूस 12 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया । जिसके सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर धारा 3ध्25 आर्म्स एक्ट बनाम वारिस उपरोक्त पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही कर अभि0 उपरोक्त को न्यायालय भेजा जा रहा है।

मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना में बैंको से वित्तपोषण रोजगार उपलब्ध कराना

संवाददाता, उन्नाव। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी अखिलेश कुमार अग्निहोत्री ने बताया है कि उ0प्र0 खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, द्वारा संचालित मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्र के व्यक्तिगत उद्यमियों अधिकतम रूपया 10.00 लाख तक की वित्तीय सहायता बैंको के माध्यम से उपलब्ध करायी जाती है। इसके अन्तर्गत सामान्य वर्ग के लाभार्थी को बैंक द्वारा पूंजीगत ऋण पर लिये जा रहे ब्याज में से 04 प्रतिशत ब्याज उद्यमीं द्वारा वहन किया जायेगा, शेष पूंजीगत ऋण का ब्याज विभाग द्वारा बैंक को दिया जायेगा। आरक्षित वर्ग, (अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, विकलांग, भूतपूर्व सैनिक, एवं महिलाओं) को पूंजीगत (सावधि) ऋण पर ब्याज मुक्त ऋण की सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी। लाभार्थी की उम्र 18 से 50 वर्ष के मध्य होनी चाहिये। आई0टी0आई0ध्तकनीकी योग्यताध् परमपरागत कारीगरोध् सेवायोजन मे पंजीकृत उद्यमियों को वरीयता प्रदान की जायेगी, साथ ही भारत सरकार द्वारा संचालित यथा-मुद्रा योजना, स्टेण्ड-अप योजना के लाभार्थी अपना आवेदन कर सकते है। इस योजनान्तर्गत शहरी क्षेत्र में निवास करने वाले उद्यमीं जो ग्रामीण अंचलों में उद्योग लगाना चाहते है, वह भी आवदेन कर सकते है। उद्यमियों का चयन निर्धारित स्कोर कार्ड के अनुसार स्क्रूटनी करते हुए स्कोर कार्ड में पूर्णांक 100 मे से 50 या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले आवेदक का आवेदन पत्र बैंकों को अग्रसारित किया जायेगा।

अटल आवासीय विद्यालय में कोविड के दौरान अनाथ हुए बच्चे 25 तक जमा करें फार्म

संवाददाता, प्रयागराज। मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार ने बताया है कि प्रयागराज के ग्राम बेलहट, कोरांव में मुख्यमंत्री के महत्वाकांक्षी अटल आवासीय विद्यालय में प्रयागराज मण्डल के जनपद प्रयागराज, कौशाम्बी, फ्तेहपुर एवं प्रतापगढ़ में उ.प्र.भवन एवं अन्य सन्निर्माण कल्याण बोर्ड के अन्तर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों तथा कोविड के दौरान अनाथ हुए बच्चे प्रवेश के पात्र होंगे। उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान शैक्षिक सत्र 2023-24 के लिए कक्षा 6 में कुल 80 बच्चों को प्रवेश दिया जाएगा जिसमें 40 छात्र तथा 40 छात्राएं होंगी। विद्यालय में प्रवेश हेतु बच्चों के लिए निर्धारित पात्रता के अन्तर्गत वे बच्चे, जो न्यूनतम कक्षा-5वीं उत्तीर्ण हों तथा जिनकी जन्म तिथि 1 मई 2010 से 30 अप्रैल 2013 के बीच हो विद्यालय में प्रवेश हेतु पात्र होंगे। यह तिथियां अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग सभी श्रेणियों के उम्मीदवारों पर लागू होगा। विद्यालय में बी.ओ.सी. बोर्ड में पंजीकृत ऐसे निर्माण श्रमिक (जिनका पंजीयन 1 अप्रैल 2020 के पूर्व हुआ हो) तथा जिनका पंजीयन हुए 3 वर्ष या उससे अधिक की सदस्यता अवधि पूर्ण कर चुका हो उनके प्रति परिवारों के अधिकतम 02 बच्चे पात्र होंगे। इसके साथ ही वह बच्चे, जो कोविड काल में अनाथ हुए हैं तथा जिनका पंजीयन महिला एवं बाल विकास विभाग में हो। विद्यालय में प्रवेश के लिये 24 मई 2023 तक पूर्वान्ह 10 बजे से सायं 5 बजे तक प्रयागराज मण्डल के समस्त जनपदों के श्रम कार्यालय, खण्ड शिक्षा अधिकारी एवं खण्ड विकास अधिकारी कार्यालयों से नि:शुल्क प्राप्त किए जा सकते है ।

ताइवानी विदेश मंत्री ने कहा, चीन से भिड़ने को तैयार लेकिन स्पष्ट नहीं युद्ध में कौन करेगा मदद

एजेंसी, कैनबरा। स्वशासित द्वीप ताइवान के विदेश मंत्री जोसफवू ने कहा कि उनका देश चीन के साथ किसी भी सशस्त्र संघर्ष में अपने लिए लड़ने का इरादा रखता है और यह स्पष्ट नहीं है कि कौन से देश उसके साथ खड़े हो सकते हैं। चीन ताइवान पर अपने क्षेत्र के रूप में दावा करता है और कहता रहा है कि यदि आवश्यक हुआ तो वह बलपूर्वक उसे अपने नियंत्रण में लेगा। ऐसे में संभावित सशस्त्र संघर्ष को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। स्काई न्यूज ऑस्ट्रेलिया के साथ पिछले शुक्रवार को एक साक्षात्कार में, जोसेफवू ने कहा कि चीन की 1.4 अरब की तुलना में 2.3 करोड़ की आबादी वाले ताइवान को अपना बचाव करना है और वह अन्य देशों को उसके वास्ते लड़ने के लिए नहीं कह रहा है। यह पूछे जाने पर कि चीन के साथ युद्ध की स्थिति में ताइवान के साथ कौन लड़ सकता है, वू ने उत्तर दिया, यह एक बहुत अच्छा प्रश्न है। वू ने ताइपे से समाचार चौनल को बताया, बहुत सारे लोग रणनीतिक अस्पष्टता या रणनीतिक स्पष्टता पर बहस कर रहे हैं, लेकिन हमारी दृष्टि में, हम अपनी जिम्मेदारी जानते हैं। उन्होंने कहा, ताइवान को अपना बचाव करना

है, लोगों को ताइवान, इस देश का बचाव करना है, और हम खुद का बचाव करने के लिए दृढ़ हैं और हम अन्य देशों को ताइवान के वास्ते लड़ने के लिए नहीं कह रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने बार-बार कहा है कि अमेरिकी सेना ताइवान की सुरक्षा में मदद करेगी, हालांकि अमेरिकी आधिकारिक नीति इस बात पर अस्पष्ट है कि क्या और कैसे सेना भेजी जाएगी। ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस ने मार्च में कहा था कि उनके देश ने अमेरिकी परमाणु-संचालित पनडुब्बियों को प्राप्त करने के समझौते के हिस्से के रूप में भविष्य में ताइवान पर किसी भी संघर्ष में अमेरिकाका समर्थन करने का कोई वादा नहीं किया था। बाइडन, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के नेताओं ने घोषणा की है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के प्रभाव के बारे में बढ़ती चिंता के बीच ऑस्ट्रेलिया अपने बेड़े को आधुनिक बनाने के लिए अमेरिका से परमाणु-संचालित हमलावर पनडुब्बियों की खरीद करेगा। यह पूछे जाने पर कि क्या युद्ध ताइवान की नियति में है, वू ने उत्तर दिया, मैं निश्चित रूप से इसकी आशा नहीं करता। वू ने कहा, कारण बहुत स्पष्ट हैरू युद्ध का मतलब तबाही है, न केवल उस पर हमला करने वाले के लिए बल्कि संभवत: अन्य देशों के लिए भी।

राजकीय यात्रा पर भारत जाना पसंद करेंगे : बिलिमोरिया

एजेंसी, लंदन। भारतीय मूल के मशहूर कारोबारी लॉर्ड करन बिलिमोरिया ने कहा कि ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय राजकीय यात्रा पर भारत जाने की इच्छा रखते हैं और इसकी योजना शीघ्र बनाई जानी चाहिए। ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय और महारानी कैमिला के राज्याभिषेक समारोह से पहले बिलिमोरिया ने संसद परिसर में वेस्टमिन्टर हॉल में सांसदों के एक समूह से बातचीत के दौरान कहा कि उन्हें भारत-ब्रिटेन संबंधों का मुद्दा उठाने का अवसर मिला और उन्होंने महाराजा से भारत की यात्रा पर जाने के संबंध में विचार करने का अनुरोध किया।

ब्रिटेन में कारोबारी तथा 'कोबरा बीयर' के संस्थापक बिलिमोरिया का विचार है कि महाराजा चार्ल्स तृतीय की राजकीय यात्रा से द्विपक्षीय संबंधों में तेजी आएगी तथा मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) पर चल रही बातचीत को और गति मिलेगी। लॉर्ड बिलिमोरिया ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, '' मैंने महाराजा चार्ल्स तृतीय से कहा कि हमारी भारत की राजकीय यात्रा होनी चाहिए क्योंकि इसका द्विपक्षीय संबंधों पर गहरा प्रभाव पड़ेगा तथा भारत-ब्रिटेन के बीच एफ्टीए बातचीत में भी तेजी आएगी।'' उन्होंने कहा, '' हम जानते हैं कि महाराजा भारत के मित्र हैं और भारत के प्रति गहरा लगाव रखते हैं। उन्होंने कहा कि वह राजकीय यात्रा पर भारत जाना पसंद करेंगे और हमें इसकी योजना शीघ्र बनानी चाहिए।'' इससे पहले महाराजा चार्ल्स तृतीय नवंबर 2019 को भारत गए थे। उस वक्त वह प्रिंस ऑफवेल्स थे और उन्होंने अपना 71वां जन्मदिन मुंबई में मनाया था। बिलिमोरिया भारत और ब्रिटेन के बीच मजबूत संबंधों के पक्षधर हैं और उन्होंने पिछले वर्ष ब्रिटेन भारत उद्योग कार्यबल बनाने में मदद की थी। उनका यह भी मानना है कि ब्रिटेन में भारतीय मूल के पहले प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की भारत यात्रा से भी दोनों देशों के बीच संबंधों को प्रगाढ़ करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, '' प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को बड़ा प्रतिनिधिमंडल लेकर जल्द भारत जाना चाहिए, यह काफी वक्त से लंबित है। ब्रिटेन से भारत के लिए अंतिम प्रतिनिधिमंडल 2016 में गया था, लंबा वक्त हो गया है...।

अडाणी समूह के खिलाफ जांच की अवधि बढ़ाने की अपील का याची ने किया विरोध

एजेंसी, नयी दिल्ली । अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों के भाव बढ़ाने में हेराफेरी के आरोपों की जांच पूरी करने के लिए बाजार नियामक सेबी की तरफ से छह महीने की मोहलत मांगे जाने के खिलाफ एक याची ने उच्चतम न्यायालय में गुहार लगाई है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कुछ दिन पहले ही उच्चतम न्यायालय से यह अनुरोध किया है कि उसे अडाणी समूह के शेयरों को लेकर जारी जांच पूरी करने के लिए छह महीने का वक्त दिया जाए। इस जांच में लेनदेन की गड़बड़ियों और नियमों के उल्लंघन के साथ वित्तीय विवरणों को गलत ढंग से पेश किए जाने के आरोप शामिल हैं। शीर्ष अदालत ने गत दो मार्च को सेबी से दो महीने में यह जांच पूरी करने को कहा था। इसके अलावा भारतीय

निवेशकों के हितों को सुरक्षित रखने के लिए एक समिति का भी गठन किया गया था। अमेरिकी निवेश शोध फर्म हिंडनबर्ग ने जनवरी में प्रकाशित एक रिपोर्ट में अडाणी समूह पर वित्तीय धांधली और शेयरों के भाव में हेराफेरी जैसे कई गंभीर आरोप लगाए थे। इन आरोपों की विधिवत जांच के लिए उच्चतम न्यायालय में जनहित याचिका दायर की गई थी। उस जनहित याचिका को दाखिल करने वाले वकील विशाल तिवारी ने मंगलवार को मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के साथ अर्जी लगाई जिसमें सेबी को छह महीने का वक्त दिए जाने का विरोध किया गया है। इसमें कहा गया है कि सेबी को यह मोहलत देने से जांच लंबी खिंच जाएगी और इससे अतिरिक्त देरी होगी। तिवारी ने अपनी अर्जी में कहा, ''वक्त दिए जाने पर जांच के दायरे में शामिल कंपनियों को महत्वपूर्ण आंकड़ों एवं तथ्यों के साथ छेड़छाड़ का मौका मिल सकता है और इससे साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ की भी स्थिति पैदा हो सकती है। उन्होंने कहा, ''सेबी न्यायालय का निर्देश मिलने के पहले से ही अडाणी समूह की कंपनियों की गतिविधियों की जांच कर रहा था। ऐसे में समय बढ़ाने की मांग स्वीकार्य नहीं है। उसके पास जांच के लिए जरूरी समय, आंकड़े और संबंधित दस्तावेज पहले से ही मौजूद हैं। इसके साथ ही याची ने सेबी पर जांच की अगुवाई करने वाले अधिकारी का ब्योरा नहीं देने का भी उल्लेख किया। उन्होंने सेबी पर इस जांच को अंतहीन बनाने का आरोप लगाते हुए कहा है कि ऐसा होने पर सिर्फ गलत काम करने वाली कंपनियों एवं उनके प्रवर्तकों को ही लाभ मिलेगा।

जूम को भारत में टेलीफोन सेवा के लिए मिला लाइसेंस

एजेंसी, नयी दिल्ली । ऑनलाइन सम्मेलन के लिए मंच उपलब्ध कराने वाली कंपनी जूम वीडियो कम्युनिकेशंस (जेडवीसी) को पूरे देश के लिए दूरसंचार लाइसेंस मिला है। इससे कंपनी टेलीफोन सेवाओं के साथ-साथ कंपनियों को उपक्रम आधारित सेवाओं की पेशकश कर सकेगी। अमेरिकी कंपनी जूम अपनी वेबसाइट और ऐप के जरिए 'वॉयस और वीडियो कॉन्फ्रेंस की सेवाएं दे रही है। कंपनी ने बयान में कहा, ''जूम वीडियो कम्युनिकेशंस की इकाई जेडवीसी इंडिया को दूरसंचार विभाग से एकीकृत लाइसेंस मिला है। कंपनी को यह लाइसेंस पूरे देश में एनएलडी (नेशनल लॉन्ग डिस्टेंस) और आईएलडी (अंतरराष्ट्रीय लॉन्ग डिस्टेंस) पहुंच के साथ मिले हैं। इस लाइसेंस के साथ कंपनी भारत में काम कर रही बहुराष्ट्रीय कंपनियों तथा अन्य इकाइयों को अपनी क्लाउड

आधारित निजी शाखा एक्सचेंज (पीबीएक्स) सेवा-जूम फोन की पेशकश कर सकेगी। जेवीसी के महाप्रबंधक और प्रमुख (भारत तथा दक्षेस क्षेत्र) समीर राजे ने कहा, ''जूम फोन के साथ भारत की कंपनियां और बहुराष्ट्रीय इकाइयां अपने हिसाब से कार्य परिवेश तैयार करने के साथ कर्मचारियों के बीच अधिक सहयोग को बढ़ावा दे सकती हैं और ग्राहक अनुभव को बेहतर बना सकती हैं। पीबीएक्स उद्यमों के लिए एक स्थानीय टेलीफोन एक्सचेंज के रूप में काम करता है और कॉन्फ्रें स कॉल सेवाओं के प्रबंधन में उनकी मदद करता है।

भारत का सेवा निर्यात 322 अरब डॉलर तक पहुंचा, वाणिज्यिक निर्यात भी बढ़ा

एजेंसी, नयी दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक भारत का सेवा निर्यात वित्त वर्ष 23 में 26.6 प्रतिशत बढ़कर 322 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इसके साथ ही वाणिज्यिक निर्यात और सेवा निर्यात के बीच अंतर घट गया है। वाणिज्यिक निर्यात इस दौरान महज 6 प्रतिशत बढ़कर 447 अरब डॉलर पर पहुंचा है। वहीं दूसरी तरफसेवाओं का आयात 22.2 प्रतिशत बढ़कर 179.7 अरब डॉलर पहुंचा है। इसके कारण 142.5 अरब डॉलर का सेवा कारोबार अधिशेष है। इस वित्त वर्ष के दौरान वाणिज्यिक व्यापार का घाटा 267 अरब डॉलर रहा है। इसकी वजह से वित्त वर्ष 23 में देश का कुल मिलाकर व्यापार घाटा 124.5 अरब डॉलर रहा है। भारत के सेवा के निर्यात में सूचना तकनीक (आईटी) से लेकर डॉक्टरों और नर्सों द्वारा विदेश में दी जा रही सेवाएं शामिल

हैं। रिजर्व बैंक सेवाओं के निर्यात के मासिक आंकड़े जारी नहीं करता और इसका वर्गीकरण हर तिमाही में आता है, जिसमें परिवहन, यात्रा, निर्माण, बीमा और पेंशन, वित्तीय सेवाएं, दूरसंचार, कंप्यूटर और सूचना सेवाएं, व्यक्तिगत, सांस्कृतिक और रिक्रिएशनल सेवाएं व अन्य व्यापारिक सेवाएं शामिल होती हैं। भारत के सेवा निर्यात में सॉफ्टवेयर निर्यात अहम है, वहीं हाल में अन्य कारोबारी सेवाओं के तहत आने वाली सेवाओं का कारोबार तेजी से बढ़ा है और कुल सेवा निर्यात में इसकी हिस्सेदारी बढ़कर वित्त वर्ष 23 के पहले 9 महीने में 24 प्रतिशत हो गई है, जो इसके पहले 19 प्रतिशत थी।

भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल हरि कुमार ने सिंगापुर के रक्षा मंत्री से की मुलाकात

एजेंसी, सिंगापुर। भारतीय नौसेना के प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने बुधवार को सिंगापुर के रक्षा मंत्री डॉ एनजी इंग हेन से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच मजबूत और लंबे समय से चले आ रहे द्विपक्षीय रक्षा संबंधों की पुष्टि की। सिंगापुर के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा है कि उन्होंने क्षेत्रीय सुरक्षा विकास और विश्वास निर्माण के लिए बहुपक्षीय मंचों का लाभ उठाने के महत्व पर भी चर्चा की। बयान में कहा गया है कि एक मई से चार मई तक सिंगापुर का दौरा कर रहे एडमिरल हरि ने 13वीं अंतरराष्ट्रीय समुद्री रक्षा प्रदर्शनी और सम्मेलन, एशिया के इतर सिंगापुर के रक्षा मंत्री डॉ एनजी से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की। कुमार चार मई, 2023 को अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा सम्मेलन (प्डैब्) के आठवें संस्करण में भी भाग लेंगे। उनकी यह यात्रा सिंगापुर और भारत

के बीच मजबूत और लंबे समय से चले आ रहे द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को दर्शाती है। रक्षा मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि रिपब्लिक ऑफ सिंगापुर नेवी और भारतीय नौसेना द्विपक्षीय अभ्यासों, व्यापार संबंधी आदान-प्रदान, यात्राओं के माध्यम से नियमित रूप से बातचीत करती हैं। मंत्रालय ने कहा कि इस पारस्परिक रूप से लाभकारी बातचीत ने द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को गहरा किया है, आपसी समझ को बढ़ाया है और दोनों नौसेनाओं के बीच सहयोग को मजबूत किया है।

स्पाइसजेट की ठप खड़े 25 विमानों को फिर परिचालन में लाने की तैयारी

एजेंसी, मुंबई । स्पाइसजेट अपने 25 ठप खड़े विमानों को पुनरू परिचालन में लाने पर काम कर रही है। इन विमानों को दुरुस्त कर परिचालन में लाने के लिए किफायती सेवा देने वाली एयरलाइन ने अबतक 400 करोड़ रुपये जुटा लिए हैं।

गो फर्स्ट द्वारा नकदी संकट की वजह से तीन दिन तक उड़ानें निलंबित करने के फैसले के बाद स्पाइसजेट का यह बयान आया है। गो फर्स्ट ने इसके अलावा दिवाला समाधान कार्यवाही के लिए भी आवेदन किया है। स्पाइसजेट ने बुधवार को बयान में कहा कि 25 विमानों के पुनरुद्धार के लिए पैसा सरकार की आपात ऋण सुविधा गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) और अन्य माध्यमों से जुटाया जाएगा। एयरलाइन के बेड़े में लगभग 80 विमान हैं। एयरलाइन 25 ठप खड़े बोइंग 737 और क्यू400 विमानों को फिर परिचालन में लाना चाहती है। स्पाइसजेट के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक अजय सिंह ने कहा, ''हम अपने ठप खड़े विमानों को जल्द सेवा में लाएंगे।'' उन्होंने कहा कि ईसीएलजीएस से मिले ज्यादातर वित्तपोषण का इस्तेमाल इस

कार्य के लिए किया जाएगा। एयरलाइन पहले ही अपने ठप विमानों को परिचालन में लाने के लिए 400 करोड़ रुपये जुटा चुकी है। इससे एयरलाइन का राजस्व बढ़ सकेगा। स्पाइसजेट ईसीएलजीएस के तहत पहले ही 500 करोड़ रुपये ले चुकी है। इससे पहले मंगलवार को गो फर्स्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कौशिक खोना ने कहा था कि प्रैट एंड व्हिटनी (पीएंडडब्ल्यू) द्वारा इंजन की आपूर्ति नहीं करने के कारण एयरलाइन ने अपने 28 विमानों को खड़ा कर दिया है। यह उसके बेड़े में शामिल विमानों का आधे से अधिक है।

देश-विदेश

गो फर्स्ट की दिवाला समाधान याचिका पर एनसीएलटी में सुनवाई चार मई को

एजेंसी, नयी दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) नकदी संकट से जूझ रही एयरलाइन कंपनी गो फर्स्ट की स्वैच्छिक दिवाला समाधान याचिका पर बृहस्पतिवार को सुनवाई करेगी। गो फर्स्ट की दिवाला समाधान याचिका का न्यायाधिकरण की न्यायमूर्ति रामलिंगम सुधाकर की अध्यक्षता वाली दिल्ली पीठ के समक्ष उल्लेख किया गया। पीठ ने इस मामले पर तत्काल सुनवाई के लिए सहमति जताते हुए इसे बृहस्पतिवार के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया है। वाडिया समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन गो फर्स्ट ने स्वैच्छिक दिवाला कार्यवाही के लिए एनसीएलटी, दिल्ली में आवेदन दायर किया है। दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता की धारा 10 कर्जदार को अपने खिलाफ दिवाला समाधान प्रक्रिया शुरू करने की छूट देती है। स्वैच्छिक दिवाला कार्यवाही की अपील करने वाली गो फर्स्ट दूसरी प्रमुख विमानन कंपनी है। इससे पहले जेट एयरवेज ने भी दिवाला कार्यवाही के लिए अपील की थी।

होंडा ने अपनी नई मध्यम आकार की एसयूवी को 'एलिवेट' नाम दिया, अगले महीने पेश होगी

एजेंसी, नयी दिल्ली । होंडा कार्स इंडिया अगले महीने बाजार में अपनी मध्यम आकार की एसयूवी (स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल) उतारने जा रही है। कंपनी ने इस वाहन को 'एलिवेट' का नाम दिया है। कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा, ''वैश्विक मॉडल की तरह विकसित एलिवेट को अगले महीने वैश्विक रूप से पेश किया जाएगा। कंपनी ने कहा कि एलिवेट को दुनियाभर में एसयूवी की भारी मांग को पूरा करने के लिए नए वैश्विक मॉडल के तौर पर विकसित किया गया है। कंपनी ने बताया कि आगामी मॉडल को वैश्विक रूप से सबसे पहले भारत में पेश किया जाएगा। जापानी वाहन विनिर्माता कंपनी होंडा मोटर कंपनी के पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी होंडा कार्स इंडिया देश में फिलहाल सिर्फ दो मॉडल-'सिटी' और 'अमेज' बेच रही है। कंपनी देश में तेजी से मजबूत हो रहे एसयूवी खंड में एलिवेट के साथ दोबारा प्रवेश करती दिख रही है।

अडानी विल्मर का चौथी तिमाही का मुनाफा 60 प्रतिशत घटकर 93.61 करोड़ रुपए पर

एजेंसी, नयी दिल्ली । खाद्य तेल क्षेत्र की प्रमुख कंपनी अडानी विल्मर का बीते वित्त वर्ष की मार्च में समाप्त चौथी तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 60 प्रतिशत घटकर 93.61 करोड़ रुपए रह गया है। आमदनी घटने से कंपनी का मुनाफा भी नीचे आया है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में कंपनी ने 234.29 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी कुल आय घटकर 13,945.02 करोड़ रुपए रह गई, जो एक साल पहले समान तिमाही में 14,979.83 करोड़ रुपए थी। पूरे वित्त वर्ष 2022-23 में अडानी विल्मर का शुद्ध लाभ 803.73 करोड़ रुपए से घटकर 582.12 करोड़ रुपए रह गया। हालांकि, वित्त वर्ष के दौरान कंपनी की आय बढ़कर 58,446.16 करोड़ रुपए हो गई।

मणप्पुरम फाइनेंस के परिसरों पर ईडी की छापेमारी

एजेंसी, नयी दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केरल में गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) मणप्पुरम फाइनेंस से जुड़े कई परिसरों पर छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि कंपनी के खिलाफयह छापेमारी धन शोधन से जुड़ी जांच सिलसिले में की गई है। सूत्रों ने बताया कि कंपनी पर भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों का उल्लंघन करते हुए आम जनता से 150 करोड़ रुपए जुटाने का आरोप है। यह छापेमारी इसी को लेकर सबूत जुटाने के लिए की गई है। उन्होंने कहा कि त्रिशूर में कंपनी के मुख्यालय और इसके प्रवर्तकों के परिसरों सहित कुल चार स्थानों की तलाशी ली जा रही है। कंपनी को इस बारे में भेजे गए ई-मेल का कोई जवाब नहीं मिला है।

पंजाब में अनाज आधारित एथनॉल संयंत्र लगाएगी जगतजीत इंडस्ट्रीज

एजेंसी, नयी दिल्ली । शराब कंपनी जगतजीत इंडस्ट्रीज लिमिटेड पंजाब में अनाज आधारित एथनॉल विनिर्माण संयंत्र लगाने के लिए 210 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी की एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि इस कदम का मकसद हरित ईंधन की पेट्रोल में मिश्रण के लिए बढ़ती मांग का लाभ उठाना है। वर्ष 1944 में स्थापित जगतजीत इंडस्ट्रीज देश में भारत में बनी विदेशी शराब (आईएमएफएल) और देशी शराब के विनिर्माण की अग्रणी कंपनियों में से है। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनी के विनिर्माण संयंत्र कपूरथला (पंजाब) और बहरोड़ (राजस्थान) में हैं। जगतजीत इंडस्ट्रीज की प्रवर्तक और मुख्य पुनर्गठन अधिकारी रोशनी सनाह जायसवाल ने कहा, ''हम पंजाब के कपूरथला जिले के हमीरा में 200 किलो लीटर प्रतिदिन (200 केएलपीडी) क्षमता के साथ एक नया अनाज आधारित एथनॉल संयंत्र लगा रहे हैं। इस परियोजना की कुल लागत 210 करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि इस निवेश का वित्तपोषण बैंक ऋण और आंतरिक स्रोतों से किया जाएगा। कंपनी को 25 एकड़ में फैले इस संयंत्र के लिए पर्यावरण मंजूरी और वन एवं पर्यावरण मंत्रालय से लाइसेंस पहले ही मिल चुका है। इस संयंत्र के जून, 2024 में शुरू होने की उम्मीद है।

अदालती सुनवाई में अनुपस्थिति से नाखुश अदालत ने इमरान खान को जमानत रद्द करने की चेतावनी दी

एजेंसी, इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की विभिन्न अदालती सुनवाई से लगातार अनुपस्थित रहने पर नाखुशी जताते हुए उनकी अंतरिम जमानत रद्द करने की बुधवार को चेतावनी दी। पिछले साल पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के सांसद मोहसिन शाहनवाज रांझा द्वारा दायर हत्या के प्रयास के मामले में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के प्रमुख खान की अंतरिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश आमेर फारूक ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री ने ''अदालतों का मजाक'' बनाया हुआ है। साथ ही अदालत ने खान को बुधवार को ही अदालत में पेश होने को कहा। उल्लेखनीय है कि पिछले साल अप्रैल में अविश्वास प्रस्ताव के जरिये सत्ता से हटाए जाने के बाद से खान के खिलाफ100 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। हालांकि, अभी तक किसी भी मामले में उनकी गिरफ्तारी नहीं हुई है।

सर्बिया में 14 वर्षीय लड़के ने स्कूल में बरसाईं गोलियां, 8 छात्रों व गार्ड की मौत

एजेंसी, बेलग्रेड। सर्बिया में एक एक 14 वर्षीय लड़के ने राजधानी बेलग्रेड के एक स्कूल में बुधवार सुबह गोलीबारी की, जिससे 8 छात्रों व एक सुरक्षा कर्मी की मौत हो गई तथा कई लोग घायल हो गए। सर्बिया पुलिस के मुताबिक, पुलिस को सुबह आठ बजकर 40 मिनट के आसपास व्लादिस्लाव रिबनिकार प्राइमरी स्कूल में गोलीबारी की सूचना मिली। बयान के अनुसार, संदिग्ध किशोर सातवीं कक्षा का एक छात्र है और उसे हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस और गवाहों ने कहा कि लड़के ने छात्रों और सुरक्षा गार्डों पर गोलियां चलाने से पहले कक्षा में अपने शिक्षक को गोली मारी। बयान में कहा गया है कि संदिग्ध ने अपने पिता की बंदूक से अन्य छात्रों और स्कूल के गार्ड पर कई गोलियां बरसाईं। सर्बियाई मीडिया में प्रसारित खबरों के मुताबिक, गोलीबारी में स्कूल के 8 बच्चों व गार्ड की मौत हो गई।

वायरल वीडियो में नीतू कपूर संग पद्मिनी कोल्हापुरे भी नाटू नाटू पर थिरकता हुई आई नजर

आरआरआर के सुपरहिट ट्रैक नाटू नाटू को लेकर जो उन्माद है, वह जल्दी खत्म होता नहीं दिख रहा है। कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित, एमएम केरावनी के ट्रैक ने कई भौगोलिक बाधाओं को तोड़ दिया है, जिससे यह हर किसी की प्लेलिस्ट में बना हुआ है। और अब, नीतू कपूर और पद्मिनी कोल्हापुरे नाटू नाटू बैंडवागन में शामिल हो गए हैं क्योंकि एनटीआर और राम चरण ने मूल रूप से जेआर की विशेषता वाले गीत पर पैर हिलाया था। जुग जुग जीयो अभिनेत्री को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जो कुछ ही समय में वायरल हो गया। वीडियो में पद्मिनी ने काले रंग की पैंट के साथ नीले रंग का ब्लाउज पहना हुआ है, जबकि नीतू ने बैंगनी पैंट के साथ सफेद टॉप और काले रंग का ब्लेजर पहना हुआ है। क्लिप में, नीतू कपूर पद्मिनी कोल्हापुरे के साथ अपने घर पर दिखाई दे रही हैं, और उनकी ऊर्जा अतुलनीय है। वीडियो की शुरुआत नीतू कपूर के स्टेप्स करने से होती है, जिसमें पद्मिनी शामिल होती हैं। दोनों की दोस्ती और जिस तरह से उन्होंने डांस स्टेप्स को सिंक किया, उसने नेटिजन्स को प्रभावित किया है। फोटो-शेयरिंग प्लेटफॉर्म पर वीडियो के हिट होने के तुरंत बाद, प्रशंसकों के स्कोर ने अभिनेत्रियों और उनके नृत्य कौशल की प्रशंसा करते हुए टिप्पणी शुरू कर दिया। सोशल मीडिया यूजर्स में से एक ने लिखा, सदाबहार अभिनेत्रियां, दूसरे ने कहा, एक फ्रेम में मेरी पसंदीदा दो सुंदरियां नीतू जी और पद्मिनी जी और नीतू मैम आपका डांस उफ्फ। एक तीसरे सोशल मीडिया यूजर ने कमेंट किया, ब्यूटीफुल, लवली। एक अन्य सोशल मीडिया यूजर ने लिखा, वाह.. क्या एनर्जी है। एक सोशल मीडिया यूजर ने उन्हें ऊर्जावान महिलाएं भी कहा। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि एसएस राजामौली की महान कृति ने पहले ही इस साल गोल्डन ग्लोब्स क्रिटिक्स च्वाइस अवार्ड्स सहित कई अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त कर लिए हैं। इसके अलावा, नाटू-नाटू को जनवरी में सर्वश्रेष्ठ मूल गीत का ऑस्कर भी मिला है।

››› बॉलीवुड ‹‹‹

वो मुझे पहले से पसंद था... अंकित गुप्ता संग रिश्ते पर प्रियंका चाहर चौधरी ने लगा दी मुहर

टीवी सीरियल उडारियां में प्रियंका चाहर चौधरी और अंकित गुप्ता की जोड़ी दर्शकों को खूब पसंद आई थी। बिग बॉस 16 में भी प्रियंका और अंकित की दोस्ती ने खूब सुर्खियां बटोरी थी। दर्शकों को ऑन स्क्रीन और ऑफ स्क्रीन ये जोड़ी काफी पसंद है और लोगों को उडारियां से ही इनकी केमिस्ट्री बहुत अच्छी लगती है। सोशल मीडिया पर भी दोनों अक्सर एक-दूसरे की पोस्ट कर रिएक्ट करते रहते हैं। पिछले काफी वक्त से टीवी गलियारों से ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि प्रियंका चाहर चौधरी और अंकित गुप्ता एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। हालांकि दोनों हमेशा ही एक-दूसरे को अपना सबसे अच्छा दोस्त बताते आए हैं। हालांकि अब इतने टाइम बाद खुद एक्ट्रेस प्रियंका ने इन खबरों पर चुप्पी तोड़ी है और साथ ही अपने और अंकित गुप्ता के रिश्ते का सच भी बताया है। हाल ही में दिए मीडिया इंटरव्यू के दौरान पॉपुलर एक्ट्रेस प्रियंका चाहर चौधरी ने अपने को-एक्टर अंकित गुप्ता को डेट करने की खबरों को लेकर खुलकर बात की। इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि उनके और अंकित को लेकर जो खबरें सामने आ रही हैं वो सिर्फ अफवाह हैं जबकि रियल में ऐसा कुछ नहीं है। एक बार फिर प्रियंका ने अंकित को अपना सबसे अच्छा दोस्त बताया। इस बारे में प्रियंका ने कहा, ये रिश्ता बिल्कुल एक प्यारी सी दोस्ती कहलाता है यार। मैं ईमानदारी से बताऊं तो वो मेरा बहुत अच्छा दोस्त है। कुछ रिश्ते ना आपको पता नहीं होते हैं। उसने कभी नहीं सोचा होगा कि मेरी उससे इतनी अच्छी दोस्ती हो जाएगी। मुझे तो हमेशा से पसंद था, मुझे उसे छेड़ना पसंद था। मेरे को अच्छा दोस्त पहले से लगने लगा था वो। लेकिन वो लोगों से थोड़ा दूरी बनाए रखता है ना। इतना ही नहीं उन्होंने इस बारे में बात करते हुए आगे कहा, ष्बाद में अंकित को भी एहसास हुआ कि यार अच्छा है। तो ये रिश्ता पूरा दोस्ती का है, उससे ज्यादा कुछ नहीं है। इससे पहले अंकित संग नाम जुड़ने पर प्रियंका ने कहा था कि वो इस वक्त काम पर ध्यान दे रही हैं और दूसरी चीजों के लिए उनके पास कोई वक्त नहीं है। इस बारे में अभी तक अंकित की तरफ से कोई रिएक्शन सामने नहीं आया है।

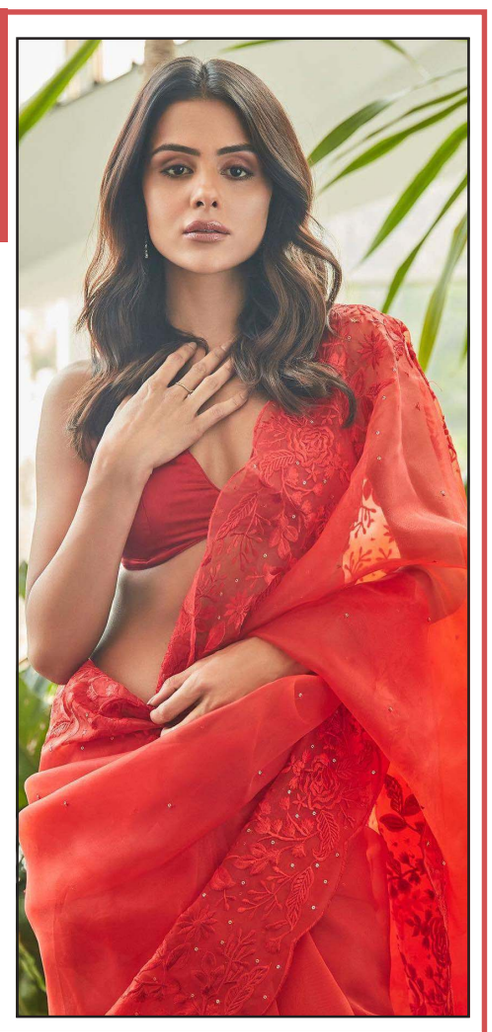

सेल्फी लेते फैन के साथ शाहरुख खान की बदसलूकी

यूजर बोले- फिल्म क्या चली एटीट्यूड आ गया

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेताओं में से एक शाहरुख खान का नाम उन मशहूर एक्टर्स की लिस्ट में शुमार हैं जिन्होंने फिल्मी दुनिया में बिना किसी सहारे के अपने लिए एक ऐसी जगह बनाई हैं जिसे बनाने में किसी भी एक्टर को सालो लग जाते हैं। फिल्मी दुनिया में 4 साल के बाद भी अपना कमबैक करने के बाद भी उन्होंने ऑडियंस से जो प्यार मिला वो उन्ही की कड़ी मेहनत और फैन फॉलोविंग का कमाल था। जनवरी में रिलीज हुई पठान ने बॉक्स ऑफिस पर सफलता के वो झंडे गाड़े जिसकी तो लोगो ने उम्मीद से भी परे था। इन दिनों एक्टर अपनी आने वाली फिल्म की शूटिंग में बिजी है। जिसके लिए एसआरके कश्मीर भी पहुंचे हुए हैं। वहीं अब शाहरुख खान का एक लेटेस्ट वीडियो सामने आया है। जो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो को देखने के बाद कई यूजर एक्टर किंग खान पर अपना गुस्सा जाहिर कर रहे है। बुधवार को शाह रुख खान कश्मीर से अपनी शूटिंग को खत्म कर वापस मुंबई लौटे। ऐसे में उन्हें मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। एयरपोर्ट से बाहर निकलते हुए हजारों फैंस की भीड़ और पैपराजी ने एक्टर को घेर लिया। इसी बीच एक शख्स किंग खान के साथ सेल्फी लेने की इच्छा की, लेकिन गुस्से में तिलमिलाए किंग खान उसे सेल्फी लेने से मना कर दिया है और गुस्से से फैन का हाथ झटका। जिसके बाद से यूजर्स का ये वीडियो देख गुस्सा सातवे आसमान पर पहुंच गया और उन्होंने किंग खान को खूब खरी-खोटी सुनानी शुरू कर दी। इस दौरान एक्टर ब्लैक कलर की लेदर वाली जैकेट और जींस पहने हुए नजर आए। उनके चेहरे पर हमेशा की तरह गॉगल्स दिखे। अब एक्टर का ये रवैया देख यूजर उनपर काफी भड़क रहे हैं। एक यूजर ने लिखा- पठान चल गई तो अकड़ आ गई। दूसरे यूजर ने लिखा- हे भगवान.. उस व्यक्ति को धक्का देना कितना बुरा है। तीसरे ने लिखा- फोटो के लिए मन भी किया जा सकता है जया बच्चन या जॉन अब्राहम जैसा बर्ताव करने के बजाय। तो वहीं एक यूजर ने लिखा- अलग ही लेवल का एटीट्यूड आ गया शाह रुख के अंदर। शाहरुख खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्टर जल्द ही अपनी अगली पेशकश जवान में नजर आएंगे। जवान फिल्म में शाह रुख एक्शन करते नजर आने वाले हैं साथ ही बताया जा रहा हैं कि ये फिल्म जल्द ही फिल्मी सिनेमा पर दस्तक देगी। इसके अलावा फिल्म डंकी में भी उनका एक नया अवतार देखने को मिलेगा।

जल्द मां बनने वाली हैं एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना

डिनर डेट के बाद टमी का रखती दिखीं खास ख्याल

टेलीविजन वर्ल्ड की फेसम एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना काफी टाइम से किसी सीरियल में नजर नहीं आई हैं। मगर वो सोशल मीडिया पर हमेशा ही एक्टिव रहती हैं। करिश्मा ने साल 2022 में अपने बॉयफ्रेंड वरुण बंगेरा संग शादी के बंधन में बंधकर अपनी लाइफ की नई शुरुआत की थी। इन दिनों एक्ट्रेस अपनी लाइफ के इस फेज को एन्जॉय कर रही हैं। इसी बीच एक्ट्रेस की प्रेग्नेंसी न्यूज सुर्खियां बटोर रही हैं। हाल ही में करिश्मा और उनके पति वरुण को एक डिनर डेट पर स्पॉट किया गया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर ताबड़तोड़ वायरल हो रहा है। वीडियो को देखने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स के बीच इस बात को लेकर खलबली शुरु हो गई है कि करिश्मा तन्ना जल्द ही मां बनने वाली है। चलिए जानते है अचानक यूं करिश्मा की प्रेग्नेंसी खबरें क्यों तूल पकड़ रही हैं। वायरल वीडियो में करिश्मा और वरुण को डिनर के बाद मुंबई के एक रेस्तरां से बाहर निकलते हुए देखा जा सकता है। जैसे ही कपल रेस्तरां से बाहर आता है उसे वैसे वहां मौजूद पैपराजी रोक लेते हैं जिसके बाद वो उन्हें साथ में कई पोज देते हैं। इस दौरान, नागिन एक्ट्रेस ब्लैक कलर की प्रिंटेड मिडी ड्रेस में काफी खूबसूरत लग रही थीं, जिसे उन्होंने शानदार स्लिंग बैग और मैचिंग पंप्स के साथ स्टाइल किया था। वहीं, उनके पति वरुण कैजुअल्स में काफी हैंडसम लग रहे थे। मगर इस दौरान करिश्मा कुछ ऐसा करती दिखाई दे रही हैं जिसके बाद से ही नेटिजन्स ये कयास लगा रहे हैं कि वो प्रेग्नेंट हैं। दरअसल, वीडियो में करिश्मा को बार-बार अपने टमी को टच करते हुए देखा जा सकता है। एक्ट्रेस के ऐसे अपने टमी पर हाथ लगाना और उसकी केयर करता देख लोगों ने ये कयास लगाना शुरु कर दिया है कि करिश्मा और वरुण अपने पहले बेबी की उम्मीद कर रहे हैं। करिश्मा तन्ना के वायरल वीडियो में सोशल मीडिया यूजर्स तरह-तरह के रिएक्शन दे रहे हैं। एक यूजर ने कॉमेंट बॉक्स में लिखा, गुडन्यूज जल्द ही आने वाली है। दूसरे यूजर ने कहा, वो प्रेग्नेंट लग रही हैं। तीसरे ने लिखा,'बार-बार टमी को टच क्यों कर रही।' एक अन्य यूजर ने कॉमेंट में लिखा, 'लग रहा है कि ये प्रेग्नेंट है।' इसी तरह के कॉमेंट्स से सारा कॉमेंट बॉक्स भरा पड़ा है और कुछ लोगों ने तो एक्ट्रेस को बधाई देनी भी शुरु कर दी है। करिश्मा ने वरुण बंगेरा से 5 फरवरी 2022 को ग्रैंड वेडिंग की थी। वरुण आइवरी शेरवानी में अपनी दुल्हन को कॉम्प्लीमेंट करते हुए डैपर लग रहे थे। वहीं, अपनी शादी के खास दिन पर दुल्हन करिश्मा एक पेस्टल कलर के हैवी एंब्रॉयडर्ड लहंगे में मिनिमल मेकअप और पोल्की ज्वेलरी में अप्सरा जैसी खूबसूरत दिख रही थीं।

››› बॉलीवुड ‹‹‹

परदे पर जल्द कास्ट होने वाली है एक नई जोड़ी, एक्टर कार्तिक आर्यन संग स्क्रीन शेयर करेंगी ये खूबसूरत हसीना

बॉलीवुड के हैंडसम हंक कहे जाने वाले कार्तिक आर्यन आज किसी भी पहचान के मौहताज नहीं हैं। कार्तिक ने अपने मेहनत और लगन से इस इंडस्ट्री में खुद के पैरों पर अपनी एक खास पहचान बनाई हैं। कार्तिक ने बॉलीवुड को कई हिट फिल्में दी हैं। ऐसे में कार्तिक आर्यन अब एक बार फिर से परदे पर अपना जादू चलाने के लिए तैयार हो गए हैं। लेकिन खास बात ये है की कार्तिक की जोड़ी इस बार किसी अलग हसीना के साथ देखने को मिलने वाली हैं। जिनका नाम सुनकर आप ही शॉक रह जाएंगे। दअरसल कार्तिक आर्यन जल्द ही कबीर खान की एक्शन फिल्म में नजर आने वाले हैं। वैसे तो हमने कार्तिक तो अधिकांस कॉमेडी और रोमांटिक फिल्मों में भी काम करते हुए देखा हैं। लेकिन इस बार कार्तिक फुल एक्शन करते हुए देखे जाएंगे। इसी के साथ कार्तिक की एक्ट्रेस भी इस बार बदलने वाली हैं। आपको बता दे की सत्यप्रेम की कथा और भूल भुलैया 2 में कियारा आडवाणी के साथ नजर आने वाले कार्तिक आर्यन कबीर खान की अपकमिंग फिल्म में विक्की कौशल की पत्नी कटरीना कैफ के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करते दिख सकते हैं।बताया जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग इस साल अक्टूबर से शुरू होने जा रही है। एक सूत्र के मुताबिक कबीर खान की फिल्म में कार्तिक मुख्य रूप से एक्शन अवतार में ही नजर आने वाले हैं। इसी के साथ कबीर खान कार्तिक आर्यन के लिए एक को-स्टार की भी तलाश कर रहे हैं। जहां कहा जा रहा है की कबीर ऐसी एक्ट्रेस की तलाश कर रहे है जिसने अभी तक कार्तिक के साथ स्क्रीन स्पेस साझा नहीं किया है। ऐसे में कृति सेनन और कियारा आडवाणी निश्चित रूप से बाहर हैं।

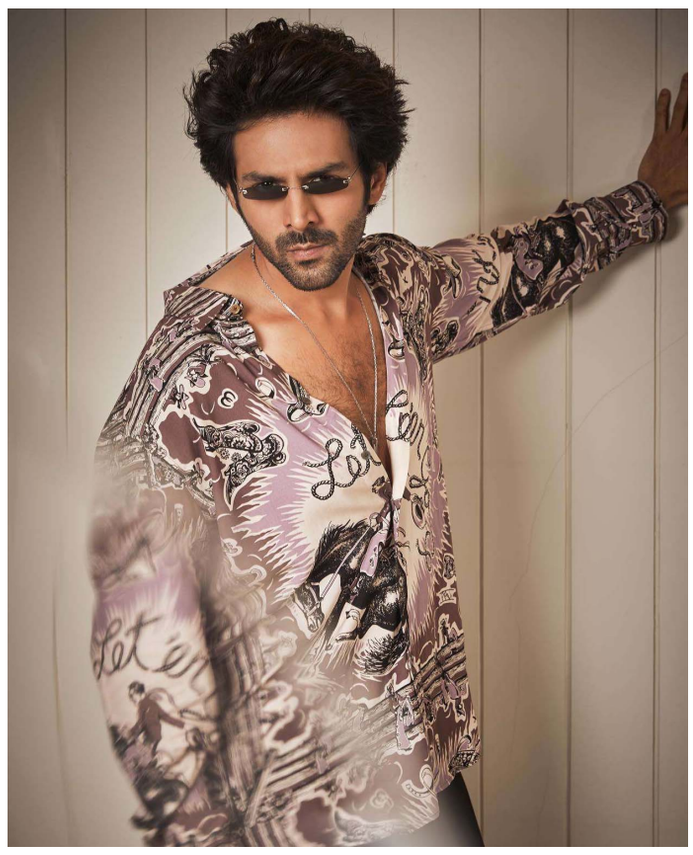

स्टार एक्सप्रेस
स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक नरेन्द्र कुमार द्वारा सांई ऑफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन, कैसरबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं एमजी-18, सेक्टर-सी, अलीगंज, लखनऊ (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक: नरेन्द्र कुमार। (पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा) R.N.I. No.- UPHIN/2008/24076 Email Id : starexpressnews@gmail.com

CMYK